{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 01 मई 2026
वैशाख शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 216
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,913.50
निफ्टी	-	23,997.55
सोना	-	1,50,660
चांदी	-	2,50,000
डॉलर	-	94.89

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

भारत-इटली रक्षा साझेदारी को नई धार, सह-उत्पादन पर सहमति

नई दिल्ली। भारत और इटली ने गुरुवार को रक्षा क्षेत्र में सहयोग को नई ऊंचाई देने का बड़ा फैसला लिया है। दोनों देशों ने सैन्य हार्डवेयर के सह-उत्पादन के लिए एक मजबूत रक्षा औद्योगिक ढांचा विकसित करने का संकल्प लिया। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में जारी संकट और बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य ने रणनीतिक साझेदारियों की अहमियत बढ़ा दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके इतालवी समकक्ष गुइडो क्रोसेटो के बीच नई दिल्ली में हुई बैठक में द्विपक्षीय रक्षा और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति बनी। इस दौरान दोनों देशों ने 2026-27 के लिए द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना (एमसीपी) का भी अनावरण किया। राजनाथ सिंह ने बताया कि वार्ता में पश्चिम एशिया की स्थिति सहित कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही 'आत्मनिर्भर भारत' पहल और इटली की रक्षा सहयोग योजनाओं के तहत पारस्परिक रूप से लाभकारी औद्योगिक साझेदारी बढ़ाने के रास्तों पर भी विचार किया गया।

ऑस्ट्रेलिया से डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँचा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया से नियमों के उल्लंघन के आरोप में डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँच गया है, जिसमें से 11 व्यक्ति पंजाब के विभिन्न जिलों से संबंधित हैं। इन सभी यात्रियों के दिल्ली पहुँचते ही सुरक्षा एजेंसियों और इमिग्रेशन अधिकारियों ने करीब पाँच घंटे तक गहन पूछताछ की, ताकि डिपोर्ट किए जाने के वास्तविक कारणों और उनकी गतिविधियों का पूरा ब्यौरा जुटा सके। पंजाब सरकार ने मामले को गंभीरता से लेकर अपने प्रतिनिधियों और विशेष वाहनों का दल दिल्ली भेजा है, ताकि इन लोगों को सुरक्षित उनके गृह जिलों तक पहुँचाया जा सके। इसके लिए एक टेंपो ट्रैवलर और अन्य गाड़ियों का प्रबंध हवाई अड्डे पर ही किया गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डिपोर्ट किए लोग जालंधर, होशियारपुर, खन्ना, मोगा, नवांशहर, गढ़शंकर, तरनतारन, फिरोजपुर और रूपनगर जैसे इलाकों के निवासी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि इन नागरिकों ने ऑस्ट्रेलिया में प्रवास के दौरान वहां के स्थानीय नियमों का उल्लंघन किया था, जिसके परिणामस्वरूप ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने उन्हें वापस भारत भेजने का कठोर निर्णय लिया। वापस लौटे व्यक्तियों में जसवंत सिंह, अंग्रेज सिंह, सतिंदरजीत सिंह शेरगिल, गुरप्रीत सिंह संधू, जगजीत सिंह, जसप्रत सिंह, निर्मल सिंह, श्रुति शर्मा, रणजी सिंह, हरप्रीत सिंह और गगनदीप सिंह शामिल हैं, जिनकी उम्र 25 से 41 वर्ष के बीच है। यह घटनाक्रम पिछले साल अमेरिका द्वारा 104 अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किए जाने की याद दिलाता है, जिन्हें अमेरिकी वायुसेना के विमान से अमृतसर लाया गया था।

बेंगलुरू में खड़गे ने कहा, अभी कोई मुख्यमंत्री नहीं बदला जाएगा

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कर्नाटक में अभी कोई मुख्यमंत्री नहीं बदला जाएगा। कर्नाटक

राज्य में नेतृत्व का मुद्दा जल्द ही सुलझ जाएगा। कांग्रेस प्रमुख का बयान पार्टी और राजनीतिक हलकों में उन अटकलों के बीच आया है कि 4 मई के बाद नेतृत्व परिवर्तन और कैबिनेट में फेरबदल पर फैसला हो सकता है। बेंगलुरू में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, यहां पहले से ही एक मुख्यमंत्री है। अगर सोनिया, राहुल गांधी और मुझे मिलकर बदलाव की दिशा में कोई फैसला लेना है, तब इसमें थोड़ा समय लगेगा।

बरगी डैम में क्रूज हादसा, चार की मौत, 15 यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया

जबलपुर । बरगी डैम में एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहां पर्यटकों को लेकर जा रहा एक क्रूज अचानक डूब गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब 15 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया है। हादसा उस समय हुआ जब क्रूज डैम के बीचों-बीच पहुंचा था। अचानक संतुलन बिगड़ने और पानी भरने के कारण नाव डूबने लगी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। बचाव कार्य तेजी से चलाया गया, जिसमें स्थानीय मछुआरों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि क्रूज में क्षमता से अधिक लोग सवार थे या सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी। अधिकारियों ने कहा है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह हादसा एक बार फिर पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की गंभीरता पर सवाल खड़े करता है।

हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाएं खारिज कर कहा कि अदालत संसद को कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे पर कानून बनाना विधायिका का अधिकार है। शीर्ष अदालत केवल जरूरत की ओर ध्यान दिला सकती है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि नीति बनाना और कानून तैयार करना विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। अदालत इसमें कोई दखल नहीं दे सकती। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उन याचिकाओं पर दिया, जिसमें केंद्र की मोदी सरकार को हेट स्पीच और अफवाह फैलाने से जुड़े कानूनों की समीक्षा कर नया कानून बनाने का निर्देश देने की मांग उठी थी।

कांग्रेस अध्यक्षों के ट्रेनिंग कैंप में पहुंचे राहुल गांधी

विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब देने टिप्स दिए

कांगड़ा। एजेंसी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार सुबह के वक्त हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा पहुंचे। वे सुबह 8 बजे कांगड़ा एयरपोर्ट पर उतरे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से कांगड़ा के गुप्त गंगा पहुंचे, जहां पंजाब, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर के कांग्रेस अध्यक्षों का ट्रेनिंग कैंप चल रहा है।

इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार भी राहुल गांधी के साथ ही गाड़ी में गुप्त गंगा पहुंचे। यहां पर कांग्रेस के तीन राज्यों के 80 जिला अध्यक्षों की ट्रेनिंग हो रही है। राहुल गांधी इन्हें संगठन को मजबूत करने, मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग, जमीनी स्तर पर मतदाताओं से जुड़ने और विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब देने टिप्स दिए हैं। इस शिविर का आयोजन कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत हो रहा है।

राहुल गांधी के दौरे को देखकर कांगड़ा सब्जी मंडी में गुरुवार को अवकाश घोषित किया

गया है, ताकि ट्रैफिक जाम की स्थिति से बचा जा सके। इससे पहले बुधवार को एसपीजी कमांडो द्वारा कांगड़ा एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक दो बार सुरक्षा जांच और पेट्रोलिंग की गई।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने बताया कि राहुल गांधी पूरे देश में संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस नेताओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसी कड़ी में वे कांगड़ा पहुंचे हैं। हिमाचल कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रशिक्षण शिविर के संयोजक एवं एचआरटीसी के उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने बताया कि राहुल गांधी का यह दौरा केवल प्रशिक्षण शिविर तक सीमित है। इसमें आम जनसंपर्क कार्यक्रम शामिल नहीं है।

ये नेता भी कांगड़ा में मौजूद

राहुल गांधी के दौरे के मद्देनजर मुख्यमंत्री सुक्खू पिछले तीन दिन से कांगड़ा में डटे हैं और तैयारियों में जुटे हैं। उनके अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल, कैबिनेट मंत्री व अन्य वरिष्ठ नेता भी कांगड़ा पहुंच चुके हैं। जिला अध्यक्षों को प्रशिक्षण देने के बाद राहुल गांधी हिमाचल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ भी चर्चा कर सकते हैं।

भाजपा नेताओं ने कहा, जिस तरह सूरज का उगना तय, उसी तरह बंगाल में बीजेपी की सरकार बनना तय

नई दिल्ली। देश में पांच राज्यों के चुनावों के बाद आए एग्जिट पोल ने राजनीतिक माहौल को काफी गरमा दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने इन एग्जिट पोल के आधार पर असम, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में अपनी पार्टी की सरकार बनने का दावा कर दिया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि जनता ने विकास और स्थिरता के नाम पर पार्टी को समर्थन दिया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनबाज हुसैन ने एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि नतीजे स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि असम और बंगाल में भाजपा भारी बहुमत से सरकार बनाने वाली है। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा, जिस तरह सूरज का उगना तय है, इसी तरह बंगाल में भाजपा सरकार बनना भी निश्चित है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर रहेगा और केरल में भी चौंकाने वाले परिणाम आ सकते हैं। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को लेकर भारतीय चुनाव आयोग की सराहना कर कहा कि आयोग ने निष्पक्ष चुनाव कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उल्लेख किया कि जहां कहीं अनियमितताओं या टेपिंग की शिकायतें आई हैं, वहां फिर मतदान कराने का निर्णय लिया गया है, जो लोकतंत्र की मजबूती को दिखाता है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है और परिणामों में साफ नजर आएगा। भाजपा सांसद राहुल सिन्हा ने चुनाव आयोग और राज्य की जनता का धन्यवाद देकर कहा कि लोगों ने बिना डर के मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने एग्जिट पोल के आधार पर विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन परिणामों से संकेत मिलता है कि 'इंडिया ब्लॉक' का विघटन तय है और यह गठबंधन राहुल गांधी के नेतृत्व से थक चुका है।

वहीं भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि देश अब नकारात्मक राजनीति को नकार रहा है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) अधिकतम राज्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं की भी सराहना की, जिन्होंने बड़ी संख्या में मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत किया।

अन्य नेताओं में जदयू के श्रवण कुमार ने कहा कि चुनावी रुझानों से भाजपा के पक्ष में माहौल दिख रहा है और जनता हिंसा करने वालों को जवाब देगी। वहीं कर्नाटक के पूर्व मंत्री सीटी रवि ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोग बदलाव चाहते हैं, जहां महिलाएं सुरक्षा और युवा रोजगार की मांग कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल मतगणना में केंद्रीय कर्मियों की तैनाती ?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों की मतगणना को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय की चर्चा है। खबरों के अनुसार, इस बार मतगणना कार्य में राज्य सरकार के कर्मचारियों की ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। इसके बजाय केंद्र सरकार के विभागों और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों (क्क्स्न्न्) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतगणना के कार्य में तैनात किए जाने की योजना चुनाव आयोग की है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने यह निर्णय मतगणना की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लेने जा रहा है। चुनाव आयोग का कहना है, चुनावों में राज्य प्रशासन की भूमिका को लेकर विपक्षी दलों ने सवाल उठाए हैं, जिसके बाद चुनाव आयोग वैकल्पिक व्यवस्था पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इस संबंध में अभी तक भारत निर्वाचन आयोग की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेषज्ञों का मानना है यह निर्णय चुनाव आयोग के लिए चुनौती पूर्ण होगा। इतने बड़े पैमाने पर केंद्रीय कर्मचारियों की उपलब्धता और समन्वय एक चुनौती बन सकता है। इसके साथ ही राज्य की अस्मिता और राज्य के अधिकारियों कर्मचारियों की विश्वसनीयता को लेकर पहली बार देश में एक नया विवाद बनने की संभावना व्यक्त की जा रही है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर वैसे भी टीएमसी सहित सभी गैर भाजपाई दल चुनाव आयोग को निशाने पर ले रहे हैं। एग्जिट पोल में जिस तरह से चुनाव परिणाम दिखाए जा रहे हैं उसको लेकर बंगाल में तीव्र प्रतिक्रिया होती हुई दिख रही है। फिलहाल सभी की नजरें चुनाव आयोग के अंतिम आदेश पर टिकी हैं।

बंगाल चुनाव-77 बूथों पर पुनर्मतदान पर विचार, शिकायतों की जांच तेज

नई दिल्ली। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के बाद सामने आई अनियमितताओं को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए 77 बूथों पर पुनर्मतदान कराने पर विचार कर रहा है। ये बूथ दक्षिण 24 परगना जिले की चार विधानसभा सीटों—फाल्टा, डायमंड हार्बर, मगरहाट और बजबज—में स्थित हैं, जहां 29 अप्रैल को मतदान हुआ था। आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, फाल्टा से 32, डायमंड हार्बर से 29, मगरहाट से 13 और बजबज से तीन शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन शिकायतों में ईवीएम में छेड़छाड़, मशीनों पर संदिग्ध पदार्थों के इस्तेमाल, बूथ कब्जाने और सीसीटीवी कैमरों को बाधित करने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शिकायतों की संख्या और प्रकृति को देखते हुए आयोग कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। इसी क्रम में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता को जमीनी स्तर पर जांच के निर्देश दिए हैं। गुप्ता विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं और अन्य पर्यवेक्षकों से भी बातचीत कर रहे हैं। डायमंड हार्बर के मगरहाट पश्चिम क्षेत्र से एक बेहद गंभीर आरोप भी सामने आया है, जिसमें मतदाताओं की पसंद पर नजर रखने के लिए उनकी शर्ट की जेब में जासूसी कैमरे लगाए जाने का दावा किया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी तथ्यों का आकलन करने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। यदि जरूरत पड़ी तो प्रभावित बूथों पर शुक्रवार को ही पुनर्मतदान कराया जा सकता है।

आईएसआई समर्थित एक खतरनाक जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़

जालधंर। पंजाब पुलिस के जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने बड़ी सफलता हासिल कर आईएसआई (आईएसआई) समर्थित एक खतरनाक जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जो देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ था। इस विशेष ऑपरेशन के दौरान फिरोजपुर निवासी सुखविंदर सिंह उर्फ सुखा को गिरफ्तार किया गया है, जो पूरे गिरोह के मुख्य सूत्रधार के रूप में काम कर रहा था। जांच के दौरान जो तथ्य सामने आए हैं वे बहुत चौंकाने वाले हैं; आरोपी और उसके साथी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों, विशेषकर भारतीय सेना के ठिकानों और छावनियों के पास सौर ऊर्जा से चलने वाले आधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगा रहे थे। इन कैमरों की सबसे घातक विशेषता यह थी कि इसमें 4जी सिम कार्ड और इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा थी, जिसके माध्यम से वे सैन्य गतिविधियों की लाइव फुटेज सीधे सीमा पार बैठे अपने पाकिस्तानी हैंडलर्स को मोबाइलद एप के जरिए भेज रहे थे। पुलिस ने कपूरथला से चीन में निर्मित कई सोलर सीसीटीवी उपकरण और अन्य तकनीकी साक्ष्य बरामद किए हैं, जिनका उपयोग इस जासूसी के लिए हो रहा था। इस गंभीर मामले को लेकर अमृतसर के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल में प्राथमिकी दर्ज की गई है और पुलिस अब इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने के लिए सुखविंदर से पूछताछ कर रही है ताकि इसके अन्य सहयोगियों को भी दबोचा जा सके। पंजाब के पुलिस महानिदेशक ने कार्रवाई की पुष्टि कर बताया कि राज्य पुलिस इस तरह के राष्ट्रविरोधी तत्वों और जासूसी तंत्र को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह मामला तकनीक के दुरुपयोग के माध्यम से सीमा पार से संचालित होने वाले नए किस्म के सुरक्षा खतरों को उजागर करता है, जहाँ चीन निर्मित उपकरणों का इस्तेमाल भारतीय सीमाओं के भीतर खुफिया जानकारी जुटाने के लिए किया जा रहा था।

राजस्थान युवा कांग्रेस चुनाव-8 दिन में 7 करोड़ की कमाई, सदस्यता का बना नया रिकॉर्ड

अलवर। राजस्थान में युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनावों ने सदस्यता और फंड जुटाने के मामले में नया इतिहास रचा है। अलवर से लेकर पूरे प्रदेश में चुनावी सरगर्मी के बीच महज 8 दिनों में युवा कांग्रेस ने सदस्यता शुल्क के द्वारा करीब 7 करोड़ रुपए जुटाए हैं। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले एक साल में पूरी कांग्रेस पार्टी को राजस्थान से कुल 25 करोड़ का चंदा मिला था। युवा कांग्रेस के इन चुनावों की सबसे खास शर्त यह है कि मतदान करने के लिए प्रत्येक युवा को पार्टी का सदस्य बनना अनिवार्य है, जिसके लिए इस बार 75 रुपए का शुल्क तय किया गया है। 21 अप्रैल से शुरू हुआ यह सदस्यता और वोटिंग अभियान 20 मई तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन औसतन सवा लाख वोट डाले जा रहे हैं। पूरे प्रदेश में ब्लॉक से लेकर प्रदेश स्तर तक के विभिन्न पदों के लिए 7 हजार से ज्यादा युवा प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। एक मतदाता एक साथ प्रदेशाध्यक्ष, महासचिव, जिलाध्यक्ष, जिला महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष के लिए वोट कर रहा है। राजनीतिक दृष्टि से चुनाव अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा और सचिन पायलट जैसे दिग्गज नेताओं के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए मुख्य मुकाबला अभिषेक चौधरी, जिन्हें गहलोत-डोटासरा गुट का समर्थन प्राप्त है, और अनिल चौपड़ा के बीच है, जो पायलट गुट के करीबी माने जा रहे हैं। पिछले चुनावों की तुलना में इस बार न केवल उम्मीदवारों की संख्या 15 से बढ़कर 20 हो गई है, बल्कि सदस्यता शुल्क भी 50 रुपए से बढ़ाकर 75 रुपए कर दिया गया है। पिछली बार कुल 20 लाख सदस्य बने थे और 10 करोड़ का फंड जमा हुआ था, लेकिन इस बार की सक्रियता पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ती नजर आ रही है। खैरथल-तिजारा जिलाध्यक्ष बलराम यादव के अनुसार, 35 वर्ष तक का कोई भी युवा सदस्य बनकर इस पारदर्शी प्रक्रिया का हिस्सा बन सकता है। सदस्यता से प्राप्त यह बड़ी धनराशि भविष्य में युवा कांग्रेस के कार्यक्रमों और सांगठनिक गतिविधियों को मजबूती देने के काम आएगी। इस चुनावी प्रक्रिया की पल-पल की जानकारी इंडियन यूथ कांग्रेस के आधिकारिक ऐप पर भी अपडेट की जा रही है, जो युवाओं के बीच भारी उत्साह का केंद्र बनी हुई है।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव-बच्चू कडू की घर वापसी और ज़ीशान सिद्दीकी पर एनसीपी का भरोसा

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में दो बड़े घटनाक्रम सामने आए, जिसने आगामी विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों के समीकरण बदल दिए हैं। प्रहार जनशक्ति पक्ष के प्रमुख और फायरब्रैंड नेता बच्चू कडू ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने और अपनी पार्टी का विलय करने का फैसला किया है। कडू, जो 2024 के चुनाव में हार गए थे, ने शिंदे से मुलाकात के बाद बताया कि किसानों, खेतिहर मजदूरों और दिव्यांगों की मांगों पर मिले ठोस आश्वासन के कारण वे 25 साल बाद अपनी पुरानी पार्टी में लौट रहे हैं। वे अब शिवसेना के आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में एमएलसी चुनाव के लिए नामांकन भरने वाले है। दूसरी ओर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने अपने दिवंगत दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की विरासत को आगे बढ़ाकर उनके बेटे ज़ीशान सिद्दीकी को मैदान में उतारा है। बांद्रा पूर्व से विधानसभा चुनाव हारने के बावजूद, पार्टी ने युवाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए ज़ीशान पर दांव खेला है। ज़ीशान ने इस मौके पर सुनेत्रा पवार सहित पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। महाराष्ट्र विधान परिषद की 9 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि गुरुवार दोपहर 3 बजे तक है।

कुछ ना कहना

नागरिकों का सम्मान करें, नाबालिग की प्रेग्नेंसी पर केंद्र की याचिका देख भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगा दी। मामला एक 15 साल की रेप पीड़िता की 31 हफ्ते की प्रेग्नेंसी खत्म करने से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह के संवेदनशील मामलों में अंतिम निर्णय का अधिकार पीड़िता और उसके परिवार को है, न कि सरकार को निर्णय लेना चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने केंद्र सरकार द्वारा दायर की गई क्यूरेटिव पिटीशन (उपचारात्मक याचिका) पर नाराजगी जाहिर की। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के उस बीते आदेश को चुनौती दी थी जिसमें नाबालिग को गर्भपात की अनुमति दी गई थी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील को कहा, नागरिकों का सम्मान करें, मैडम... आपकोद इस चुनौती देने का कोई अधिकार नहीं है। यह अधिकार सिर्फ पीड़िता या उसके परिवार के पास है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने भावुक होकर कहा कि नाबालिग ने जिस सदमे और मानसिक यंत्रणा को सहा है, उसकी भरपाई दुनिया की कोई भी चीज नहीं कर सकती। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने भी मोदी सरकार के रुख पर सवाल उठाकर कहा, हम व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करते हैं, और आपको करना चाहिए... सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि माता-पिता को मेडिकल जानकारी दी जानी चाहिए और उन्हें यह तय करने की इजाज़त दी जानी चाहिए कि बच्चे की शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए सबसे अच्छा क्या है। एक अहम टिप्पणी में, सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि मौजूदा कानूनों में बदलाव की ज़रूरत हो सकती है। कोर्ट ने कहा, जब रेप की वजह से प्रेग्नेंसी होती है, तब कोई समय सीमा नहीं होनी चाहिए। कानून को लचीला होना चाहिए और बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए कानूनी अधिकारियों ने दलील दी कि इस चरण में प्रेग्नेंसी खत्म करना जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि नाबालिग प्रेग्नेंसी को पूरा होने तक जारी रख सकती है और बच्चे को गोद देने के लिए दे सकती है। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट इस नज़रिए से सहमत नहीं हुआ, और पीड़िता पर पड़ने वाले भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक असर की ओर इशारा किया।

पहले के आदेश में प्रेग्नेंसी खत्म करने की इजाज़त दी गई थी

सुप्रीम कोर्ट ने पहले नाबालिग को मेडिकल तरीके से अपनी प्रेग्नेंसी खत्म करने की इजाज़त दी थी, और उसके मानसिक तनाव तथा उसकी ज़िंदगी पर पड़ने वाले गंभीर असर को ध्यान में रखा था।

ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका, हमारी सेना लंबे युद्ध के लिए तैयार

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को स्वेच्छा से और अपनी शर्तों पर रोका था, और वह पाकिस्तान के खिलाफ लंबे युद्ध के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारी सेना ने ठीक उन्हीं लोगों को निशाना बनाया जिन्होंने हम पर हमला किया था। और मैं यहाँ फिर से यह साफ कहना चाहता हूँ कि हमने यह ऑपरेशन इसलिए नहीं रोका क्योंकि हमारी क्षमताएँ कम हो गई थीं। बल्कि ये ऑपरेशन अपनी मर्ज़ी से, अपनी शर्तों पर रोका, और अगर ज़रूरत पड़ती, तब हम एक लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार थे। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने तब से अपनी क्षमताओं का विस्तार किया है और अचानक ज़रूरत पड़ने पर वे पूरी तरह से मज़बूत हैं। हमारे पास सर्ज कैपेसिटी (अचानक ज़रूरत पड़ने पर अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की क्षमता) भी थी। न केवल हमारे पास यह पहले थी, बल्कि आज भी है और अब यह पहले से भी कहीं ज़्यादा मज़बूत है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि अब और कुछ कहने की ज़रूरत है। रक्षा मंत्री सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को एक टर्निंग पॉइंट बताया, जिसने दुनिया को दिखाया कि भारत आतंकवादी हमलों के जवाब में सिर्फ़ कूटनीतिक बयानों पर ही निर्भर नहीं रहता। उन्होंने आतंकवाद पर अपनी ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की और कहा कि उनके नेतृत्व में, किसी भी परिस्थिति में कोई भी आतंकवादी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर को करीब एक साल हो चुका है, और हमारा ऑपरेशन सिंदूर भी इस नई विश्व व्यवस्था का ही एक प्रतीक है। यह एक ऐसा निर्णायक मोड़ था जिसने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अब वह देश नहीं रहा जो पुरानी सोच पर चलता हो—जहाँ हमारी धरती पर आतंकवादी हमले होते थे और हम सिर्फ़ कूटनीतिक बयान जारी करके रह जाते थे। और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, हमारी सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी परिस्थिति में, किसी भी तरह की आतंकवादी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस आज

मजदूरों की भरमार, ना मिल रहा काम ना योजनाओं का लाभ, जिले में 2 लाख से अधिक मजदूर, आकड़ों में 40 हजार दर्ज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

आज 1 मई का दिन वह दिन है जो केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में 1मई के दिन को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है और इसी अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर देश में मजदूरों के योगदान ,उनकी उपयोगिता, निर्माण व विकाश कार्यो में उनकी सहभागिता और मजदूरों की मेहनत का बखान कर, उनके कार्यों की सराहना की जाती है। तो वही आज ही के दिन मजदूरों की शान में कई तरह के कसीदे गढ़े जाते हैं। लेकिन 1मई को मनाया जाने वाला मजदूर दिवस केवल और केवल कागजों में सिमट कर रह गया है। क्योंकि मजदूरों के लिए बनाई गई ज्यादातर सरकारी योजनाओं का लाभ सभी मजदूरों को अब तक नहीं मिल पाया है।जहां लाभ मिलना तो दूर की बात अब तक कई मजदूरों को योजनाओं तक की जानकारी नहीं दी गई है।ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि मजदूरों के लिए बनाई गई योजना का लाभ मजदूरों को ही नहीं मिल पा रहा है तो आखिर ऐसी योजनाओं का क्या फायदा।वही ऐसे कई मजदूर हैं जिनकी दयनीय स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है।इसके अलावा सम्बंधित विभाग भी ढेर सारी सरकारी योजना होने के बावजूद भी उनके जीवन स्तर को उपर नही उठा पा रहा है। तो वही आज भी मजदूरों के विभिन्न ठीए में शौचालय, पेशाब घर, मजदूरों के बैठने, उठने, आराम करने के लिए जगह तक मुहैया नहीं कराई गई है। यह सब तो दूर की बात कुछ स्थानों में तो मजदूरों के लिए पीने के पानी तक के इंतजाम नहीं है।कुल मिलाकर कहा जाए तो मजदूरों के लिए बनाई गई विभिन्न प्रकार की सरकारी योजना और अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस सिर्फ और सिर्फ कागजों में सिमट कर रह गया है।

कमर तोड़ मेहनत कर करते है रोटी का जुगाड़

बात अगर सरकारी आकड़ो की करे तो जिले में 17 लाख की आबादी में दो-ढाई लाख से अधिक मजदूर, रोजाना कमर तोड़ मेहनत कर दो जून की रोटी कमा रहे हैं। बावजूद इसके हर मजदूर, शासकीय आकड़ों में मजदूर नहीं है। तभी तो जिले की 17 लाख की आबादी में महज 40 हजार मजदूरों को ही मजदूर का दर्जा प्राप्त है। संबल योजना के तहत करीब 554076 मजदूर अलग पंजीकृत किए गए हैं। श्रम विभाग मजदूरों को कर्मकार मंडल में पंजीकृत मजदूर बनाने में उदासीन रवैया अपनाए हुए हैं। योजनाओं के प्रचार प्रसार को लेकर भी प्रयास देखने को नहीं मिल रहे हैं।कारण यहीं है कि शासन की योजनाएं कागजी आंकड़ों तक ही सीमित है।इतने वर्षो में सभी मजदूरों को योजनाओं का लाभ न मिल पाना शासन की योजनाओ की खानापूर्ति माना जा रहा है।वही कई मजदूर तो ऐसे है, जिन्हें विभाग मजदूर ही नही मानता, तो कई मजदूरों के आंकड़े तक विभाग के पास नही है।

दो विभागो के चक्कर मे फसे है मजदूर

आपको बताए कि पंचायत राज अधिनियम लागू होने के बाद ग्राम पंचायत के हर व्यक्ति को जिला व जनपद पंचायत से योजना का लाभ मिले ऐसे नियम बनाया गया है। नियम के आते ही मजदूर भी दो विभाग के बीच फंस गया है।जनपद से हितग्राही का चयन होने के बाद श्रम विभाग राशि का आबंटन करता है।ऐसे में लाभ लेने के लिए हितग्राही को दो विभाग के चक्कर लगाने पड़ते हैं। ऊपर से विडंबना यह है कि हर काम करने वाले को शासन कर्मकार मंडल मजदूर नहीं मानता। मतलब ठेकेदार तथा ईंट, रेत, गिट्टी, सीमेंट, लोहा, लकड़ी, पत्थर, टाईल्स, खपरे, मुरम, मिट्टी जैसी निर्माण सामग्री प्रदाय करने वाले व्यक्ति एवं स्वयं की पूंजी लगाकर लाभ कमाने वाले व्यवसाय से जुड़े व्यक्ति श्रमिक (मजदूर) की परिभाषा में नहीं आते। इस कारण इनका पंजीयन भी कर्मकार मंडल के मजदूरों में न करते हुए इन्हें संबल श्रमिक कार्ड जारी किया गया है। केवल भवन तथा अन्य संनिर्माण कार्य में जुड़े 49 श्रेणी के श्रमिकों को निर्माण मजदूर के रूप में शामिल किया है। इन्हीं ही योजनाओं के लाभ के लिए आवेदन करने की पात्रता प्रदान की गई है।जिसके चलते जिले में इनके सही आंकड़े भी एकत्र नही हो पा रहे है।

विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे मजदूर

प्राप्त जानकारी के अनुसार मजदूरों को लाभान्वित करने शासन ने करीब छह प्रकार की योजना बनाई है। इनमें विवाह, प्रसूती, मृत्यु, शिक्षा, मेघावी छात्र-छात्राओं को सहायता और चिकित्सा सहायता शामिल है। श्रम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक योजना प्रारंभ से अब तक जिलेभर में करीब 40 हजार मजदूरों का कर्मकार मंडल योजना में पंजीयन किया गया है। वहीं करीब साढ़े पांच लाख के संबल योजना के कार्ड बनाए गए हैं। लेकिन इनमें महज 60 प्रतिशत से भी कम को इन योजनाओं लाभ मिल पाया है।एक जानकारी के मुताबिक नियमानुसार निर्माण मजदूरों की विशिष्ठ पहचान के लिए शासन द्वारा भवन तथा अन्य संनिर्माण कार्य में जुड़े हुए 38 श्रेणी के श्रमिकों को निर्माण मजदूर के रुप में शामिल किया है। जिन्हें योजना का लाभ दिया जाना स्वीकृत हुआ है। इसके अंतर्गत स्थानीय निकाय, सार्वजनिक उपक्रमों, ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों की विभिन्न निर्माण योजना, पुल-पुलिया तालाब, नहर, भवन निर्माण, रोजगार गांरटी योजना सहित आदि स्थानों पर काम करने वाले पंजीकृत होकर लाभ ले सकते हैं। बावजूद इसके बीते 8वर्ष से हजारों मजदूर मनरेगा में काम कर रहे है।लेकिन श्रम विभाग ने उन्हें पंजीकृत नहीं किया है।

विभिन्न योजनाओं के बावजूद नही सवर रही जिंदगी

प्राप्त जानकारी के अनुसार मजदूरों के हितार्थ को देखते हुए कर्मकार मंडल व विभाग द्वारा कई योजनाओ के तहत मजदूरों का उत्थान किए जाने की शासन ने योजना बनाई है।इसमे प्रसूति सहायता, चिकित्सा सहायता, मृत्यु सहायत, शिक्षा प्रोत्साहन, मेघावी विद्यार्थी पुरस्कार, विवाह सहायता, अंत्येष्टि एवं अनुग्रह, श्रमिक कौशल प्रशिक्षण, लोक सेवा एवं संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा में सफलता पर पुरुस्कार योजना, पेंशन सहायता, निर्माण पीठा श्रमिक (आश्रय) शेड योजना, 10वीं, 12वी में सुपर 5000 योजना, व्यावसायिक पाठ्यक्रम हेतु अनुदान, भवन निर्माण नगरीय व ग्रामीण, औजार, उपकरण खरीरी में अनुदान, यूजी/पीजी में कोचिंग पर अनुदान, रैन बसेरा, साइकल/बाईक खरीदी में अनुदान, खिलाड़ी प्रोत्साहन, श्रमोदय विद्यालय योजनाए शामिल है। ढेर सारी योजनाओं के बावजूद भी मजदूर अपनी बदहाल जिंदगी से उभर नही पा रहा है।

जागरूकता का अभाव

श्रम विभाग के जिम्मेदार स्वयं की उदासीनता और लापरवाही को छिपाने मजदूरों में ही जागरूकता की कमी बताते हैं। श्रम विभाग के अनुसार हर छह माह में मजदूरों की श्रेणी वाइस न्यूनतम और अधिकतम मजदूरी आंकड़े जारी किए जाते हैं। लेकिन इनके मुताबिक उन्हें भुगतान मिल रहा है या नहीं इस बात की फिक्र करने वाला कोई नहीं है। योजनाओं का लाभ भी मजदूर तब ले पाएगा, जब उसे इनकी जानकारी हो, लेकिन लाभ दिलाए जाने न तो शिविर लगाए जाते हैं न योजनाओं का सही प्रचार प्रसार किया जाता है। मजदूर इनका लाभ लें भी तो कैसें, इस बात की जानकारी स्वयं मजदूरो को भी नही है।

पलायन को लेकर नहीं चिंता

श्रमिकों के लिए अलग से विभाग निर्धारित है। इनके लिए दर्जनों योजनाएं भी बनाई गई है। बावजूद इसके प्रतिवर्ष होने वाले पलायन के आंकड़े विभागीय खानापूर्ती की पोल खोलने काफी है।कोरोना काल में सामने आए आंकडों के अनुसार करीब ढाई से तीन लाख लोग बाहर कमाने खाने जाया करते हैं।ऐसे में योजनाओं का लाभ किन श्रमिकों को दिया जा रहा है, यह बड़ा सवाल है। शिक्षा से लेकर मृत्यु तक लाभ दिए जाने के बावजूद बड़ी संख्या में पलायन होना चिंता का विषय बना हुआ है।

ना मजदूरी बढ़ रही है , ना योजनाओं का लाभ मिल रहा है

मामले को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान कई मजदूरों ने बताया कि अभी गर्मी का समय चल रहा है लेकिन मजदूरों के लिए पीने के पानी तक के इंतजाम नहीं किए गए हैं। पेशाब घर, शौचालय तक की व्यवस्था नहीं है। मजदूरों के स्वास्थ्य के प्रति भी किसी का कोई ध्यान नहीं है।इसके अलावा मजदूरी भी काफी कम है। महंगाई के हिसाब से हर साल मजदूरी बढ़नी चाहिए।लेकिन नहीं बढ़ रही है।वर्तमान समय में 300 से 350 रुपए मजदूरी दी जा रही है।जबकि महंगाई के हिसाब से वर्तमान समय में 400 से 500 रु मजदूरी मिलनी चाहिए।इसके अलावा बीमा, पेंशन, पंजीयन तक का लाभ विभाग द्वारा नहीं दिया जा रहा है और ना ही विभाग द्वारा इसकी जानकारी दी गई है।केवल बालाघाट शहर ही नहीं बल्कि तहसीलों से भी मजदूर यहां मजदूरी के लिए आते हैं। हम शासन प्रशासन की इन योजनाओं से खुश नहीं है और ना ही हमें उन योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

साढ़े 5 लाख से अधिक मजदूरों का किया गया है पंजीयन- ठाकरे

दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान श्रम विभाग में पदस्थ आरके ठाकरे, ने बताया कि विभाग की ओर से साढ़े पांच लाख से अधिक मजदूरों का संबल योजना में पंजीयन किया गया है। कर्मकार मंडल पंजीयन का कार्य प्रगतिरत है।पात्रता रखने वाले को मजदूर पंजीयन किया जाता है।योजना का लाभ नहीं मिलने या निर्धारित वेतन से कम मिलने पर हितग्राही विभाग में अपील कर सकते हैं। उन्हें न्याय दिलाया जाएगा।मजदूरी की समस्याओं और शिकायतों का निराकरण करने का विभाग इमानदारी से प्रयास करता हैं।

पंचायत में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी का झांसा देकर महिला से 1.28 लाख की ठगी

आरोपी अंतेश्वर मसकरे को 5 साल की सजा- 1 लाख जुर्माना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यहा की सत्र अदालत ने नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से धोखाधड़ी और दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले में

अहम फैसला सुनाया है। विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत ने आरोपी अंतेश्वर पिता रामेश्वर मसकरे 33 वर्ष मरारी मोहल्ला भरवेली को निवासी को5 वर्ष के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगताने आदेश दिए।

क्या है पूरा मामला

यह मामला 2 वर्ष पहले सन 2024 का है। अभियोजन के अनुसार पीड़ित महिला पॉलिटेक्निक पास है और उसके पति एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी में कार्यरत हैं। महिला नौकरी की तलाश कर रही थी किंतु उसे बालाघाट में नौकरी नहीं मिली थी। रिपोर्ट लिखवाने के आठ माह पहले महिला से आरोपी अंतेश्वर मिला। उसने खुद को जनपद पंचायत का कर्मचारी बताकर श्रमिक कार्ड बनवाने के नाम पर महिला से दस्तावेज और 2 हजार रुपये लिए। इसी दौरान महिला ने नौकरी की जरूरत बताई तो अंतेश्वर ने पंचायत विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी लगवाने का झांसा दिया। इसके बाद आरोपी ने अलग-अलग किश्तों में महिला से कुल 1 लाख 28 हजार रुपये वसूल लिए।

भोपाल ले जाकर किया दुष्कर्म

3 नवंबर 2024 को अंतेश्वर ने महिला को फोन कर जनपद पंचायत विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी लगे और भोपाल में ट्रेनिंग की बात कही। महिला 40 हजार रुपये लेकर अकेले भोपाल पहुंची थी जहां आरोपी अंतेश्वर ने उसे होटल ले गया। महिला ने आरोप लगाई कि अंतेश्वर ने पैसे लेने के बाद ट्रेनिंग के नाम पर टालमटोल करता रहा। रात 9 बजे उसने नौकरी के बदले शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया और 4 दिन तक जबरदस्ती शारीरिक शोषण करता रहा। और किसी को बताने पर परिवार को जान से मार डालने की धमकी दी। 8 नवंबर 2024 को आरोपी अंतेश्वर ने महिला को बालाघाट वापस छोड़ गया। डर के कारण महिला ने पहले किसी को नहीं बताया। 22 नवंबर 2024 को हिम्मत जुटाकर पति को पूरी घटना बताई।जिसके बाद महिला थाना बालाघाट में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

अदालत का फैसला

महिला पुलिस थाने में आरोपी अंतेश्वर के खिलाफ धारा 318(4), 127(3), 64(2)(एम), 69, 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर इस मामल में उसे गिरफ्तार किया था। मामला सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत में चला। लोक अभियोजक एम.एम. द्विवेदी ने शासन की ओर से पैरवी की। विद्वान अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी अंतेश्वर को धारा 318(4) क्व्हस्‍ यानी धोखाधड़ी के आरोप में दोषी पाया। ।अदालत ने उसे 5 साल की सश्रम कारावास और 1 लाख रुपये जुर्माने का आदेश दिये।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

1 मई से शुरू होगा 'आरोह 2026' ग्रीष्मकालीन कराते प्रशिक्षण शिविर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेल एवं युवा कल्याण संचालनालय, भोपाल के निर्देशानुसार तथा जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के मार्गदर्शन में 1 मई से 30 मई 2026 तक 'आरोह' ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का उद्देश्य 19 वर्ष से कम आयु के बालक-बालिकाओं के व्यक्तित्व निर्माण,

शारीरिक, मानसिक एवं सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है।

जिला खेल कराते प्रशिक्षक सचिंद्र कृष्णन ने बताया कि जिले के मुलना स्टेडियम, जिला मुख्यालय के खेल मैदानों एवं विकासखंड मुख्यालयों में आयोजित इस शिविर में विभिन्न खेल गतिविधियों के साथ खिलाडि़यों को जीवन के महत्वपूर्ण आयामों से भी परिचित कराया जाएगा। 'आरोह' का अर्थ है निरंतर आगे बढ़ते रहना। यह नाम पर्वतारोहियों की उस भावना को दर्शाता है, जो कठिनाइयों के बावजूद अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहते हैं।

शिविर के दौरान खिलाड़ियों के समग्र विकास के लिए सात प्रमुख बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इनमें फिट इंडिया मूवमेंट, व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक एवं मनोरंजन गतिविधियां, खेल गतिविधियां, परिवार एवं सामुदायिक सहभागिता, सामाजिक जागरूकता तथा प्रतियोगिताएं एवं प्रमाण पत्र शामिल हैं। विभाग द्वारा इस वर्ष शिविर में भाग लेने वाले खिलाडि़यों के लिए ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य किया गया है। इसके लिए क्यूआर कोड जारी किया गया है, जिसके माध्यम से इच्छुक खिलाड़ी अपनी पसंद के खेल का चयन कर पंजीयन कर सकते हैं। पंजीयन के बाद संबंधित खेल के प्रशिक्षकों से शाम 5 बजे संपर्क किया जा सकता है।

जिला कराते प्रशिक्षण केंद्र, मुलना स्टेडियम में कराते प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक खिलाड़ी सुबह 6-30 बजे तथा शाम 5 बजे के बाद प्रशिक्षण का लाभ ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कराते प्रशिक्षक श्री सजिन्द्र कृष्णन से शाम 5-30 बजे संपर्क किया जा सकता है।

मलांजखंड में क्षेत्रीय खो-खो प्रतियोगिता का समापन, खिलाड़ियों ने दिखाई अद्भुत प्रतिभा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मलाजखंड में आयोजित 55वीं क्षेत्रीय खो-खो प्रतियोगिता का समापन अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। तीन दिनों तक चले इस खेल आयोजन में संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर खेल भावना की मिसाल प्रस्तुत की। समापन दिवस पर 14 वर्ष से कम आयु वर्ग तथा सत्रह वर्ष से कम आयु वर्ग के अंतिम मुकाबले अत्यंत रोमांचक रहे। खिलाड़ियों ने अपनी गति, कौशल और सूझबूझ का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। अंतिम मुकाबलों के पश्चात राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों के चयन हेतु परीक्षण मुकाबले भी आयोजित किए गए, जिनमें चयन समिति ने प्रतिभागियों की क्षमता का गहन आकलन किया। समापन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार प्रसाद ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के परिणामों में चौदह वर्ष से कम आयु वर्ग में मेजबान पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मलांजखंड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि केंद्रीय विद्यालय उमरिया द्वितीय और केंद्रीय विद्यालय वेहिकल फेक्ट्री शिफ्ट 01 जबलपुर तृतीय स्थान पर रहे। वहीं सत्रह वर्ष से कम आयु वर्ग में केंद्रीय विद्यालय नवरोजाबाद ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मलांजखंड द्वितीय और व्हीकल फैक्ट्री शिफ्ट-1 जबलपुर तृतीय स्थान पर रहा। प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार प्रसाद ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि जीत और हार से बढ़कर खेल से मिलने वाली सीख और अनुशासन जीवन में अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक वाई.के. भगत, शारीरिक शिक्षा शिक्षक तेजलाल तिवारी तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही विभिन्न स्थानों से आए क्रीड़ा अधिकारियों, निर्णायकों और विशेषज्ञों ने प्रतियोगिता के सफल संचालन में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने आयोजन समिति, सभी सहयोगी अधिकारियों, निर्णायक मंडल, दल प्रभारियों तथा खिलाडि़यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और नेतृत्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तीन दिनों तक चला यह खेल आयोजन क्षेत्र में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करने में सफल रहा।

एकलव्य विद्यालय बैहर में रोजगार मेले का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आदिवासी अंचल के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एकलव्य विद्यालय बैहर में 29 अप्रैल को भव्य रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में बैहर, बिरसा, गढ़ी और परसवाड़ा क्षेत्र के युवाओं को आमंत्रित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रोजगार मेले में यजाकी, टाटा इलेक्ट्रॉनिक एवं टाटा मोटर्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लेकर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए। मेले में 1000 से अधिक युवाओं ने पंजीयन कर इंटरव्यू दिया, जिसमें से 700 से अधिक युवाओं को मौके पर ही ऑफर लेटर प्रदान किए गए। जिले के कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में आदिवासी क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आयोजित इस मेले को युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम में बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे ऐसे अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करें और अपने कौशल का विकास करते हुए जीवन में आगे बढ़ें। इस दौरान परसवाड़ा एसडीएम शिरीष प्यासी भी उपस्थित रहे। रोजगार मेले में जनप्रतिनिधियों, जिनमें सांसद प्रतिनिधि बुद्ध मरकाम, जनपद अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता कर युवाओं का उत्साहवर्धन किया। यह रोजगार मेला न केवल युवाओं को रोजगार से जोड़ने का माध्यम बना, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सशक्त पहल भी साबित हुआ।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0004/ड-154/2026-27
मौजा लोहारा, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सोना सोनवाने पति स्व0 बलीराम जाति लोहार, निवासी ग्राम लोहारा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा लोहारा, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदिका द्वारा अपनी माता मानकुबाई पति स्व0 दयाराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 13.03.2013 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम लोहारा के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 05.05.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 01.05.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरुपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

ऑल इंडिया रीजनल रूरल बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन ने सौपा ज्ञापन

वर्षो से लंबित मांगो को पूरा कराने सांसद से लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैंकिंग सेवा नियमो में बदलाव, कार्य की समायावधि कम करने, पदोन्नति देने सहित वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी ना होने से बैक कर्मचारी और उनके संगठन सरकार से खासा नाराज है।जो समय समय पर ज्ञापन, आवेदन, निवेदन और हड़ताल कर सरकार को चेताने का काम कर रहे है।इसी क्रम में मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन तथा मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन

द्वारा सांसद भारती पारधी से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौपा गया है।जहां सौपे गए ज्ञापन में संगठन के पदाधिकारियों द्वारा पदोन्नति नियमों में संशोधन ,अर्हता सेवा अवधि में कमी, उच्च पदों का सृजन, बैंकिंग सेवा नियमों में संशोधन, दैनिक वेतन भोगी/ अस्थाई श्रमिकों का नियतिकरण, प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) लागू करने, बैंकिंग उद्योग मानकों के अनुरूप स्थानांतरण नीति का युक्तिकरण, करने, 30,000 से अधिक रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती किए जाने, कर्मचारियों को लाभ एवं भत्तों में समानता देने, प्रायोजक बैंक के प्रति नियुक्त अधिकारियों को वापस बुलाने सहित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा गया है।जिसमे उन्होंने उनकी समस्त मांगे जल्द जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।इस दौरान मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव लीलाधर सुलाखे ने ज्ञापन के माध्यम ग्रामीण बैंक कर्मचारियों की समस्याओं की जानकारी से अवगत कराते हुए मांगे पूरी कराने की गुहार लगाई। इस अवसर पर सुशील वर्मा, पूर्व महासचिव, मनीष कुमार मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के संयुक्त सचिव, रमेश पटले, निखिल धनतोले, राजकुमार मर्सकोले, संतोष कटरे, मुकेश कुमार, छगन करकाड़े, राकेश कुमार सहित मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के अन्य पदाधिकारी सदस्य व कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्मिक उपस्थित रहे।बताया गया कि सांसद श्रीमती पारधी ने अपने निज सहायक को बुलाकर वित्त मंत्रालय को पत्र लिखने के निर्देश दिए है।

बूढ़ी शराब दुकान के विरोध में महिलाओं का अनोखा प्रदर्शन

शराब लेने आने वालों का फूल-माला पहनाकर कर रही स्वागत

20 दिनों से जारी आंदोलन ने लिया नया रूप, शांतिपूर्ण तरीके से दे रहीं संदेश, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ने दिया समर्थन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी क्षेत्र में शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर चल रहा महिलाओं का आंदोलन अब एक अनोखे रूप में सामने आ रहा है। जहां आमतौर पर विरोध प्रदर्शन में नारेबाजी और आक्रोश देखने को मिलता है, वहीं यहां की महिलाएं शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावी तरीके से अपनी बात रख रही हैं। महिलाएं शराब दुकान पर आने वाले ग्राहकों का विरोध करने के बजाय उन्हें फूलों की माला पहनाकर और गुलाब भेंट कर अपनी नाराजगी जाहिर कर रही हैं। इस प्रतीकात्मक विरोध के जरिए वे यह संदेश देने की कोशिश कर रही हैं कि शराब के कारण क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और इसे रिहायशी इलाके से हटाया जाना चाहिए। इस अनोखे प्रदर्शन के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किए जा रहे हैं, जो तेजी से वायरल हो रहे हैं। शहर में इस तरीके की चर्चा जोरों पर है और लोग इसे एक अलग और सभ्य विरोध के रूप में देख रहे हैं। वहीं इस आंदोलन को अब जनप्रतिनिधियों का समर्थन भी मिलने लगा है। बीती रात रेखा बिसेन ने प्रदर्शन स्थल पहुंचकर महिलाओं का हौसला बढ़ाया और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई। जनप्रतिनिधियों के समर्थन के बाद महिलाओं का आत्मविश्वास और बढ़ गया है। वे लगातार संगठित होकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रही हैं और साफ तौर पर कह रही हैं कि जब तक शराब दुकान का स्थान परिवर्तन नहीं किया जाएगा, उनका आंदोलन इसी तरह जारी रहेगा।

शहर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित बूढ़ी क्षेत्र की शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की मांग को लेकर महिलाओं का आंदोलन अब नए और अनोखे रूप में सामने आया है। बीते करीब 20 दिनों से लगातार प्रदर्शन कर रहीं महिलाओं ने अब विरोध का शांतिपूर्ण और प्रतीकात्मक तरीका अपनाते हुए लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। 30 अप्रैल को सुबह से ही महिलाओं ने शराब दुकान के सामने साफ-सफाई अभियान चलाया। उन्होंने सड़क और नालियों की सफाई की और उसके बाद धरना स्थल पर बैठकर अपना प्रदर्शन जारी रखा। इस दौरान जब भी कोई व्यक्ति शराब खरीदने दुकान पर पहुंचा, तो महिलाओं ने विरोध जताने के बजाय उसे फूल-मालाओं से स्वागत किया और गुलाब का फूल भेंट किया। महिलाओं का कहना है कि उन्होंने पहले कई तरीकों से प्रदर्शन किया, लेकिन कई बार विवाद और झड़प की स्थिति भी बनी। ऐसे में अब उन्होंने शांति का रास्ता अपनाया है, ताकि बिना किसी टकराव के अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाई जा सके। उनका कहना है कि यह विरोध का तरीका समाज को संदेश देने के लिए अपनाया गया है कि वे किसी से लड़ना नहीं चाहतीं, बल्कि अपने क्षेत्र में शांति और सुरक्षित माहौल चाहती हैं। इस अनोखे प्रदर्शन का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और लोग इस पहल की चर्चा कर रहे हैं।

इधर, 29 अप्रैल की रात को चल रहे प्रदर्शन के दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा बिसेन भी धरना स्थल पर पहुंचीं और महिलाओं के साथ बैठकर उनका समर्थन किया। उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि रिहायशी क्षेत्र में शराब दुकान का संचालन उचित नहीं है और इसे तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाएं लंबे समय से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रख रही हैं, ऐसे में प्रशासन को उनकी बात गंभीरता से सुननी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ अभद्रता और विवाद की घटनाएं हो रही हैं, जो बेहद चिंताजनक है। रेखा बिसेन ने इस मामले को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों और एसडीएम से चर्चा कर प्रदर्शन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रही हैं तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने रात के समय पर्याप्त रोशनी और पुलिस बल तैनात करने की भी मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि जब महिलाएं पिछले कई महीनों से आवेदन देकर शराब दुकान हटाने की मांग कर रही हैं, तो प्रशासन को इस पर शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने महिलाओं के आंदोलन को उचित ठहराते हुए कहा कि वे इस संघर्ष में उनके साथ हैं। वहीं प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने आरोप लगाया कि जहां एक ओर वे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जता रही हैं, वहीं शराब दुकान संचालक ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए नई-नई रणनीति अपना रहे हैं। उनका कहना है कि दुकान पर ही ग्राहकों को पानी और डिस्पोजल उपलब्ध कराकर वहीं शराब पिलाई जा रही है, ताकि ग्राहक बाहर न आएं और महिलाओं के विरोध का असर कम हो। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राहकों को लुभाने के लिए शराब के दामों में भारी कमी की जा रही है, जिससे अधिक से अधिक लोग दुकान की ओर आकर्षित हो सकें। महिलाओं ने संबंधित विभाग और प्रशासन से इस पूरे मामले में तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक शराब दुकान को यहां से हटाया नहीं जाता, उनका आंदोलन इसी तरह जारी रहेगा।

आल स्टाइल नेशनल कराटे चैंपियनशिप जिले के खिलाड़ियों ने दिखाया दम

25 स्वर्ण,15 रजत और 21 कांस्य पदक पर किया कब्जा, नेशनल कराटे चैंपियनशिप में रौशन किया जिले का नाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आल स्टाइल नेशनल कराटे चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधि कर बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने 61 पदक अपने नाम किए है।जिसमे 25 स्वर्ण पदक,15 रजत और 21 कांस्य पदक का शमावेश है।बताया गया कि 2 दिवसीय आल स्टाइल नेशनल कराटे चैंपियनशिप 28 और 29 अप्रैल को आयोजित की गई थी।सुतोकान स्पोर्ट्स कराते इंडिया एसोसिएशन,मप्र कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन बालाघाट संस्था के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी के मार्गदर्शन में आयोजित इस दो दिवसीय प्रतियोगिता कराटे प्रशिक्षक संस्था सचिव खेल विभाग कटंगी युवा समन्वय संतोष पारधी के सहयोग से सम्पन्न कराई गई।जिसमे छत्तीसगढ़ रायपुर से इशांत महंत द्वारा अन्य राज्य के प्रशिक्षक तथा खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल एवं कल्याण विभाग मुलना स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रथम दिन 28 अप्रैल तथा समापन दूसरे दिन 29 अप्रैल शाम 5 बजे किया गया।प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि रमेश रंगलानी, विशिष्ट अतिथि राहुल बरेसा,कार्यक्रम अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।जिन्होंने मुलना जी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर पदक विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। निर्णायक रेफरी तथा कराटे प्रशिक्षक कार्यक्रम के अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।प्रतियोगिता में विजेता टीम मध्य प्रदेश और उपविजेता छग टीम रही ,जिसे संस्था अध्यक्ष द्वारा ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता को संपन्न करवाने में खेल विभाग जिला कराटे प्रशिक्षक सचिन कृष्णन छत्तीसगढ़ से आए कराटे प्रशिक्षक इशांत महंत प्रतियोगिता आयोजक संस्था सचिव संतोष पारधी प्रशिक्षक,गणेश बोढे संजू मेश्राम, श्रद्धा भागडकर, प्रणय लांजेवार, साक्षी खैरकर शुभम मनेश्वर राहुल मर्सकोले उर्वशी चौधरी डॉली मोहुरकर ने सहयोग प्रदान कर प्रतियोगिता को संपन्न कराया। संस्था के उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, कोषाध्यक्ष सरिता केवल सोनकर ,सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार , सदस्य राजेंद्र बल्ले, लालबर्रा,बालाघाट युवा समन्वयक लव कुमार नगपुरे, खेल विभाग के पदाधिकारी ,कर्मचारी, केदार ठाकरे, योगेंद्र पटले, धीरज डोंगरे, दीपक औवचट,नरेश धुवारे एथलेटिक संघ अध्यक्ष शैलेंद्र यादव शिक्षा विभाग पवार मादी समिति के अध्यक्ष आर सी देशमुख ,मोहित कुमार मूले, कल्पना मुले कटंगी शिक्षा विभाग से एम ,एल भलावी शामिल रहे।

इन खिलाड़ियों ने झटके पदक

बताया गया कि प्रतियोगिता में, मप्र, छग, सहित अन्य राज्यो के खिलाड़ी, प्रशिक्षक शामिल रहे। प्रतियोगिता में 6 वर्ष से लेकर 30वर्ष के बालक, बालिका ने सहभागिता की सबसे कम उम्र में गार्गी मूले ने 2 स्वर्ण पदक कराते कता तथा कुमिते विद्या में प्राप्त किया। इसी प्रकार, लक्ष्य पटले द्वारा एक स्वर्ण पदक ,शिवाय वासनिक द्वारा एक रजत पदक, पोषण पटेल द्वारा एक स्वर्ण पदक, जियांश आरोही शरणागत द्वारा दो स्वर्ण पदक, हर्षिता गौतम द्वारा दो कांस्य पदक, गीताश्री द्वारा एक रजत पदक, अवनी ठाकुर द्वारा एक स्वर्ण पदक, मानवी पटले द्वारा एक रजत पदक,मान्या सातपुते ने एक स्वर्ण, एक कांस्य पदक, अविचल मिश्रा द्वारा एक रजत पदक, गीताशी निषाद द्वारा एक कांस्य पदक, सुशांक पारधी द्वारा दो स्वर्ण पदक ,आकृति मेश्राम द्वारा एक कांस्य पदक, दृष्टि गुप्ता द्वारा एक स्वर्ण पदक, अनाया पारधी द्वारा एक रजत पदक, साक्षी बर्वे द्वारा एक रजत, एक कांस्य पदक, काव्य राणा द्वारा एक कांस्य पदक, चित्रांश पंचेश्वर द्वारा एक स्वर्ण पदक, गजेंद्र यादव द्वारा एक रजत पदक, नितेश साहू द्वारा एक कांस्य पदक, सिद्धांत गौतम द्वारा एक कांस्य पदक, सलोनी बिसेन द्वारा एक स्वर्ण, एक कांस्य पदक, शिक्षा कावरे द्वारा एक रजत, एक स्वर्ण पदक, रिया राकेशसिया द्वारा एक कांस्य, एक रजत पदक, स्नेहा साहू द्वारा दो कांस्य पदक, सोहम नगपुरे द्वारा एक स्वर्ण, एक रजत पदक ,विराज देशमुख द्वारा एक रजत, एक स्वर्ण पदक, उमंग जंघेले द्वारा एक स्वर्ण, एक कांस्य पदक, वंश बर्वे द्वारा एक कांस्य, एक रजत पदक, काजल ठाकरे द्वारा एक स्वर्ण, एक रजत पदक, हर्षित तिवारी द्वारा एक रजत पदक, दीविता राउत द्वारा एक कांस्य, एक रजत पदक, ईशा चौरागडे द्वारा एक कांस्य एक स्वर्ण पदक, विनीता उइके द्वारा दो स्वर्ण पदक, नेहा झाडे द्वारा एक रजत, एक कांस्य पदक, विधि राउत द्वारा एक कांस्य, एक रजत पदक, डाली माहुरकर द्वारा एक स्वर्ण, एक कांस्य पदक, साक्षी खैरकर द्वारा दो स्वर्ण पदक, शुभम मानेश्वर द्वारा दो स्वर्ण पदक, कामेश्वरी तिवारी द्वारा एक रजत पदक, उर्वशी चौधरी द्वारा एक रजत, एक कांस्य पदक, सृष्टि बनवारी द्वारा एक रजत, एक कांस्य पदक, अवनी उरकुडे ने एक रजत, एक कांस्य पदक, यश बर्वे द्वारा एक रजत एक कांस्य पदक, हिमांशु डोंहरे द्वारा दो स्वर्ण पदक, और मौलिक कावरे ने दोस्वर्ण पदक हांसिल किए। अनिल सवांनकर,व अनस खान की भी प्रतियोगिता में सहभागी रही।

नाबालिक लड़की के हत्यारे को जल्द किया जाए गिरफ्तार

भरवेली,हीरापुर के ग्रामीणों ने थाना प्रभारी से की मुलाकात, सौपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले दिनों मॉयल नगरी भरवेली से लगे हुए ग्राम हीरापुर से एक दिल को झंझोर देने वाली घटना सामने आई थी, जहां पर वार्ड नंबर 5 निवासी नवी कक्षा की छात्रा हिना खान का शव 27 अप्रैल को घर के पास ही नाले की रेलिंग में लटकता हुआ पाया गया था।इस मामले को सोची समझी शाजिश बताते हुए, स्थानीय ग्रामीणों ने इसे हत्या करार दिया है।जिन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग को लेकर बुधवार देर शाम भरवेली थाना प्रभारी से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौपा है।जिंसमे उन्होंने मौत के पहले के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इसे हत्या बताते हुए,आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

क्या है पूरा मामला

बताया गया कि बहुत ही गरीब परिवार से आने वाली हिना खान जिसके माता-पिता मजदूरी का कार्य करते हैं,हिना अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी।ग्रामीणों का आरोप है कि 15 वर्षीय हिना नवी कक्षा की छात्रा थी जिसको 26 से 27 तारीख की मध्य रात्रि करीबन 1.40 को बहला फुसलाकर घर से बुलाया गया और सुबह करीबन 5ः30 बजे घर के पास ही लगे नाले की रेलिंग में हिना खान का शव फंदे से लटकते हुआ पाया गया।इस मामले में परिजनों व ग्रामीणों द्वारा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्यवाही कर उन्हें इंसाफ दिलाने की गुहार लगाई है।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जाए कार्यवाही

परिजनो का आरोप है कि ,उनके घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई इस घटनाक्रम के कुछ बिंदुओं को देखा जा सकता है।सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि हिना खान को 2 युवक मोटर साइकिल पर बैठा कर कही ले जा रहे है। और उसी सुबह हिना खान का शव फंदे से लटकता हुआ पाया गया। आखिर ऐसा क्या हुआ है उस रात में जो की एक बड़ा रहस्य बना हुआ है पुलिस द्वारा हिना खान का मोबाइल भी उसके घर से ?त कर लिया गया है।परिजनों ने सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे दोनो युवक को गिरफ्तार कर उनसे मामले को लेकर पूछताछ कर मामले का खुलासा किए जाने की मांग की है।

4 दिन बीत जाने पर भी नही हुआ खुलासा

इस घटना को 4 दिन बीत जाने के बाद भी किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर हीरापुर और भरवेली की जनता में आक्रोश देखा जा सकता है। 29 अप्रैल की देर शाम भरवेली और हीरापुर के लोगों ने थाने में जाकर के हिना खान के हत्यारे को जल्द गिरफ्तार करने और कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है जिससे कि ऐसी घटना की दोबारा पुर्नवृत्ति ना हो सके और पीडित परिवार को इंसाफ मिल सके।ग्रामीणों का आरोप है कि हिना ने आत्महत्या नही की है।बल्कि उसकी हत्या कर फाँसी के फंदे पर उसका शव लटकाया गया है।उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उन्हें इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है।

मामले की जांच जारी है- मेश्राम

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान थाना भरवेली उपनिरीक्षक आरपी मेश्राम ने बताया कि इस मामले के समस्त पहलुओं को देखते हुए मामले की जांच की जा रही है, जांच उपरांत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

तपती गर्मी के बीच बदला मौसम, तापमान में आई गिरावट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अप्रैल माह की भीषण गर्मी से बेहाल जिलेवासियों को गुरुवार को मौसम के अचानक बदले मिजाज ने बड़ी राहत प्रदान की। दोपहर के समय आसमान में अचानक बादल छा गए और देखते ही देखते तेज हवाओं के साथ जिले के कुछ स्थानों पर बुदाबादी के साथ बारिश शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक हुई इस बारिश ने जहां एक ओर वातावरण को ठंडक प्रदान की, वहीं दूसरी ओर लोगों को तपती धूप और उमस से भी राहत दिलाई। पिछले कई दिनों से लगातार बढ़ते तापमान के कारण आम जनजीवन प्रभावित हो रहा था, ऐसे में यह मौसम परिवर्तन किसी राहत भरी सौगात से कम नहीं रहा। मौसम के इस बदलाव को लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग के जिला विज्ञान केन्द्र की कृषि मौसम इकाई के मौसम विशेषज्ञ धर्मेंद्र अगासे ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले दिनों में भी मौसम का यही रुख बने रहने की संभावना है। 5 दिवसीय मध्यम श्रेणी के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, बालाघाट जिले में 3 मई तक आंधी-तूफान के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं। इस दौरान तेज हवाएं चलने और गरज-चमक की स्थिति भी बन सकती है, जिससे लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है। पूर्वानुमान के अनुसार इस अवधि में अधिकतम तापमान 41.8 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना जताई गई है, जबकि न्यूनतम तापमान 21.4 से 23.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। वहीं सुबह के समय वातावरण में नमी 58 से 66 प्रतिशत तथा दोपहर के समय 35 से 38 प्रतिशत तक रहने का अनुमान है। हालांकि गुरुवार को हुई बारिश के चलते अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई और यह 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो पिछले दिनों की तुलना में काफी कम है। गुरुवार को बालाघाट मुख्यालय में दोपहर के समय लगभग आधे घंटे तक बारिश हुई, जबकि लामता क्षेत्र में करीब एक घंटे तक झमाझम वर्षा का दौर जारी रहा। अचानक हुई इस बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी सामने आए। तेज हवाओं और बारिश के कारण कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई क्षेत्रों में कुछ समय के लिए अंधेरा छा गया और दैनिक कार्य प्रभावित हुए। इसके अलावा सड़कों पर जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बाजारों में भी कुछ समय के लिए रौनक कम हो गई और लोग बारिश से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। भू-अभिलेख विभाग के अनुसार जिले के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग मात्रा में वर्षा दर्ज की गई है, हालांकि अभी तक संपूर्ण आंकड़े एकत्रित नहीं हो पाए हैं। विभाग द्वारा वर्षा के आंकड़ों को संकलित किया जा रहा है, जिसके बाद ही सटीक जानकारी सामने आएगी। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में संभावित आंधी-तूफान और वर्षा को देखते हुए किसानों और आम नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। किसानों को विशेष रूप से अपनी फसलों और कृषि कार्यों के प्रति सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की क्षति से बचा जा सके।

स्वीकृति के बाद भी क्यों नहीं शुरू हुआ फोरलेन ?, नवीन निर्माण की जगह थिगड़े लगाने में जुटा प्रशासन

बालाघाट-सिवनी हाईवे की बदहाली, कागजों में पास हुई सड़क, हकीकत में धूल और गड्ढों के हवाले, जनता में आक्रोश

राहगीर एवं ग्रामीणों ने सड़क का गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य या फिर फोरलेन सड़क का जल्द निर्माण करवाने की मांग की

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

देश एवं प्रदेश की राजधानी को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग इन दिनों अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। विडंबना यह है कि एक ओर सरकार और जनप्रतिनिधि इस मार्ग को फोरलेन बनाने की स्वीकृति और टेंडर प्रक्रिया पूरी होने का दावा कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर धरातल पर नवीन निर्माण की जगह पुराने जर्जर मार्ग पर मरम्मत का पैचवर्क (गड्डों का मरम्मत कार्य) किया जा रहा है। शासन की इस कार्यप्रणाली ने क्षेत्र की जनता के मन में संशय पैदा कर दिया है। वहीं सड़क में बने गड्डों का जो मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है वह सिर्फ थूक पॉलिस है और यह कार्य गुणवत्ताहीन हो रहा है। जो कुछ दिनों में जस के तस हो जायेगें और गड्डे उभर आयेगें। जिससे आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही यह मार्ग दुर्घटना को हर समय आमंत्रण देते नजर आ रहा है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे राहगीरों एवं ग्रामीणों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

जानलेवा साबित हो रहे हैं गहरे गड्डे

बालाघाट-सिवनी मार्ग जिले का सबसे व्यस्तम मार्ग है। वर्तमान में इस सड़क की स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि यहां जगह-जगह गहरे और जानलेवा गड्डे उभर आये हैं। ये गड्डे न केवल वाहनों को क्षति पहुंचा रहे हैं, बल्कि आये दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण भी बन रहे हैं। धूल के गुब्बार और उखड़ी हुई गिट्टियों के बीच सफर करना राहगीरों के लिए किसी सजा से कम नहीं है। वहीं वर्तमान समय में एमपीआरडीसी विभाग के द्वारा बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग पर बने गड्डों का मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है लेकिन यह कार्य भी छोड़-छोड़ कर किया जा रहा है, कुछ स्थानों पर गड्डे भरे गये है तो कुछ स्थानों पर छोड़ दिये गये है। जिसके कारण मार्ग समतल नही होने से आवागमन करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही रोजाना छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। वहीं राहगीरों एवं ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार बार-बार यह दावा कर रही है कि फोरलेन निर्माण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है और टेंडर की प्रक्रिया भी पूर्ण हो गई है, तो फिर नये सिरे से निर्माण कार्य शुरू करने में देरी क्यों ?। अगर सड़क निर्माण का बजट पास हो चुका है, तो फिर पुरानी सड़क पर लीपापोती कर जनता का रूपयों को क्यों बर्बाद किया जा रहा है? यह मरम्मत कार्य दर्शाता है कि फोरलेन की घोषणाएं शायद अभी कागजों तक ही सीमित हैं।

जनता को झूठी लग रही हैं घोषणाएं

सड़क पर चल रहे पैचवर्क (मरम्मत) को देखकर लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोगों का मानना है कि सरकार और प्रशासन केवल चुनावी लाभ के लिए खोखली घोषणाएं कर रहे हैं। यदि वास्तव में फोरलेन की स्वीकृति मिली होती, तो मरम्मत के बजाय सीधे मशीनें और डंपर नवीन निर्माण के लिए उतरते। मरम्मत का कार्य इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि निकट भविष्य में फोरलेन निर्माण की कोई ठोस योजना धरातल पर नहीं है। क्षेत्रीयजनों की मांग है कि बालाघाट-सिवनी फोरलेन सड़क निर्माण की स्वीकृति एवं टेंडर पास हो चुका है तो निर्माण कार्य शुरू क्यों नही हो रहा है, मरम्मत के नाम पर खर्च किया जा रहा पैसा कुछ समय बाद फोरलेन निर्माण के समय व्यर्थ जा सकता है। वहीं कई बार मरम्मत के नाम पर प्रशासन के द्वारा करोड़ों रूपयों का भ्रष्टाचार किया जा चुका है। बालाघाट की जनता अब आश्वासनों से थक चुकी है। आवागमन की सुविधा और सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि प्रशासन पैचवर्क (मरम्मत कार्य) का दिखावा बंद करे और स्वीकृत हो चुके फोरलेन मार्ग का निर्माण अविलंब प्रारंभ करवाये। यदि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, तो आने वाले समय में जनता का यह आक्रोश बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।

मरम्मत के नाम पर करोड़ों का घोटाला किया गया है - मनीष

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि विगत कई वर्षों से हमें सुनने में आ रहा है कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग का नवीन निर्माण कार्य स्वीकृत हो चुका है परंतु अब तक कोई भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया। जबकि विगत कई वर्षों से एमपी आरडीसी के अधिकारियों के द्वारा मरम्मत के नाम पर करोड़ों रूपयों का घोटाला किया गया है। लेकिन एक बेहतर सड़क नहीं बनाई गई है, मरम्मत की आवश्यकता नहीं है बल्कि नई सड़क का निर्माण होना चाहिए। शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को प्राथमिकता से सड़क का नवीन निर्माण कार्य करवाना चाहिए और मरम्मत के नाम पर जो घोटाला सड़क विभाग के अधिकारियों के द्वारा किया जा रहा है उसकी उ%च स्तरीय जांच होनी। श्री कुशवाहा ने बताया कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग फोरलेन का स्वीकृति सिर्फ कागजों में ही समझ आ रही है। जमीनी स्तर पर कोई भी निर्माण कार्य दिखाई नहीं पड़ रहा है और सड़क खराब होने से लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे है। प्रशासन से मांग है की सड़क निर्माण स्वीकृत हो चुकी है तो शीघ्र ही फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ करवाये नही तो क्षेत्र की जनता आंदोलन करने बाध्य होगें।

जाम के शास. उमावि. में प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम स्थित शासकीय उमावि. में बुधवार को प्रतिमा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के परीक्षा परिणामों में शास. उमावि. जाम के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था का नाम रोशन किया है। इस वर्ष संस्था का परीक्षा परिणाम कक्षा 10 वीं में 87 प्रतिशत और कक्षा 12 वीं में 96 प्रतिशत रहा है। सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं का इस प्रतिभा सम्मान समारोह में अतिथियों के हस्ते सम्मानित किया गया। वहीं विनायक ठाकरे ने कक्षा 10 वीं में 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य की प्रावीण्य सूची में 7 वां स्थान हासिल कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। इसी प्रकार कक्षा 12 वीं में कु. तेजस्वी लिल्हारे ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त है।

सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं और उनके माता-पिता को सम्मानित करने के लिए विद्यालय परिसर में बुधवार को एक विशेष समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जनपद सदस्य जाहिद खान के मुख्य आतिथ्य, संस्था के प्राचार्य आरसी बिसेन की अध्यक्षता एवं जनपद पंचायत लालबर्रा के उपाध्यक्ष, जनपद शिक्षा समिति सभापति वीरेन्द्र किशोर पालीवाल, मोहगांव जाम सरपंच श्रीमती भोजलता विरेन्द्र बिसेन, पिपरिया सरपंच रूपचंद मानेश्वर, जाम सरपंच सुरेन्द्र बलोने, पूर्व सरपंच मुरलीधर ठाकरे, ज्ञानेन्द्र ठाकरे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर विद्यालय स्तर पर कक्षा 10 वीं, 12 वीं के टॉपटेन छात्र-छात्राओं को उपहार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वहीं आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में अतिथियों ने होनहार छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को उ%जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी। वहीं कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षिका श्रीमती पुष्पलता बघेले के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मोहगांव जाम सरपंच प्रतिनिधि वीरेन्द्र बिसेन, सेवानिवृत्त प्राचार्य चैनसिंह देशमुख, समाजसेवी राजेश नगपुरे, सत्यनारायण श्रीवास, योगेश लिल्हारे, डॉ. बैनसिंह देशमुख, टोपराम बिसेन, रिनेश शाकुरे,डॉ. सोमालालजी बघेले एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती जयश्री नगपुरे, विनय दमाहे, जितेन्द्र कुतराहे, डीपी मानेश्वर, विवेक शुक्ला, एसके खोब्रागढ़े, एलआर रंगारे, दिनेश ब्रम्हवंशी, सुनील शर्मा, श्रीमती सोनवाने, कु हेमा भलावे सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

विधायक अनुभा मुंजारे ने उपमुख्यमंत्री से की मुलाकात

जिला चिकित्सालय एवं लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सकों की नियुक्ति करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भोपाल प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला जी (लोक स्वास्थ एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग) से उनके निज निवास चार इमली बंगले में गुरूवार बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने उनसे आत्मीय सौजन्य मुलाकात की। साथ ही क्षेत्र की समस्याओं से अवगत करवाया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती मुंजारे ने बालाघाट-लालबर्रा विधानसभा अंतर्गत जनता के जनस्वास्थ्य में आ रही समस्याओं के सम्बन्ध तथा ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ व्यवस्था की जमीनी हकीकत से उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ला को अवगत करवाया। साथ ही बालाघाट जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं स्टाफ की पूर्ति, लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिलाओं के प्रसव एवं 77 ग्राम पंचायतों की जनता को समय पर पर्याप्त उपचार के लिए महिला डॉक्टरों, विशेषज्ञ, फार्मासिस्ट,स्टाफ की तत्काल नियुक्ति करने के लिए तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा की नवीन बिल्डिंग (लागत लगभग 10 करोड़) के भूमिपूजन कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री जी को मुख्य आतिथ्य स्वीकार कर भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह की।

वहीं उपमुख्यमंत्री जी के द्वारा बालाघाट-लालबर्रा में महिला चिकित्सक एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों के पदों की भर्ती को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल भरने के लिए उच्च अधिकारियों को निर्देशित किया एवं लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की नवीन बिल्डिंग के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पूर्ण आश्वस्त किया है।

स्वच्छ भारत मिशन को पलीता, लाखों की लागत से बने कुड़ेघर सफेद हाथी साबित, सड़कों पर लगा कचरे का अंबार

सड़क के दोनों ओर कूड़े के बड़े-बड़े ढेर से बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना, सड़क किनारे से हटाने की प्रशासन से उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। केंद्र और राज्य सरकार स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के नारे को बुलंद करने के लिए करोड़ों रूपये पानी की तरह बहा रही हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति इसके उलट है। नगर मुख्यालय के ग्राम पंचायत मानपुर के पांगा तालाब मोड़ाई से मोहगांव ध. को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में स्वच्छता अभियान के दावों की हवा निकलती दिखाई दे रही है। शासन द्वारा बनाये गए पक्के कूड़ेदान खाली पड़े हैं, जबकि सड़कें कचरा घर में तब्दील हो गई हैं। ग्रामीणजन सड़क किनारे घुड़े बनाकर उसमें पैरा, गोबर सहित अन्य कचरा फेंक रहे है। वहीं सड़क किनारे कूड़े के बड़े-बड़े ढेर बन जाने के कारण तेज हवा चलने पर वे सड़क में आने के साथ ही आवागमन करने वालों के ऊपर आ जाते है। साथ ही रात्रि के समय चौपहिया वाहन के गुजरते समय उक्त कूड़े के ढेर दिखाई नही देते है। ऐसी स्थिति में उनकी बाईक अनियंत्रित होने से वे दुर्घटना का शिकार हो रहे है। साथ ही पूर्व में दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही इस समस्या को दुर करने के लिए सरपंचों के द्वारा भी कोई सार्थक प्रयास नही किये जा रहे है। जिसके कारण ग्रामीणजन सड़क किनारे पूर्व में बनाये गये कुडेदान में कचरा न डालते हुए सड़क के दोनों साईड में कचरा फेंक रहे है किन्तु इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

सड़कों पर गंदगी का साम्रा'य, राहगीर परेशान

मानपुर से मोहगांव ध. पहुंच मार्ग पर वर्तमान में राहगीरों का निकलना दूभर हो गया है। मार्ग के किनारे कूड़े के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए हैं। यह गंदगी न केवल वातावरण को दूषित कर रही है, बल्कि आवागमन में भी भारी बाधा उत्पन्न कर रही है। इसी तरह क्षेत्र की अन्य सड़कों की भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है जिससे सबसे अधिक परेशानी आवागमन करने वालों को हो रही है। वहीं बारिश के मौसम में यह स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब सड़ांध और कीचड़ के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही हैरानी की बात यह है कि शासन ने लाखों की लागत से ग्राम पंचायतों में व्यवस्थित कूड़ेघरों का निर्माण करवाया था। उद्देश्य था कि ग्रामीण घरों का कचरा एक निर्धारित स्थान पर डालें ताकि उसका निस्तारण किया जा सके परंतु जागरूकता के अभाव और प्रशासनिक अनदेखी के कारण ग्रामीण इन कूड़ेघरों का उपयोग करने के बजाय सालों से उसी पुरानी जगह पर कचरा फेंक रहे हैं, जहां पहले से गंदगी का अंबार है। नतीजतन ये सरकारी कूड़ेघर आज सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। वहीं कुछ कुड़ेघर क्षतिग्रस्त भी हो चुके है।

स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

सड़कों पर खुले में पड़े इस कचरे से स्थानीय निवासियों और राहगीरों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि खुले में सड़ रहे कचरे से घातक बैक्टीरिया और मच्छर पनपते हैं, जो मलेरिया, डेंगू और त्वचा संबंधी रोगों का मुख्य कारण बनते हैं और बरसात के दिनों में स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकते है। वहीं ग्रामीणजन पैरा, गोबर सहित अन्य कूड़ा-कचरा सड़क किनारे फेंकते है जिसके बड़े-बड़े ढेर बन गये है जो दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे है। जब शासन के द्वारा नाडेप (कूडेघर) बनाये गये है तो उसमें कचरा डालने ग्रामीणों को प्रेरित किया जाना चाहिए। शासन को केवल निर्माण करवाकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री नहीं कर लेनी चाहिए। जब तक ठोस रणनीति बनाकर ग्रामीणों को इन कूड़ेदानों के उपयोग के लिए प्रेरित नहीं किया जायेगा, तब तक स्वच्छता का सपना साकार होना नामुमकिन है। क्षेत्रीयजनों ने सड़क किनारे गांव-गांव में कूडे के बड़े-बड़े ढेर बने है उन्हे पुरी तरह से साफ कर वहां कचरा फेंकना मना है के बोर्ड लगाने एवं उसके नुकसान के बारे में बताने की मांग की है। ताकि सड़क किनारे स्वच्छता बनी रहे और आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

कूड़े के ढेर दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण - दिलीप

दिलीप महोबे ने बताया कि मानपुर से मोहगांव ध. पहुंच मार्ग के दोनों साइड में ग्रामीणों के द्वारा बड़ी संख्या में कूड़ा-कचरा फेंका जा रहा है। जिसके कारण कूड़े के बड़े-बड़े ढेर बन गये है जो रात्रि के समय चौपहिया वाहनों के गुजरते समय एवं अंधेरे में दिखाई नही देने पर लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे है। साथ ही यह भी बताया कि कुछ ग्रामीण सड़क पर अपने घरों के मवेशी को बांध देते है जो यातायात में व्यवधान उत्पन्न करते है। यदि जानवर को ठोकर लग जाने पर पशु मालिक उल्टा राहगीरों के साथ बुरा बर्ताव करते है एवं कूड़े के ढेरों के कारण किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

ग्रामीणों से अपील है कि सड़क किनारे कूड़ा न फेंके - कैलाश

खारी सरपंच प्रतिनिधि कैलाश नखाते ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा सड़कों के किनारे बड़ी संख्या में अपने घरों का कूड़ा फेंका जा रहा है जिससे सड़क किनारे गंदगी फैलने के साथ ही एक बड़ा ढेर जमा हो गया है। जिससे रात्रि में सड़क में प्रकाश की व्यवस्था नहीं होने के कारण राहगीर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं और इस तरह की घटना कई बार घटित हो चुकी है। श्री नखाते ने बताया कि शासन के द्वारा जो नाडेप बनाये गये है उसमें या फिर सड़क से कुछ दुर कूड़ा फेंके ताकि स्व%छता बनी रहे। साथ ही यह भी बताया कि लोग सड़क व नालियों के ऊपर कचरा फेंक रहे है जिससे नालियां जाम एवं गंदगी होने ने बीमारियां पनप रही है इसलिए ग्रामीणों से अपील है कि सड़क किनारे कूड़ा न फेकें।

अपने लक्ष्य को निर्धारित कर सभी विद्यार्थी मेहनत कर सदैव आगे बढ़े-प्रदीप जायसवाल

नगर पालिका परिषद ने मेघावी छात्र छात्राओं का किया सम्मान,स्मार्ट वॉच और प्रमाण पत्र पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के इंडोर स्टेडियम में शिक्षा को प्रोत्साहन देने और प्रतिभाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से एक भव्य मेघावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। नगर पालिका परिषद वारासिवनी के तत्वाधान में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में नगर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के उन प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिन्होंने कक्षा १०वीं और १२वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे , पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाल कर कहा कि शिक्षित समाज ही राष्ट्र की उन्नति का आधार है। कार्यक्रम के दौरान ना केवल किताबी ज्ञान, बल्कि शिक्षा के साथ साथ अन्य क्षेत्रों में उपलब्ध कैरियर के विभिन्न विकल्पों और संभावनाओं पर भी विस्तृत विवेचना की गई। उपस्थितजनों ने छात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होने और निरंतर मेहनत कर अपने ग्राम, नगर और जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नगर पालिका के समस्त पार्षदगण एवं नगर के गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सम्मान से बढ़ाया उत्साह स्मार्ट वॉच और स्कूल बैग का वितरण

सम्मान समारोह की कड़ी में कक्षा कक्षा १०वीं में ८५ प्रतिशत और १२वीं में ८० प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को मंच पर सम्मानित किया गया। इसमें प्रदेश एवं जिला स्तर की मेरिट सूची प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले मेधावियों को मुख्य अतिथियों के हाथों स्मार्ट वॉच, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। वहीं कक्षा १०वीं के ८५ प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र के साथ स्कूल बैग वितरित किए गए। इसी प्रकार कक्षा १२ वीं के ८० प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ स्मार्ट वॉच एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

गुरुजनों का भी हुआ सम्मान

यह आयोजन केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहा बल्कि शिक्षा की नींव रखने वाले मार्गदर्शकों का भी सम्मान किया गया। नगर पालिका परिषद के द्वारा विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों

को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस आयोजन से छात्र छात्राओं में भारी उत्साह देखा गया वहीं अभिभावकों ने भी नगर पालिका की इस पहल की प्रशंसा की।

शिक्षा ही वह चाबी है जिससे आप भविष्य के हर बंद दरवाजे को खोल सकते है-सरिता दांदरे

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहाँ की सर्वप्रथम मैं उन सभी छात्र छात्राओं को हृदय से बधाई देती हूँ जिन्होंने अपनी मेहनत से ना केवल अपना बल्कि हमारे वारासिवनी नगर का मान बढ़ाया है। आज इंडोर स्टेडियम का यह दृश्य देखकर गर्व होता है कि हमारे नगर की नई पीढ़ी इतनी ऊर्जावान और लक्ष्य के प्रति समर्पित है। नगर पालिका परिषद का हमेशा यह प्रयास रहता है कि हम शिक्षा और प्रतिभा को हर संभव मंच प्रदान करें। बच्चों आज आपको मिलने वाली यह स्मार्ट वॉच और सम्मान केवल एक उपहार नहीं है बल्कि आपकी निरंतर मेहनत का प्रतिफल है। याद रखिएगा शिक्षा ही वह चाबी है जिससे आप भविष्य के हर बंद दरवाजे को खोल सकते हैं। मैं उन शिक्षकों का भी नमन करती हूँ जिन्होंने अपनी तपस्या से इन हीरों को तराशा है। आप अपने माता पिता के साथ साथ इस नगर और जिले का नाम रोशन कीजिए। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हैं।

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने किया जा रहा सम्मान -प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि हमारे क्षेत्र में प्रतिभावान छात्र छात्राओं की कमी नहीं है हर वर्ष लगातार जिला और प्रदेश में हमारे विद्यार्थी क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। हमारे द्वारा हर वर्ष विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए उनका सम्मान किया जा रहा है २ वर्ष कोरोना के छोड़ दे तो लगातार हम कार्यक्रम कर रहे हैं। पिछले वर्ष करीब ९०० बच्चों का सम्मान किया गया था फिर अभी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस प्रकार के आयोजन करने का उद्देश्य यही है कि हमारे क्षेत्र के बच्चे लगातार आगे बढ़े वह प्रोत्साहित हो कांपटीशन की भावना उनके अंदर बने। आज जो बाहर बच्चे खड़े हैं वह कड़ी मेहनत कर यह सम्मान प्राप्त करने अच्छे अंक प्राप्त करें और यह विद्यार्थी अपने जीवन में अच्छा करें। सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के मेघावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया है। बच्चों को पर्याप्त व्यवस्था मिल रही है अभी हमने जो स्विमिंग पूल बनवा रहे हैं वह राष्ट्रीय मापदंडों पर बन रहा है साथ ही विभिन्न खेल के अवसर भी बनवाए गए हैं। बच्चों की प्राथमिकता शिक्षा तो है परंतु उसके अलावा खेल के क्षेत्र में भी हम ध्यान दे रहे हैं। विद्यार्थियों से यही अपील है कि वह अपने लक्ष्य को निर्धारित करें आगे बड़े कड़ी मेहनत कर सदैव आगे बढ़े।

कार्यक्रम को सफल बनाने में इनका रहा योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, मदन धार्मिक, मोनू लिमजे, प्रवीण डोंगरे, धर्मू जोशी, पवन धूर्वे, श्रीमती रितू खरे, श्रीमती ललिता ठाकरे, नपा मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, उपयंत्री सुमीत मोटवानी, वंशिका चौहान,बालू जैवार, विनय सुराना, अनिरूद्ध दुबे, अमित येरपूडे, जसंवत पटले, मनोज दांदरे का योगदान सराहनीय रहा।

राधाबाई कटारिया की सेवानिवृत्ति पर नगर पालिका में दी गई बिदाई

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर पालिका परिषद वारासिवनी की स्वास्थ्य शाखा में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाली कर्मठ कर्मचारी श्रीमती राधाबाई

कटारिया के सेवानिवृत्ति के अवसर पर एक गरिमामय बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। नगर पालिका परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित जनों की आंखें उस वक्त नम हो गईं जब साथी कर्मचारियों ने राधाबाई के साथ बिताए दशकों पुराने संस्मरण साझा किए। समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों के द्वारा श्रीमती कटारिया को शॉल श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अपनी बिदाई पर भावुक होते हुए राधाबाई ने कहा कि नगर पालिका परिवार से उन्हें जो स्नेह और सहयोग मिला वह उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा कि श्रीमती राधाबाई कटारिया का सेवाकाल ना केवल लंबा रहा बल्कि वह निष्ठा और ईमानदारी की एक उत्कृष्ट मिसाल रहीं। उन्होंने नगर की स्वच्छता और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में जो योगदान दिया है उसे परिषद सदैव याद रखेगा। सेवानिवृत्ति हर शासकीय कर्मचारी के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है। अच्छे कार्य करने वाले कर्मचारी जब विभाग से विदा लेते हैं तो कार्यप्रणाली पर प्रभाव पड़ता है। राधाबाई की सेवाएं प्रेरणादायक रही हैं हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश ऊके ने राधाबाई की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विभागीय गरिमा को हमेशा सर्वोपरि रखा। उनके समर्पण भाव से अन्य युवा कर्मचारियों को सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर मोनू लिमजे , धर्मु जोशी, मिथलेश बूरडे ,उपयंत्री श्रीमती आंशिक चौहान सहित नगर पालिका के समस्त अधिकारी कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी के परिजन उपस्थित रहे।

तक्षशिला वाचनालय में उपासिका शिविर जारी

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया तहसील एवं नगर शाखा के तत्वावधान में शंकर नगर स्थित तक्षशिला वाचनालय में आयोजित १० दिवसीय उपासिका शिविर सफ्लतापूर्वक संचालित हो रहा है। २४ अप्रैल से प्रारंभ हुआ यह शिविर अब अपने विशेष चरण में पहुँच चुका है ,जहाँ दोपहर ३ बजे से मुख्य सत्र का आयोजन किया जा रहा हैं। शिविर में लातूर से पधारीं मुख्य मार्गदर्शक देव्याशाला गायकवाड़ के द्वारा धम्म की गूढ़ बातों को अत्यंत सरल भाषा में समझाया जा रहा है। उनके व्याख्यान तथागत बुद्ध के बताए मार्गो पर चलकर जीवन को सार्थक बनाने पर केंद्रित हैं। आयोजन समिति ने बताया कि यह शिविर धम्म के प्रचार एवं तथागत गौतम बुद्ध के विचारों को व्यापक रूप से प्रचारित करने के लिए आयोजित किया गया है। जिसमें महिला वर्ग को जागरूक किया जा रहा है हालांकि यह उपासिका शिविर है लेकिन इसमें युवाओं और पुरुषों की भागीदारी भी सराहनीय है। इस अवसर पर आयोजन समिति के द्वारा बौद्ध उपसिकाओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है।

नगर के तीन परिवारों ने शुरू किया मुकद्दस सफर

नम आंखों और दुआओं के साथ हज के लिए हुए रवाना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के लिए आज का दिन बेहद रूहानी और भावुक रहा जब वारासिवनी के तीन प्रतिष्ठित परिवारों के छह सदस्यों ने इस्लाम के सबसे पवित्र सफर हज के लिए अपनी राह चुनी। ३० अप्रैल को नगर से मक्का मदीना की इबादत के लिए रवाना होने वाले इन जायरीनों का जामा मस्जिद परिसर में भव्य और भावपूर्ण इस्तकबाल किया गया। हज के इस मुबारक सफर पर जाने वाले हजरात के सम्मान में जामा मस्जिद वारासिवनी के सामने एक विशेष विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सदर जनाब इकबाल खान ने सभी जायरीनों की गुलपोशी की और उनका शानदार इस्तकबाल किया। वहीं सभी ने मुसाफिरों को मुबारकबाद देते हुए उनके सफर की खैरियत और मुल्क में अमन.चैन की दुआएं मांगी। विदाई के इस मंजर में ना केवल जामा मस्जिद कमेटी के सदस्य बल्कि शहर के

बड़ी संख्या में बुजुर्ग और नौजवान भी शामिल हुए। पूरी जमात ने बेहद अदब और उत्साह के साथ हज यात्रियों का स्वागत किया। अपनों को खुदा के घर रवाना करते समय जहां लोगों के चेहरों पर खुशी थी वहीं विदाई की घड़ी में आंखें भी नम नजर आईं। वारासिवनी नगर से इस वर्ष हज की सआदत हासिल करने वालों में मुख्य रूप से जनाब कलाम खान एवं उनकी पत्नी, जनाब जावेद खान एवं उनकी पत्नी, जनाब शकील खान एवं उनकी पत्नी शामिल हैं। ये तीनों दंपत्ति वारासिवनी से सड़क मार्ग द्वारा नागपुर के लिए रवाना हुए। नागपुर से वे हवाई मार्ग के जरिए सऊदी अरब के मुकद्दस शहरों मक्का मुअज्जमा और मदीना मुनव्वरा की ओर अपनी उड़ान भरेंगे। वारासिवनी से एक साथ तीन परिवारों का हज पर जाना पूरे क्षेत्र के लिए खुशी का विषय बना हुआ है। रवाना होने से पहले सभी जायरीनों ने शहर वासियों से मुलाकात की और सभी से अपने सफर की कामयाबी के लिए दुआओं की दरख्वास्त की। विदाई के दौरान लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बैक की सदाओं से माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

जिला पंचायत सभागार में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, 10वीं-12वीं के टॉपर्स को मिला प्रोत्साहन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम के उपरांत कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह जिला पंचायत सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार, उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश राजा लिल्हारे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ एवं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। ज्ञात हो कि प्रदेश की प्रावीण्य सूची में बालाघाट जिले के हाईस्कूल के 37 एवं हायर सेकेंडरी के 98 छात्र-छात्राओं ने स्थान प्राप्त किया, जो जिले के लिए गौरव का विषय है। इस अवसर पर जिला पंचायत एवं अध्यक्ष जिला पंचायत द्वारा संयुक्त रूप से सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के स्वीकृति पत्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सदस्यगण एवं अधिकारियों ने विद्यार्थियों को भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के गुर बताए तथा करियर

गाइडेंस सम्बंदित मार्गदर्शन भी दिया वक्ताओं ने विद्यार्थियों की सफलता को उनकी मेहनत, अनुशासन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताते हुए अन्य छात्रों को प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के अभिभावक एवं शिक्षकगण भी उपस्थित रहे और सभी ने मेधावी छात्रों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

शहरों में संस्थागत बिखराव- शहरी प्रशासन की सबसे बड़ी बाधा

वैश्विक स्तरपर भारत का शहरी भविष्य-चुनौतियों से समाधान तक नीति आयोग की नई रूपरेखा का दुनियाँ में आगज़ हो रहा है,भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। आज के दौर में शहर केवल रहने की जगह नहीं रहे,बल्कि आर्थिक विकास,नवाचार, रोजगार और सामाजिक गतिशीलता के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। लेकिन इसी के साथ शहरी क्षेत्रों में अव्यवस्थित विस्तार, कमजोर प्रशासनिक ढांचे,सीमित वित्तीय संसाधन और जवाबदेही की कमी जैसी समस्याएं भी तेजी से सामने आई हैं। इसी पृष्ठभूमि में नीति आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट स्ट्रीथनिंग अर्बन गवर्नेंस इन इंडिया-ए फ्रेमवर्क फॉर रिफार्म, भारत के शहरी भविष्य को नई दिशा देने का प्रयास करती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह रिपोर्ट न केवल वर्तमान समस्याओं की पहचान करती है,बल्कि एकदीर्घकालिक और संस्थागत समाधान का खाका भी प्रस्तुत करती है,जो भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ शहरी अर्थव्यवस्था बनाने में मदद कर सकता है।भारत आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा हैजहां शहरीकरण उसके विकास की दिशा तय करेगा। साथियों बात अगर हम शहरी भारत की वास्तविकता- अवसर और संकट का संगम इसको समझने की करें तो भारत में शहरी आबादी तेजी से बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार, 2030 तक भारत की लगभग 40 प्रतिशत आबादी शहरों में निवास करेगी। यह वृद्धि अवसरों का द्वार खोलती है जैसे रोजगार,निवेश और तकनीकी विकास लेकिन इसके साथ ही यह कई गंभीरचुनौतियों को भी जन्म देती है।आज के भारतीय शहरों में यातायात जाम, प्रदूषण, जल संकट, आवास की कमी और असमानता जैसी समस्याएं आम हैं। इन समस्याओं की जड़ में केवल संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि शासन प्रणाली की कमजोर संरचना भी है। यही वह बिंदु है जिस पर नीति आयोग की रिपोर्ट विशेष ध्यान केंद्रित करती है। साथियों बात अगर हम शहरों में संस्थागत बिखराव-शहरी प्रशासन की सबसे बड़ी बाधा इसको समझने की करें तो भारत के अधिकांश शहरों में प्रशासनिक जिम्मेदारियां कई एजेंसियों में बंटी हुई हैं नगर निगम, विकास प्राधिकरण,राज्य सरकार की एजेंसियां और केंद्रीय संस्थाएं। इस बिखराव के कारण निर्णय लेने की प्रक्रिया धीमी और जटिल हो जाती है।उदाहरण के लिए, एक ही शहर में सड़क निर्माण,जल आपूर्ति और भूमि उपयोग जैसे कार्य अलग-अलग संस्थाओं द्वारा संचालित होते हैं। इससे न केवल संसाधनों का दुरुपयोग होता है, बल्कि जवाबदेही भी कमजोर पड़ जाती है। नीति आयोग की रिपोर्ट इस समस्या को शहरी शासन की मूल चुनौती के रूप में चिन्हित करती है और एकीकृत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता पर सटीक रूप से बल देती है। साथियों बात अगर हम सीमित शक्तियों का हस्तांतरण-लोकतंत्र का अधूरा विकेंद्रीकरण इसको समझने की करें तो भारत में 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से शहरी स्थानीय निकायों को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया था। लेकिन व्यवहारिक स्तर पर यह विकेंद्रीकरण अधूरा ही रह गया।नगर निगमों और नगर पालिकाओं को पर्याप्त अधिकार नहीं दिए गए हैं। अधिकांश महत्वपूर्ण निर्णय राज्य सरकार के नियंत्रण में ही रहते हैं।इससे स्थानीय स्तर पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन बाधित होता है।नीति आयोग की रिपोर्ट स्पष्ट रूप से सुझाव देती है कि शहरी निकायों को वास्तविक प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता दी जानी चाहिए, ताकि वे स्थानीयआवश्यकताओं के अनुसार निर्णय ले सकें।

करुणा, शांति और आत्मजागरण के प्रकाशस्तंभ हैं गौतम बुद्ध

(बुद्ध पूर्णिमा (1 मई 2026) पर विशेष)

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिनका जीवन केवल एक युग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि युगों-युगों तक मानवता के पथ को आलोकित करता है। गौतम बुद्ध ऐसे ही एक अद्वितीय प्रकाशस्तंभ हैं, जिनका करुणा, अहिंसा और आत्मजागरण का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना ढाई हजार वर्ष पूर्व था। बुद्ध पूर्णिमा का पावन दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि आत्मबोध, समता और शांति के उस दिव्य संदेश का पुनर्स्मरण है, जिसकी आज के हिंसाग्रस्त और तनावपूर्ण विश्व को अत्यंत आवश्यकता है। बुद्ध पूर्णिमा का दिन अद्वितीय है, क्योंकि इसी दिन गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञानप्राप्ति और महापरिनिर्वाण-तीनों घटनाएं घटित हुईं। नेपाल के लुम्बिनी में जन्मे सिद्धार्थ ने बोधगया में बोधिवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया और कुशीनगर में निर्वाण को प्राप्त हुए। इस दृष्टि से यह दिन केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि जीवन की पूर्णता, जागरण और मुक्ति का प्रतीक है। आज विश्व के विभिन्न देशों-श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, जापान, कोरिया और भारत में इसे विभिन्न नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। श्रीलंका में 'वेसाक' के रूप में दीपों और करुणा के उत्सव के रूप में यह दिन विशेष रूप से उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

गौतम बुद्ध एक प्रकाशस्तंभ है, जिसका प्रकाश केवल बाहरी दुनिया को ही नहीं, बल्कि भीतरी दुनिया को भी आलोकिक करता है। बुद्ध को सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, देवपुरुष, सिद्ध-संन्यासी, समाज-सुधारक धर्मगुरु माना जाता हैं। बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार भी माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्म में भी वे पूजनीय है। उन्हें धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं। उनकी क्रांतिवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं वरन् धार्मिक, सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़ियों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है, जिसने असंख्य मनुष्यों का जीवन-निर्माण किया एवं उनकी जीवन दिशा को बदला। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। लोकजीवन को ऊंचा उठाने के लिये उन्होंने जो हिमालयी प्रयत्न किये, वे अद्भुत और आश्चर्यकारी है। बुद्ध के अनुसार जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त करना है।

गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था, वे एक राजकुमार थे, किन्तु जीवन के दुख-जरा, व्याधि और मृत्यु ने उनके अंतर्मन को विचलित कर दिया। 29 वर्ष की आयु में उन्होंने राजवैभव का त्याग कर सत्य की खोज का मार्ग अपनाया। कठोर तप और साधना के पश्चात उन्होंने पाया कि न तो भोग का मार्ग उचित है और न ही अत्यधिक तप का। उन्होंने मध्यम मार्ग का सिद्धांत दिया-संतुलन, सजगता और समत्व का मार्ग। गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना प्रथम उपदेश दिया, जिसे धर्मचक्र प्रवर्तन कहा जाता है। उनके चार आर्य सत्य-दुःख, दुःख का कारण, दुःख का निरोध और दुःखनिरोधगामिनी प्रतिपदा-मानव जीवन के गहन विश्लेषण और समाधान प्रस्तुत करते हैं। आज का विश्व युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। ऐसे समय में बुद्ध का करुणा एवं शांति का संदेश अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने स्पष्ट कहा- द्वेष से द्वेष कभी समाप्त नहीं होता, प्रेम से ही द्वेष समाप्त होता है। यह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक शांति का सूत्र है। यदि आज के राष्ट्र, समाज और व्यक्ति इस एक सिद्धांत को आत्मसात कर लें, तो अनेक संघर्षों का समाधान संभव हो सकता है।

महात्मा बुद्ध के जीवन का एक प्रेरक प्रसंग उनकी करुणा और क्षमाशीलता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। एक व्यक्ति जो उन्हें निरंतर अपशब्द कहता था, जब दुर्घटनाग्रस्त होकर पीड़ा में पड़ा, तब बुद्ध स्वयं उसके पास पहुंचे, उसके घावों की सेवा की और अपने भिक्षुओं को उसकी देखभाल का निर्देश दिया। बुद्ध के इस अप्रत्याशित प्रेम और करुणा से उसका हृदय परिवर्तन हो गया और उसने अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांगी। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि सच्ची महानता प्रतिशोध में नहीं, बल्कि क्षमा और करुणा में निहित है और यही भाव मानवता को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति है।

बुद्ध ने केवल बाह्य हिंसा का विरोध नहीं किया, बल्कि मन की हिंसा-ईर्ष्या, क्रोध, लोभ और अहंकार को भी सबसे बड़ा शत्रु बताया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही सच्चा विजेता है। हजारों युद्ध जीतने वाला भी उस व्यक्ति के सामने छोटा है, जिसने अपने मन को जीत लिया। गौतम बुद्ध ने उस समय के समाज में व्याप्त जातिवाद, छुआछूत और लैंगिक भेदभाव का विरोध किया। उन्होंने सभी मनुष्यों को समान बताया और कहा कि व्यक्ति की श्रेष्ठता जन्म से नहीं, कर्म से निर्धारित होती है। बुद्ध का संघ एक समतामूलक समाज का आदर्श उदाहरण था, जहाँ सभी वर्गों के लोग समान रूप से स्वीकार किए जाते थे। यही कारण है कि उनका आंदोलन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का भी आधार बना। बाद में भीमराव आम्बेडकर ने भी बुद्ध के इसी समतामूलक दृष्टिकोण को अपनाते हुए लाखों लोगों को सामाजिक सम्मान का मार्ग दिखाया। यह दर्शाता है कि बुद्ध का विचार केवल प्राचीन नहीं, बल्कि आधुनिक समाज के लिए भी उतना ही प्रासंगिक है।

महान करुणामूर्ति बुद्ध का एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश है-अप्प दीपो भव अर्थात् अपना दीपक स्वयं बनो। यह संदेश व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने, अपने भीतर प्रकाश खोजने और बाहरी सहारों से मुक्त होने की प्रेरणा देता है। बुद्ध का चिंतन हमें भीतर झांकने, मन को निर्मल करने और करुणा, मैत्री, मुदिता एवं उपेक्षा जैसे भावों को जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है। वे बताते हैं कि शांति बाहर नहीं, हमारे अंतर्मन में ही निवास करती है और जब मन जाग्रत होता है, तब अहंकार, क्रोध और हिंसा स्वत: विलीन हो जाते हैं। आज के अशांत और तनावग्रस्त वातावरण में बुद्ध का यह संदेश जन-जन को प्रेम, सह-अस्तित्व और सहिष्णुता की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज जब व्यक्ति बाहरी उपलब्धियों, तकनीकी साधनों और भौतिक सुखों में उलझा हुआ है, तब यह संदेश उसे भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। मानसिक शांति, संतुलन और आत्मसंतोष केवल बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि भीतर की सजगता और जागरूकता से प्राप्त होते हैं।

बुद्ध ने वर्तमान में जीने का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि अतीत की स्मृतियाँ और भविष्य की चिंताएँ मन को अशांत करती हैं। जो व्यक्ति वर्तमान क्षण में जीना सीख लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन का आनंद प्राप्त करता है। आज के तनावग्रस्त जीवन में माइंडफुलनेस (सचेतनता) की जो अवधारणा विश्वभर में लोकप्रिय हो रही है, उसका मूल स्रोत बुद्ध की ही शिक्षाएँ हैं। यह दर्शाता है कि उनका दर्शन समय से परे है। आज मानवता जिन संकटों से जूझ रही है-पर्यावरणीय असंतुलन, युद्ध, सामाजिक विभाजन, मानसिक अवसाद, उनका समाधान केवल तकनीकी प्रगति से संभव नहीं है। इसके लिए मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। गौतम बुद्ध का करुणा, अहिंसा, समता और आत्मसंयम का संदेश इन सभी समस्याओं के समाधान की दिशा प्रदान करता है। यदि व्यक्ति अपने भीतर करुणा का विकास करे, तो समाज में शांति और सौहार्द स्वत: स्थापित हो सकते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम बुद्ध के बताए मार्ग पर चल रहे हैं या केवल उनके उपदेशों का औपचारिक स्मरण कर रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बुद्ध को केवल पूजें नहीं, बल्कि उन्हें जियें। उनके विचारों को अपने व्यवहार में उतारें। करुणा, प्रेम, सहिष्णुता और समता को अपने जीवन का आधार बनाएं। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर एक बुद्ध को जागृत करेगा, तभी एक शांत, संतुलित और समतामूलक विश्व की स्थापना संभव होगी। यही बुद्ध पूर्णिमा का सच्चा संदेश है और यही मानवता के उवल भविष्य की दिशा भी।

- ललित गर्ग

(1 मई विश्व मजदूर दिवस)

मेहनत की नींव पर टिकी दुनिया- मजदूरों के संघर्ष, योगदान और वर्तमान चुनौतियों की गाथा

- कांतिलाल मांडोत

मानव सभ्यता के विकास की कहानी अगर ध्यान से पढ़ी जाए तो उसके हर पन्ने पर मजदूरों की मेहनत, पसीना और संघर्ष साफ दिखाई देता है। चाहे ऊंची-ऊंची इमारतें हों, विशाल पुल हों, फैक्ट्रियां हों या फिर खेतों में लहलहाती फसलें—हर जगह एक मजदूर की मेहनत छिपी होती है। फिर भी विडंबना यह है कि समाज के इस सबसे महत्वपूर्ण वर्ग को अक्सर वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके वे हकदार हैं। इसी सच्चाई को याद दिलाने और मजदूरों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक संघर्ष की याद है। यह उन दिनों की कहानी कहता है जब मजदूरों को 15-16 घंटे तक काम करना पड़ता था, बिना किसी निश्चित समय सीमा और बिना पर्याप्त वेतन के। 19वीं सदी के अंत में जब औद्योगिक क्रांति अपने चरम

पर थी, तब मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। ऐसे समय में उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और 8 घंटे कार्य दिवस की मांग की। यह मांग धीरे-धीरे एक बड़े आंदोलन में बदल गई, जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज जो हमें 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे अपने लिए का सिद्धांत मिलता है, वह इन्हीं संघर्षों की देन है।

भारत में मजदूरों की स्थिति भी अलग नहीं रही। आजादी से पहले और उसके बाद भी मजदूर वर्ग ने कई कठिनाइयों का सामना किया। 1 मई 1923 को भारत में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया, जिसने श्रमिक आंदोलनों को एक नई दिशा दी। इसके बाद धीरे-धीरे मजदूरों के अधिकारों के लिए कानून बनाए गए, जिनमें न्यूनतम मजदूरी, कार्य समय, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। लेकिन कागजों पर बने ये नियम आज भी पूरी तरह जमीन पर लागू नहीं हो पाए हैं। आज के समय में भी मजदूरों की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को आज भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें नियमित रोजगार नहीं मिलता, वेतन अस्थिर होता है और सामाजिक सुरक्षा का अभाव रहता है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को देखें तो वे कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, लेकिन उनके पास न तो उचित सुरक्षा उपकरण होते हैं और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं। ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण में मजदूरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे तपती धूप में, कड़कती सर्दी में और कभी-कभी बारिश में भी लगातार काम करते हैं। उनके बिना शहरों का विकास संभव ही नहीं है। लेकिन इन्हीं इमारतों के बनने के बाद अक्सर मजदूरों को वहां रहने का अधिकार नहीं मिलता। वे झुग्गियों या अस्थायी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव होता है। सरकार ने मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना ने कई गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा दिया है और उन्हें पलायन से भी रोका है। लेकिन इसके बावजूद कई बार इस योजना के क्रियान्वयन में खामियां देखने को मिलती हैं, जैसे समय पर भुगतान न होना या काम की कमी। वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने मजदूरी के स्वरूप को भी बदल दिया है। आज के दौर में पारंपरिक मजदूरी के साथ-साथ गिग इकॉनमी और फ्रीलांसिंग जैसे नए विकल्प सामने आए हैं। हालांकि इससे कुछ लोगों को नए अवसर मिले हैं, लेकिन इससे रोजगार की स्थिरता कम हुई है। कई मजदूर अब ठेका प्रणाली के तहत काम करते हैं, जिससे उन्हें स्थायी नौकरी और उससे जुड़ी सुविधाएं नहीं मिल पातीं। कोरोना महामारी ने मजदूरों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया था। लॉकडाउन के दौरान लाखों मजदूरों को अपने काम से हाथ धोना पड़ा और उन्हें अपने गांवों की ओर पलायन करना पड़ा। यह दृश्य आज भी लोगों के मन में ताजा है, जब मजदूर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर अपने घर पहुंचे थे। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि हमारे समाज में मजदूरों की स्थिति कितनी असुरक्षित है।

महिलाओं की स्थिति मजदूर वर्ग में और भी चुनौतीपूर्ण है। उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और कई बार उन्हें दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है,घर और काम दोनों की। इसके अलावा उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं के लिए विशेष नीतियों और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है। मजदूर दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम वास्तव में अपने मजदूरों के प्रति न्याय कर पा रहे हैं? क्या उन्हें वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही हैं, जिनके वे हकदार हैं? केवल एक दिन उन्हें सम्मान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें पूरे साल उनके हितों के लिए काम करना होगा।

समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूरों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके लिए न केवल कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता भी बढ़ानी होगी। मजदूरों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें संगठित करना भी जरूरी है, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकें।

अंततः, मजदूर केवल एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हमें उनके योगदान को समझना होगा और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। मजदूर दिवस हमें यही संदेश देता है कि सम्मान, समानता और न्याय केवल शब्द नहीं, बल्कि हर मजदूर का अधिकार है।

फिल्म में सही चीज को ग्रहण करें

हमने शतक फिल्म देखा जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर बना है देखिए फिल्म में कोई कुछ कोई कुछ दिखाता है एक मनोरंजन है इसमें जो आपको शिक्षा दे उस पर ध्यान दीजिये ऐसे भी 3 घंटे की फिल्म से ना तो आपका स्वाभाव विल्कुल बदल जाता अगर ऐसा होता तो दंगा फसाद हो जाता इसलिए फिल्म से अचानक आपका विचार बदल जाएगा बिल्कुल नहीं है हाँ कुछ समय के लिए आप के विचार में परिवर्तन आता है लेकिन यदि पुन: आप जिस संगत में बैठेंगे वैसा ही आप सोचने लगते है हालांकि इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 1925 से अब तक के 100 वर्षों के इतिहास और संघर्ष को दर्शाने वाली एक ऐतिहासिक हिंदी फिल्म है, जो 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फिल्म संघ की स्थापना, बलिदान और सामाजिक योगदान को रेखांकित करती है।

शतक फिल्म, राष्ट्रभक्ति और भारतीय संकल्प को समर्पित- वंदन अभिनन्दन डॉ. तेज शतक फिल्म, राष्ट्रभक्ति और संकल्प को समर्पित है। शतक- राष्ट्र की अखंडता का महाघोष राष्ट्रवाद की तात्विक विवेचना एवं सर्व जन सुखाय. सर्व जन हिताय समीक्षा राष्ट्र की आत्मा तब जागृत होती है जब उसके नागरिक अपनी विरासत और भविष्य के प्रति सजग होते हैं। धार की पावन धरा मे मेरे दशको निवास उपरान्त माँ देवी अहिल्या की इंदौर की पवित्र धरा पर निवासरत हू . इस फिल्म को दिल की गहराइयों से अवलोकित करने की की मेरी यह यात्रा केवल एक फिल्म देखने की यात्रा नहीं , बल्कि एक बोध की प्राप्ति थी। आरएसएस का हृदय से आभार, जिन्होंने मुझे इंदौर के उस प्रथम प्रीमियम शो का हिस्सा बनाया, जहाँ शतक के रूप में राष्ट्रवाद का सूरज उगते देखा गया। एक पिता, एक शिक्षक और एक जागरूक नागरिक के रूप में, मैंने अनुभव किया कि इस फिल्म को केवल एक बार देखना पर्याप्त नहीं है। इसे सपरिवार, अपने पाँच वर्षीय अबोध बालक के साथ कम से कम दो बार देखना अनिवार्य है। क्यों? क्योंकि आज के पाँच वर्ष के बालक ही कल के भारत के नीति-निर्धारक होंगे। यदि हम उन्हें आज राष्ट्र की एकता, अखंडता और अकाट्यता का पाठ नहीं पढ़ाएंगे, तो भविष्य सुरक्षित नहीं होगा। शताब्दी का महाशंखनाद- शतक ङ्क संघ के 100 गौरवशाली वर्ष यह केवल एक चलचित्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण की वह महागाथा है, जिसने एक पूरी शताब्दी को अपने निस्वार्थ सेवा-भाव से सींचा है। शतक- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष वह ऐतिहासिक फीचर फिल्म है, जो 19 फरवरी 2026 को संपूर्ण भारत के सिनेमाघरों में एक नए युग का सूत्रपात कर श्रद्ध चुकी है। 1925 के उस संकल्प से लेकर 2025 की सिद्धियों तक, यह फिल्म राष्ट्र-निर्माण के उस अदृश्य पथ को रूपहले पर्दे पर जीवंत करती है, जिसे संघ ने अपने पसीने और तपस्या से बनाया है। महागाथा का स्वरूप आशीष मॉल के कुशल निर्देशन और अनिल डी. अग्रवाल की ओजस्वी परिकल्पना से सजी यह फिल्म, अजय देवगन की उस गूँजती और गंभीर आवाज में पिरोई गई है, जो श्रोताओं के हृदय में राष्ट्रवाद का ज्वार उठा देती है। फिल्म की प्रत्येक कड़ी, संघ के वैचारिक अधिष्ठान, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक अभ्युदय के उन अनछुए पहलुओं को उजागर करती है, जिन्होंने आधुनिक भारत की नियति को गढ़ा है। संगीत और स्वर जब सुखविंदर सिंह की बुलंद आवाज में फिल्म का मुख्य गान भगवा है अपनी पहचान गूँजता है, तो वह केवल एक गीत नहीं, बल्कि करोड़ों स्वयंसेवकों के संकल्प की हुंकार बन जाता है। यह संगीत उस अस्मिता का प्रतीक है, जो सदियों की सुप्त चेतना को जागृत करने का सामर्थ्य रखती है। ऐतिहासिक यात्रा- संकल्प से सिद्धि तकवीर कपूर द्वारा निर्मित यह महाकाव्य, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में रोपे गए उस बीज की कहानी है, जो आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। फिल्म उन ऐतिहासिक झंझावातों को भी साहस के साथ दर्शाती है, जिनमें आपातकाल जैसे कठिन समय में संघ की अडिग भूमिका और राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट निष्ठा को परखा गया। डॉ. हेडगेवार के प्रथम चरण से लेकर आज के सेवा कार्यों और वैश्विक पहचान तक, शतक हमें उन गलियों और गाँवों में ले जाती है जहाँ स्वयंसेवकों ने बिना किसी प्रचार के राष्ट्र की सेवा को ही अपना परम धर्म माना। यह फिल्म उन लाखों गुमनाम नायकों को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपना जीवन भारत माता के चरणों में समर्पित कर दिया। शतक फिल्म की देखने के उपरांत में 11 मर्मभेदी एवं ओजस्वी संवाद मेरे मन की भावना के अनुरूप अभिवाक अभिव्यक्त हैं वैदिक फिल्म केवल दृश्यों का समूह नहीं, बल्कि वैदिक मंत्रों का उच्चारण है। मेरी अभिव्यक्ति जो रोंगटे खड़े कर देने वाली है , बच्चों तक को बच्चों तक को फिल्म को दिखाने में मदद मिलेगी = शतक केवल संख्या नहीं, यह सौ वर्षों के आरएसएस का संघर्ष, बलिदानों और संकल्पों की वह शक्ति है जो भारत को पुन: विश्वगुरु बनाएगी। जब तक घर का हर बच्चा अपनी मिट्टी को तिलक नहीं लगाता, तब तक सरहद पर खड़ा सैनिक सुरक्षित महसूस नहीं कर सकता। शत्रु की तलवार से अधिक घातक अपनों की उदासीनता होती है; जागो! इससे पहले कि इतिहास तुम्हें विस्मृत कर दे। अखंडता कोई समझौता नहीं है, यह हमारा अस्तित्व है। खंडित भारत एक शरीर है जिसकी आत्मा छटपटा रही है। मेरे रक्त की हर बूँद में शतक का संकल्प है—जब तक एक भी राष्ट्रविरोधी जीवित है, मेरा विश्राम हराम है। सत्ताएँ आती-जाती रहती हैं, लेकिन राष्ट्र की संस्कृति सनातन है। इस संस्कृति की रक्षा ही हमारा परम धर्म है। इंदौर की गलियों से लेकर पूरे राष्ट्र एवं विश्व भर में सनातन धर्मावलम्बियो भारतीयो तक,गूँज एक ही होनी चाहिए—भारत माता की जय! इतिहास पन्नों में नहीं, पूर्वजों के बलिदानों में होता है। फिल्म शतक उन्हीं बलिदानों का डिजिटल अभिषेक है। कायर वह नहीं जो युद्ध हार जाए, कायर वह है जो युद्ध के मैदान में उतरने से पहले ही वैचारिक हार मान ले। अपनी संतानों को विरासत में संपत्ति दें या न दें, पर राष्ट्रभक्ति का ऐसा संस्कार अवश्य दें कि वे देश के लिए मर मिटना गौरव समझें। अकाट्यता हमारी पहचान है। हमें न कोई काट पाया है, न कोई बाँट पाएगा—शतक यही सत्य सिद्ध करती है। 5 महान हिंदी कवि और उनकी अमर रचनाएँ, नई पीढ़ी को अवश्य याद करावें साहित्य समाज का दर्पण होता है और राष्ट्रवाद की मशाल। मात्र विचारों को पुष्ट करते हुए ये पाँच कविताएँ शतक के मूल संदेश को परिभाषित करती हैं- 1. पं. माखनलाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषा चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ... मुझे तोड़ लेना वनमाली! उस पथ पर देना तुम फेंक, मातृभूमि पर शीश चढ़ाने जिस पथ जावें वीर अनेक। विवेचना-शतक देखने का आग्रह इसी पुष्प की अभिलाषा का विस्तार है। जैसे पुष्प वैभव के बजाय बलिदान के मार्ग को चुनता है, वैसे ही यह फिल्म हमें व्यक्तिगत सुखों से ऊपर उठकर राष्ट्र-पथ पर चलने की प्रेरणा देती है। 2. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर - रश्मिरथी क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसका क्या जो दंतहीन विषरहित विनीत सरल हो। विवेचना- शतक फिल्म में जो शक्ति और सामर्थ्य दिखाया गया है, वह दिनकर जी की इन पंक्तियों का साक्षात रूप है। शांति केवल सामर्थ्यवान को ही शोभा देती है। राष्ट्र को अखंड रखने के लिए शक्ति संचय अनिवार्य है। 3. सुभद्रा कुमारी चौहान - झाँसी की रानी खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी। विवेचना- यह कविता वीरता का पर्याय है। फिल्म शतक में स्त्री शक्ति और मातृशक्ति का जो स्वरूप चित्रित है, वह झाँसी की रानी के उसी अदम्य साहस की याद दिलाता है। बच्चों को यह फिल्म दिखाना, उन्हें इसी साहस से परिचित कराना है।?4. जयशंकर प्रसाद - हिमाद्रि तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती, स्वयं प्रभा समुज्ज्वला! स्वतंत्रता पुकारती! विवेचना- यह एक प्रयाण गीत है। शतक फिल्म को देखने का अनुभव भी एक आध्यात्मिक और राष्ट्रीय प्रयाण जैसा है, जहाँ दर्शक स्वयं को स्वतंत्र और प्रबुद्ध भारत का रक्षक अनुभव करता है। 5. सोहनलाल द्विवेदी - कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती (या उठो धरा के अमर सपूतों) नया प्रात है, नई बात है, नई किरण है, ज्योति नई... विवेचना- शतक एक नए भारत के उदय की फिल्म है। यह टूटे हुए मनोबल को जोड़कर पुनरुत्थान की बात करती है, जैसा द्विवेदी जी ने अपनी कविताओं में सदा आह्वान किया। 101 कारण- शतक को सिनेमाघर में बडे पर्दे पर ही क्यों देखें प्रमुख श्रेणियों में विभाजित अनिवार्य कारण दिए गए हैं- राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए (1-20) यह फिल्म भारत के भौगोलिक और सांस्कृतिक मानचित्र को हृदय में अंकित कर देती है। यह दिखाती है कि अखंड भारत केवल एक स्वप्न नहीं, बल्कि हमारा अधिकार है।सीमाओं पर होने वाले षड्यंत्रों को समझने की दृष्टि प्रदान करती है।एक देश, एक विधान, एक निशान के संकल्प को जीवंत करती है।यह अलगाववाद की जड़ों पर प्रहार करने वाली फिल्म है। राष्ट्र के प्रति स्व के भाव को जागृत करती है।यह सिखाती है कि धर्म से बड़ा राष्ट्रधर्म होता है। बाहरी आक्रमणों से अधिक खतरनाक आंतरिक गद्दारों की पहचान करना सिखाती है।एकता के धागे में पिरोने वाले ऐतिहासिक प्रसंगों का अनूठा संग्रह है।यह फिल्म हर नागरिक को एक सैनिक बनने की प्रेरणा देती है। (10 कारण जो राष्ट्र की संप्रभुता को समर्पित हैं) 10 कारण बच्चों और भावी पीढ़ी के भविष्य हेतु (21-40)आपके 5 वर्षीय बालक के कोमल मन पर राष्ट्रभक्ति का अमिट प्रभाव पेगा। पाठ्यपुस्तकों में जो इतिहास दबा दिया गया, वह यहाँ स्क्रीन पर सजीव है।बच्चों को मोबाइल गेम्स से निकालकर वास्तविक नायकों से परिचित कराती है।यह संस्कार देती है कि स्वतंत्रता मुफ्त नहीं मिली है।बच्चों में तर्क शक्ति विकसित करती है कि क्यों राष्ट्र प्रथम है। यह फिल्म एक विजुअल एनसाइक्लोपीडिया है।भावी पीढ़ी को विशुद्ध भारतीय दृष्टिकोण प्रदान करती है।बच्चों को अनुशासन और शौर्य का पाठ पाती है।यह फिल्म उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए वैचारिक सुरक्षा कवच है। उन्हें अपने पूर्वजों के बलिदान पर गर्व करना सिखाती है।

-संजय गोस्वामी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। पूछपरख रहने से गुरूवार को दलहनों में चना मजबूती पर रहा। तुअर व मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो व रायडा बना रहा। किराना जिंसों में कामकाज ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख से बाजार मजबूती के देखे गये। तुअर व मसूर में टिकाव बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। सोयाबीन में बाजार पूर्वस्तर पर देखे गये। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार मजबूती पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4130-4200, खोपरा गोला 380-450, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बार्रि?क 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1610, राजकोट तेलिया 2510, सोया साल्वेंट 1385-1390, सोया रिफाइंड 1450-1460, कपास्या 1410, धूलिया 1410, कड़ी 1400,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1445, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5900-6000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5675-5725, एवरेज 5450-5575, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशर्ि?यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार अच्छा रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 242000, चॉंदी (99) 241900, टंच 241000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 152200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 95.03 पर पहुंचा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर 95.20 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसारन ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 122 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत का आयात खर्च बढ़ने की आशंका है। वहीं पश्चिम एशिया में संभावित व्यापक संघर्ष की चिंताओं ने निवेशकों की बेचैनी बढ़ा दी है जिससे डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर पर और दबाव पड़ सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.01 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में फिसलकर 95.20 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया जो पिछले बंद स्तर से 32 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को 20 पैसे कमजोर होकर 94.88 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स 582.86 अंक टूटकर 76,913.50 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 180.1 अंक नीचे आकर 23,997.55 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार मध्य पूर्व के तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आयी तेजी से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। कच्चे तेजी की कीमतें 120 बैरल प्रति डॉलर से ऊपर चल गयी हैं। आज शुरुआती कारोबार में , इंटरग्लोब एविएशन, एमएमएम और एक्सिस बैंक के शेयर गिरे है जबकि बजाज फाइनेंस, कोल इंडिया, ओएनजीस, बजाज फिनसर्व और डॉ. रेड्डीज लैब्स के शेयरों में तेजी है।

वहीं बजाज ऑटो के शेयरों से बाजार को सहारा मिला। कंपनी केशेयर बायबैक करने की संभावना से ही उसके शेयर करीब 5 फीसदी उछले हैं। वहीं एचयूएल के शेयर करीब 3 फीसदी गिर हैं। एफएमसीजी क्षेत्र पर दबाव आया है। मिडकैप में न्यूजन सॉफ्टवेयर सबसे अधिक लाभ में रहा। मिडकैप में एमआरपीएल, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, एपीएल अपोलो ट्यूब और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसे शेयरों में तेज गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 700 अंकों से अधिक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी भी महत्वपूर्ण 24 हजार के स्तर से नीचे आ गया, जिससे निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। सेंसेक्स 77,014 के स्तर पर खुला जबकि निफ्टी 23,996 अंक पर खुला।

स्थिरता और सुधारों पर फोकस करे भारत, अल्पकालिक वृद्धि से बचे- वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा में भारत को पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर अल्पकालिक वृद्धि के पीछे भागने के बजाय मध्यम अवधि की राजकोषीय और बाह्य स्थिरता को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के नेतृत्व में तैयार इस रिपोर्ट में देश की वृहद आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने और लंबे समय से लंबित सुधारों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि अल्पकालिक वृद्धि को बहाल करने के प्रयास बाहरी संतुलन, मुद्रास्फीति और मुद्रा को अस्थिर करके मध्यम से लंबी अवधि की वृद्धि को नुकसान पहुंचा सकते हैं। मंत्रालय ने इस संकट से सबक लेते हुए पांच आयामी सुधार रणनीति अपनाने की सलाह दी है। इस रणनीति के तहत, भारत को ऊर्जा सुरक्षा और लचीलेपन को प्राथमिकता देनी चाहिए, बजाय आयात के लिए एक स्त्रोत पर निर्भरता को दूसरे से बदलने के। सार्वजनिक परिवहन पर व्यापक जोर ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा और शहरी जीवन स्तर में सुधार लाएगा, हालांकि इसके लिए राज्यों के साथ आम सहमति की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट घरेलू स्तर पर विनियमन को कम करने पर भी जोर देती है, विशेषकर आयात और निर्यात की लागत घटाने वाले उपाय ऐसे समय में अत्यंत महत्वपूर्ण होंगे। कृषि और जल नीतियों में लंबे समय से लंबित सुधारों को लागू करने का यह आदर्श समय बताया गया है, जो कृषि उत्पादकता में सुधार पर केंद्रित हैं। सामान्य से कम मॉनसूनी बारिश को एक प्रमुख जोखिम बताया गया है। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में भविष्य के तकनीकी बदलावों, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभाव से निपटने के लिए युवाओं में नए कौशल विकसित करने पर जोर दिया गया है, ताकि घरेलू विनिर्माण और सेवाओं को बढ़ावा मिले और निर्यात के नए अवसर पैदा हों। इसमें कहा गया है कि रोजगार की चुनौती केवल आईटी क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

इक्रा की चेतावनी- तेल, उर्वरक, गैस क्षेत्रों पर 80,000 करोड़ के घाटे का संकट

नई दिल्ली। एजेंसी। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने आगाह किया कि भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण वित्त वर्ष 2026-27 तक भारत के प्रमुख डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों को गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। एजेंसी के अनुसार यदि वर्तमान घाटे का स्तर बना रहा, तो सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को अकेले एलपीजी बिक्री पर लगभग 80,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हो सकता है। इक्रा ने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान ने अंतरराष्ट्रीय एलपीजी, कच्चे तेल और अन्य कच्ची सामग्री की कीमतों में तेज वृद्धि की है। इन दबावों के चलते, ओएमसी को 120-125 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल पर पेट्रोल पर 14 रुपये और डीजल पर 18 रुपये प्रति लीटर का भी नुकसान होने का अनुमान है, जिससे उनकी लाभप्रदता बुरी तरह प्रभावित होगी। उर्वरक क्षेत्र को भी सल्फर और अमोनिया की बढ़ती कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे वित्त वर्ष 2027 में सब्सिडी की आवश्यकता 2.05 ट्रिलियन रुपये से 2.25 ट्रिलियन रुपये तक जा सकती है, जो मौजूदा बजटीय आवंटन से कहीं अधिक है। इक्रा का मानना है कि सरकार को इस क्षेत्र की स्थिरता बनाए रखने के लिए सब्सिडी बढ़ानी होगी। सिटी गैस वितरण (सीजीडी) क्षेत्र में भी मुद्रा में गिरावट और गैस की ऊंची कीमतों से सीएनजी सेगमेंट के मार्जिन पर दबाव पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि लागत पूरी तरह उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाई जा सकेगी। इन सभी कारकों से डाउनस्ट्रीम उद्योगों की लाभप्रदता प्रभावित होगी।

मेष- आज का दिन आपके लिए फायदे की नई राह खोल सकता है। आपके फैसले सटीक बैठेंगे और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी आपको खुश कर देगी। पुराने दोस्त से मुलाकात दिल को सुकून देगी, वहीं ससुराल पक्ष से भी कोई खास मिलने आ सकता है। बस ध्यान रखें। मां की किसी बात को हल्के में न लें, वरना नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

वृषभ- आज दिल की कोई बड़ी इच्छा पूरी होकर आपको खुशी से भर देगी। घर में सरप्राइज जैसा माहौल बनेगा और अपनों के साथ हंसी-खुशी का समय बीतेगा। छोटे बच्चों की सेहत पर ध्यान देना जरूरी है। कोई फैसला बिना सोचे न लें, वरना बाद में पछताना पड़ सकता है। भाई-बहनों के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे। दिन की शुरुआत अच्छी खबरों से होगी, लेकिन दूसरों की बातों में आकर मूड खराब करना बेवकूफी होगी. बिजनेस में रुकावट आएगी, लेकिन सही मदद मिलते ही सुलझ जाएगी।

मिथुन- आज कुछ नया शुरू करने की हलचल आपके मन में रहेगी। शादीशुदा जीवन में सम्मान और समझ बनी रहेगी। आप अपने लक्ष्य को लेकर काफी सजग रहेंगे, लेकिन विरोधियों की बातों में आने से बचें। पुराने अटके काम पूरे करने की कोशिश सफल होगी। उधार लेने से दूरी बनाकर रखें। वापसी मुश्किल हो सकती है। दूसरों की मदद करोगे, लेकिन ध्यान रहे अपना नुकसान करके नहीं. पढ़ाई या करियर में ढिलाई दिखाई तो सीधा नुकसान होगा।

कर्क- आज का दिन राहत और प्रगति लेकर आएगा। प्रॉपर्टी से जुड़े फैसले आपके पक्ष में रहेंगे और आपकी कला-कौशल में निखार दिखेगा। मेहनत रंग लाएगी, लेकिन किसी करीबी से धोखा मिलने की आशंका भी है। सतर्क रहें। पिता का सहयोग आपकी बड़ी समस्या को हल कर सकता है। परिवार और रिश्तों पर फोकस रहेगा. पार्टनर के साथ चल रहा तनाव सुलझ सकता है, लेकिन तुम्हें भी ईगो छोड़ना पड़ेगा।

सिंह- आज सुख-सुविधाओं में इजाफा आपको संतुष्टि देगा। राजनीति या नेतृत्व से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है। जीवनसाथी के साथ हल्की नोकझोंक हो सकती है, इसलिए संयम रखें। किसी जोखिम भरे काम से दूरी बनाना ही बेहतर रहेगा। कानूनी मामलों में राहत मिल सकती है। आज मेहनत का सीधा रिजल्ट मिलेगा. अगर सही तरीके से काम किया तो फायदा तय है. प्रॉपर्टी या नए काम की शुरुआत के लिए दिन अच्छा है।

कन्या- आज खुशियों और सुकून से भरा दिन है। परिवार का पूरा साथ मिलेगा, लेकिन संतान की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। पढ़ाई और कौशल में सुधार देखने को मिलेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है और घर में कुछ नया बदलाव या रिनोवेशन शुरू हो सकता है। आज चीजें आपके पक्ष में रहेंगी, लेकिन ओवरकॉन्फिडेंस मत दिखाओ. प्रॉपर्टी या पैसों से जुड़े फैसलों में पूरी जांच जरूरी है।

तुला- आज बिजनेस में थोड़ी उलझनें आ सकती हैं, लेकिन परिवार के साथ समय बिताकर मन खुश रहेगा। बच्चों के साथ घूमने-फिरने का मौका मिलेगा। सिंगल लोगों के जीवन में खास मुलाकात हो सकती है। आपकी मेहनत आखिरकार रंग लाएगी और आपको उसका पूरा फल मिलेगा। आज किस्मत साथ देगी, लेकिन सिर्फ किस्मत पर बैठ गए तो कुछ नहीं मिलेगा. काम खुद करना पड़ेगा।

वृश्चिक- आज कमाई के नए रास्ते खुलेंगे और हर काम में सफलता आपके साथ होगी। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियां खत्म होंगी। बस अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और इलेक्ट्रॉनिक चीजों से सावधानी बरतें। दिन भागदौड़ वाला रहेगा. नए काम शुरू होंगे, लेकिन ध्यान रहे पैसे के मामले में लापरवाही मत करो।

धनु- आज आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। परिवार का सहयोग और माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके काम पूरे कराएगा। भाई-बहनों की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से मन प्रसन्न रहेगा। यात्रा फिलहाल टालना ही बेहतर होगा। आज का दिन संतुलित रहेगा. राजनीति या पब्लिक डीलिंग से जुड़े लोगों को फायदा मिल सकता है।

मकर- आज अधूरे काम पूरे करने का समय है। नौकरी के नए अवसर आपके लिए दरवाजे खोल सकते हैं। सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। माँ की भावनाओं का ख्याल रखें और आसपास के लोगों को पहचानकर ही भरोसा करें। आप कुछ अलग और खास करने की दिशा में बढ़ेंगे। आज थोड़ा तनाव रहेगा, खासकर घर के माहौल को लेकर. लेकिन भागने से कुछ नहीं होगा सीधे फेस करना पड़ेगा।

कुंभ- आज जिम्मेदारी निभाने का दिन है और आप इसमें सफल भी रहेंगे। सुख-समृद्धि बढ़ेगी और नया वाहन खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। बिजनेस की अटकी डील फाइनल होने के संकेत हैं। बस माँ की सेहत को नजरअंदाज न करें।

मीन- आज का दिन शांति और आनंद से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल बिताने का मौका मिलेगा। परिवार में छोटी-मोटी बहस हो सकती है, इसलिए संयम रखें। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है और विद्यार्थी मेहनत से सफलता पाएंगे।

शब्दजाल- 8245

शब्दजाल में मनोज वाजपेयी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

अक्स, फरेब, इंतकाम, पिंजर, सत्या, शूल, जूबेदा, दिल पर मत ले यार, घात, जागो

अ	श	मु	फ	रे	ब	हो	प	न	र	त
क्स	क्रि	पिं	ना	द	म	जा	जा	गो	घा	छ
न	के	ज	हे	नि	इं	ना	न	व	टि	दि
बी	ट	र	न	शा	वा	त	क	ले	ज	ल
च	दा	त	प	ने	तो	हो	का	गो	ब	प
ब	त	त	स	ग	स	ए	व	म	वॉ	र
द	प	शू	न	त्या	व	ह	अ	गो	प्ला	म
क	र	क	ल	र	ह	भा	र	चो	आ	त
र	व	त	म	ए	भी	क	क	अ	न	ले
जू	बे	दा	त	र	क	ता	ण	र	ह	या
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	म	क	प	स्त	र

शब्दजाल - 8244 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7189

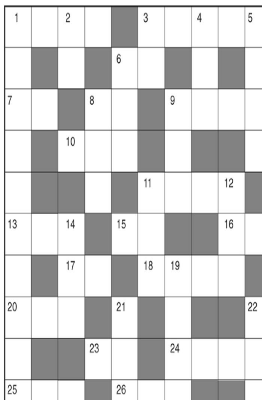

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिलीं' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7188

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	तुला में
मंगल	मीन में
बुध	मेष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	06.18 बजे से
मिथुन	08.16 बजे से
कर्क	10.30 बजे से
सिंह	12.46 बजे से
कन्या	14.58 बजे से
तुला	17.08 बजे से
वृश्चिक	19.23 ब.से
धनु	21.39 बजे से
मकर	23.44 बजे से
कुंभ	01.31 बजे से
मीन	03.03 बजे से
मेष	04.34 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 121 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पूर्णिमा 22.53 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 04.36 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 21.13 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 10.01 बजे तदनन्तर बव 22.53 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 01' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872696 **जूलियन दिन** 2461161.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 13 **विशेष** बुद्ध पूर्णिमा, कूर्म व चण्डिका जयंती, अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: त्याग का तप

जब मेघनाद के शक्ति बाण से लक्ष्मण मूर्छित हो गए, तो विभीषण की राय पर हनुमान सुषेन वैद्य को ले आए। वैद्य जी ने हिमालय से संजीवनी बूटी लाने की सलाह दी, पर यह शर्त भी रखी कि अगर सूर्योदय से पहले लक्ष्मण को संजीवनी नहीं पिलाई गई तो वह जिंदा नहीं बचेंगे। यह काम हनुमान को सौंपा गया। जब हनुमान पूरे धवल गिरि को उठाए अयोध्या से गुजर रहे थे, तो उन पर भरत की दृष्टि पड़ गई। भरत ने सोचा कि राम की अनुपस्थिति में कोई राक्षस अनिष्ट करने की मंशा से राज्य के ऊपर मंडरा रहा है। उन्होंने धनुष-बाण उठाया और हनुमान पर निशाना साध दिया। बाण लगते ही हनुमान धरती पर आ गिरे और कुछ क्षणों के लिए अचेत हो गए। भरत को बहुत ग्लानि हुई। कुशल क्षेम पूछने के बाद भरत ने कहा, 'आपको सूर्योदय से पहले लंका पहुंचना है और दूरी बहुत ज्यादा है। मेरे बाण पर बैठ जाइए, इससे आप तुरंत ही राम के पास पहुंच जाएंगे।' हनुमान ने कहा, 'राम का नाम लेने में जितनी देर लगती है, उतने ही समय में मैं लंका पहुंच जाऊंगा।' इस बीच सभी रानियां भी आ गईं। दुखद समाचार सुनने के बाद कौशल्या ने राम के लिए संदेश दिया कि चाहे जो हो जाए, अगर लक्ष्मण जीवित न बचा तो तुम भी कभी अयोध्या मत आना। इसके बाद कैकेयी ने कहा, 'राम! वन में भटकते-भटकते बहुत दिन बीत गए हैं। अब तुम अयोध्या लौट आओ, अब मैं भरत को तुम्हारी जगह युद्ध के लिए भेज रही हूं।' सुमित्रा से रहा नहीं गया। वह बोलीं, 'लक्ष्मण के प्राण नहीं बचे तो कोई बात नहीं। तुम चिंता मत करना। उसका एक भाई शत्रुघ्न है, जल्दी से स्थिति के बारे में बताओ ताकि मैं तुम्हारी सेवा में उसे भेज सकूं।' उनकी बातें सुनकर हनुमान ने सोचा कि जहां एक-दूसरे के लिए त्याग की ऐसी भावना हो, वहां सभी संकट स्वत: कट जाएंगे।

सूडोकु नवताल- 7498

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7497 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 8713

बाएँ से दाएँ

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी, नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि, कमरिया-3
14. फटकार, भर्त्सना-4
15. वतन, स्वेदश-4
16. पार होना, पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब, निर्धन-2
21. लोचदार, लचकदार-5
25. पारंपरिक, पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता, जल्दी-3
2. मूल्य, कीमत-2
3. जनता, आम आदमी-2
4. किनारा, कोरा-2
5. इंकार, मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम, वहम-3
10. साधू, संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा, जीभ-3
17. रसदार, रसभरा-3
18. कारण, वजह-3
20. नेत्र, लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया, पंख-3
24. रग, नाड़ी-2

शब्द पहेली -8712 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

रेत माफियाओं की दबंगई

मारपीट मामले में फरार आरोपी विकास उर्फ छोटू कालबेले को किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी।

सोन नदी से अवैध रेत निकासी और परिवहन के खिलाफ शिकायत करने पर हुए मारपीट मामले में फरार आरोपी विकास उर्फ छोटू कालबेले को 30 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को जुलूस निकालकर नगर की गलियों में घुमाया और उसके बाद न्यायालय में पेश किया।

घटना के संबंध में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सोनेसराड निवासी नंदकिशोर पांचे (36 वर्ष) ने 7 अप्रैल 2026 को थाना लांजी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले उन्होंने बंटी कालबेले, छोटू कालबेले, राजा कालबेले को सोन नदी से अवैध रेत निकालकर उनकी कछार की जमीन से ट्रैक्टर भरकर ले जाने से रोका था। जब वे नहीं माने तो नंदकिशोर ने कलेक्टर बालाघाट, खनिज विभाग और एसडीएम किरनापुर को लिखित शिकायत की। इसके बाद खनिज विभाग के अधिकारियों ने इनके ट्रैक्टर जब्त कर लिए।

7 अप्रैल शाम करीब 6ः30 बजे सोन नदी के पुल पर नंदकिशोर अपने साथियों तेजू पंचाले, संदीप कावरे, रोहित पांचे और सुरेश पांचे के साथ खड़े थे। इसी दौरान लांजी तरफ से बंटी कालबेले, छोटू कालबेले, राजा कालबेले और नारायण मात्रे पहुंचे। उन्होंने नंदकिशोर पर ट्रैक्टर पकड़वाने का आरोप लगाते हुए माँ-बहन की अश्लील गालियां दीं।

जब गालियां बंद करने को कहा तो आरोपियों ने सामूहिक रूप से मारपीट शुरू कर दी।

बंटी कालबेले और राजा कालबेले ने बेल्ट से छोटू कालबेले ने ईंट के टुकड़े से नारायण मात्रे ने हाथ-मुक्कों से हमला किया। मारपीट से नंदकिशोर के सिर के पीछे, चेहरे और पीठ पर चोटें आईं। आरोपियों ने धमकी दी कि आगे शिकायत करने या ट्रैक्टर पकड़वाने पर जान से मार देंगे। छोटू कालबेले ने नंदकिशोर का मोबाइल तोड़कर नदी में फेंक दिया। गांव वालों ने बीच-बचाव कर नंदकिशोर को बचाया।

लांजी थाने में अपराध क्रमांक 106/26 के तहत आरोपीगण के विरुद्ध बीएनएस की धाराएं 296(बी), 115(2), 351(3), 3(5), 324(2) दर्ज की गईं। विवेचना के दौरान फरियादी और गवाहों (तेजू पंचाले, सुरेश पांचे, संदीप कावरे, रोहित पांचे) के बयान दर्ज किए गए। घटना स्थल का मौका नक्शा तैयार किया गया। बाद में आरोपी विवेक कालबेले का नाम जोड़ा गया और धारा 119(1) बीएनएस बढ़ाई गई।

आरोपी नरेंद्र उर्फ नारायण मात्रे (30 वर्ष, पौनी), विकास उर्फ छोटू कालबेले (30 वर्ष, कोसमारा) और राजा उर्फ निक्की कालबेले (33 वर्ष, लांजी) शुरू में फरार थे। पुलिस ने उनके विरुद्ध फरारी पंचनामा तैयार किया था। 30 अप्रैल विकास उर्फ छोटू कालबेले को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को जुलूस निकालकर लांजी नगर की गलियों में घुमाया और न्यायालय में पेश किया। अन्य आरोपियों — बंटी कालबेले, राजा कालबेले और नारायण मात्रे की तलाश जारी है। यह मामला बालाघाट जिले में अवैध रेत खनन (सैंड माफिया) के खिलाफ शिकायत करने वालों पर हमले की घटनाओं को उजागर करता है। पुलिस ने आगे की विवेचना जारी रखी है और शेष फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

पुराना थाना के पास ट्रांसफॉर्मर में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने काबू पाया

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के पुराना थाना परिसर के समीप सालेटेकरी मार्ग स्थित विद्युत विभाग के ट्रांसफॉर्मरों में गुरुवार सुबह अचानक भीषण आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि उसने 200 केवी डीटीआर और 11 केवी ट्रांसफॉर्मर दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि समय रहते सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह करीब 7ः30 बजे ट्रांसफॉर्मर से धुआं उठता देखा गया, जिसके बाद कुछ ही देर में आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। ट्रांसफॉर्मर में हुए तेज धमाकों से आसपास के लोग दहशत में आ गए और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही नगर परिषद की फायर ब्रिगेड टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। यदि समय रहते आग नहीं बुझाई जाती, तो पास में फैले तारों के जाल और अन्य संपत्तियों के कारण स्थिति और भी भयावह हो सकती थी। आग लगने की घटना के चलते सालेटेकरी मार्ग सहित आसपास के क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति तत्काल बंद कर दी गई। भीषण गर्मी के बीच करीब साढ़े तीन घंटे तक बिजली गुल रहने से नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बाद में मरम्मत कार्य के पश्चात दोपहर करीब 11 बजे विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक आशंका शॉर्ट सर्किट या ट्रांसफॉर्मर पर अधिक लोड को लेकर जताई जा रही है। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही है।घटना के दौरान ट्रांसफॉर्मर के पास लगी फुटकर दुकानों को नगर परिषद कर्मचारियों द्वारा तत्काल हटवा दिया गया। समय रहते यह कदम उठाए जाने से संभावित जनहानि टल गई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश द्वारा जारी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की ऑनलाइन काउंसलिंग समय-सारणी के अनुसार शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, बालाघाट में विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। प्रथम चरण के तहत ऑनलाइन पंजीयन 04 मई 2026 से 29 मई 2026 तक किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित अवधि में पंजीयन कर अपनी पसंदीदा संस्थाओं एवं पाठ्यक्रमों का चयन (चॉइस फिलिंग) कर सकते हैं। पंजीयन में सुधार की सुविधा 30 मई से 31 मई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इसके बाद मेरिट सूची जारी कर नियमानुसार सीट आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। शासकीय पालीटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य श्री आर एम सोनवे ने बताया कि महाविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश उपलब्ध है। द्वितीय चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया 09 जून से 18 जून 2026 तक आयोजित की जाएगी, जिसमें पुन: पंजीयन, संशोधन एवं चॉइस फिलिंग का अवसर मिलेगा। इसके पश्चात संस्थागत स्तर की काउंसलिंग (ष्टस्ट) के माध्यम से रिक्त सीटों पर प्रवेश 04 जुलाई से 12 अगस्त 2026 तक किए जाएंगे। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार संस्थान में आधुनिक प्रयोगशालाएं, अनुभवी संकाय एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती है। क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है कि वे समय-सीमा के भीतर आवेदन कर अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय करें। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी तकनीकी शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट dte.mponline.gov.in पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही प्रवेश संबंधी सहायता हेतु महाविद्यालय के नोडल अधिकारियों—श्री योगेश चिले (9340827520), श्री उदय सिंह (7999358499), श्री रवि गिरी गोस्वामी (9039393942), श्री संतोष भलावे (9770468689) एवं श्री शैलेष सिंह (8319689761) से संपर्क किया जा सकता है।

बैनगंगा नदी में अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई, दो ट्रैक्टर ट्रॉलियां जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में उप संचालक खनिज प्रशासन सुश्री फरहत जहां के निर्देशन में 29 अप्रैल मंगलवार को सुबह ग्राम कुम्हारी स्थित बैनगंगा नदी में छापामार कार्रवाई कर दो ट्रैक्टर ट्रॉलियों को अवैध रेत उत्खनन करते हुए जब्त किया गया है। खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल एवं शुभम बोपचे के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस के साथ यह कार्रवाई सुबह करीब 4 बजे की गई। टीम को अपनी ओर आता देख वाहन चालक ट्रॉलियों को नदी में ही छोड़कर ट्रैक्टर के इंजन लेकर मौके से फरार हो गए। बाद में टीम ने अन्य ट्रैक्टर इंजन की मदद से दोनों ट्रॉलियों को बाहर निकलवाकर कलेक्टर कार्यालय स्थित खनिज शाखा परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया। जांच के दौरान ट्रॉलियों पर कोई चेसिस नंबर या पहचान अंकित नहीं मिला। मौके पर किसी भी व्यक्ति द्वारा स्वामित्व का दावा भी प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसके चलते दोनों ट्रॉलियों को लावारिस स्थिति में जब्त किया गया है। खनिज विभाग के अनुसार जब्त ट्रॉलियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन के विरुद्ध सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भीषण गर्मी से मिली कुछ राहत, पारा 38 डिग्री पर आया

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर में पिछले एक सप्ताह से जारी भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से परेशान लोगों को शुक्रवार को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन यह राहत पूरी तरह सुकून देने वाली नहीं रही। सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहने से सूर्य की तीव्रता कम रही और अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। जहां बीते दिनों पारा 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था, वहीं आज यह गिरकर करीब 38 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। हालांकि तापमान में आई इस गिरावट के बावजूद लोगों को उमस भरी गर्मी ने दिनभर परेशान किए रखा। हवा में नमी बढ़ने और हवाओं के ठहराव के कारण पसीना थमने का नाम नहीं ले रहा था। कूलर और पंखे भी उमस के आगे बेअसर नजर आए। राहगीरों और दुकानदारों का कहना था कि सीधी धूप से राहत जरूर मिली है, लेकिन उमस ने स्थिति को और अधिक असहज बना दिया। बीते कुछ दिनों के मौसम पर नजर डालें तो गुरुवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री, बुधवार को 44 डिग्री और उससे एक दिन पहले 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। लगातार बढ़ते तापमान के कारण दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता था और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा था। शाम के समय हल्की ठंडी हवा चलने से मौसम कुछ खुशनुमा हुआ, जिससे बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर फिर से रौनक लौटती नजर आई। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले 24 घंटों में हल्की बूंदाबांदी की संभावना है, जिससे उमस से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कलेक्टर ने की ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा

पेंशन सर्वे, पेयजल व्यवस्था और योजनाओं के क्रियान्वयन पर दिए सख्त निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने गुरुवार को जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ), सहायक यंत्रियों एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्रियों की बैठक लेकर जिले में संचालित ग्रामीण विकास योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ भी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि वे घर-घर जाकर पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का सर्वे सुनिश्चित करें तथा पात्र होने के बावजूद वंचित लोगों को शीघ्र लाभ दिलाएं। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के प्रकरण तैयार करने के निर्देश भी दिए।

संबल योजना के तहत अंत्येष्टि सहायता राशि के भुगतान में हो रही देरी पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मृत्यु प्रमाण पत्र के अभाव में सहायता राशि का विलंब से वितरण अत्यंत आपत्तिजनक है। इस संबंध में एक वर्ष तक मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं करने वाले पंचायत सचिवों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं प्रसूति सहायता प्रकरणों में समग्र ई-केवाईसी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राही महिलाओं को समय पर राशि का भुगतान हो सके।

कलेक्टर ने पेयजल व्यवस्था को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी गांव में जल संकट की स्थिति नहीं बननी चाहिए। शासकीय हैंडपंप एवं कुओं पर यदि किसी व्यक्ति का एकाधिकार पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही ग्राम पंचायतों को जलकर एवं संपत्ति कर की प्रभावी वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने पंचायत सचिवों एवं सरपंचों की नियमित बैठक आयोजित करने तथा जनपद सीईओ को अपनी टूर डायरी संधारित कर जिला पंचायत सीईओ को प्रस्तुत करने को कहा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि टूर डायरी के आधार पर ही जनपद सीईओ का वेतन आहरित किया जाएगा। साथ ही ग्राम भ्रमण के दौरान योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए।

आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण पर जोर देते हुए कलेक्टर ने वहां शौचालय एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने ग्रामों में शादी, भंडारे एवं अन्य आयोजनों के बाद प्लास्टिक कचरे के ढेर पर चिंता व्यक्त करते हुए गांवों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए ठोस प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में पीएम जन-मन योजना, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के 50 दिन से अधिक लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर भी जोर दिया गया।

कलेक्टर श्री मीना ने बताया कि बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा क्षेत्र से रोजगार के लिए बाहर जाने वाले श्रमिकों के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए शीघ्र ही दो पलायन छात्रावास प्रारंभ किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे बच्चों का अभी से चिन्हांकन कर लिया जाए, ताकि उन्हें शिक्षा से जोड़ा जा सके। बैठक में दिए गए निर्देशों के माध्यम से कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, हितग्राहियों को समय पर लाभ एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शास.हाईस्कूल बेलगांव के प्रभारी प्राचार्य हेमराज कावड़े को अधिवार्षिकी आयु पर विद्यालय परिवार ने दी भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। शासकीय हाई स्कूल बेलगांव से शाला के प्रभारी प्राचार्य श्री हेमराज कावड़े अपनी अधिवार्षिकी (62वर्ष) आयु पूरी करने पर विद्यालय परिवार द्वारा उन्हें स्नेहिल एवं भावभीनी दी गई।विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी किरनापुर श्री जी. पी. सोनी सर की अध्यक्षता में सेवानिवृत्त इस हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम सरस्वती जी के छायाचित्र पर पूजन करते हुए छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।तत्पश्चात् उपस्थित सभी लोगों ने बारी बारी से क्रमशः सेवानिवृत शिक्षक हेमराज कावड़े को तिलक लगाकर, पुष्प गुच्छ एवं पुष्प मालाएं पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया एवं उपहार भेंट किए गए। इस दौरान क्लास के बच्चों एवं विद्यालय परिवार द्वारा अश्रुपूर्ण बिदाई दी गई एवं उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना करते हुए साल श्रीफल एवं सम्मान पत्र प्रदान कर स्वागत किया गया। जिसमें शाला के समस्त शिक्षक, सरपंच ग्राम पंचायत बेलगांव एवं इष्ट मित्र उपस्थित रहे।

जुगल किशोर श्रीवास्तव का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड नंबर 8 निवासी जुगल किशोर प्रभुदयाल श्रीवास्तव का 60 वर्ष की उम्र में 30 अप्रैल को सुबह 9ः00 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे एक पुत्र जय श्रीवास्तव और एक पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गए। इनका अंतिम संस्कार आज 1 म ?ई को स्थानीय मोक्षधाम कोटेश्वर धाम में प्रात: 9ः30 बजे किया जाएगा। इस निधन पर रिश्तेदार, समाज और नगर के गणमान्य लोगों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को दु:ख सहन करने की परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना किए हैं।

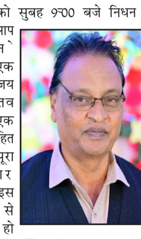

बालाघाट जिले के 05 सांदीपनि विद्यालयों में शुरू होंगे वाणिज्य एवं कृषि के नए संकाय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 से बालाघाट जिले के पांच सांदीपनि विद्यालयों में नए संकाय प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पहल से विद्यार्थियों को अपनी रुचि और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विषय चयन का बेहतर अवसर मिलेगा। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि जिले के विभिन्न सांदीपनि विद्यालयों में कृषि एवं वाणिज्य संकाय को शामिल किया जा रहा है। इसके तहत सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में कृषि संकाय तथा सांदीपनि विद्यालय लेंडझरी में वाणिज्य संकाय प्रारंभ किया जाएगा। इसके अलावा, जिले के सांदीपनि विद्यालय रजेगांव, खैरलांजी एवं बोलेगांव में विद्यार्थियों के लिए वाणिज्य और कृषि दोनों संकाय प्रारंभ किये जाएंगे। यह संकाय इसी सत्र 2026-27 से प्रारंभ हो जाएंगे। इससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुख शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यह निर्णय न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करेगा, बल्कि उन्हें कृषि, व्यवसाय, बैंकिंग, उद्यमिता और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में उवल भविष्य बनाने की दिशा में भी प्रेरित करेगा। शिक्षा विभाग की इस पहल का जिले भर में स्वागत किया जा रहा है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

राज्य सरकार धर्म-संस्कृति की धारा को प्रवहमान बनाए रखने के लिए सतत् सक्रिय-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पं. कमल किशोर नागर द्वारा संचालित गौसेवा और नशा मुक्ति अभियान का व्यापक प्रभाव है

भोपाल। एजेंसी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मनुष्य जीवन में जिस तरह शरीर को भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार आत्मा की शुद्धि के लिए भक्ति और सत्संग बहुत जरूरी है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में धर्म-संस्कृति की धारा को निरंतर प्रवाहमान बनाए रखने के लिए सतत् सक्रिय है। हमारे किसान अपने कठोर परिश्रम से देशवासियों को अन्न और सभी आवश्यक भोजन सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं। राज्य सरकार हर कदम पर किसानों के साथ है। किसानों को उनके परिश्रम का उचित सम्मान देने के लिए राज्य सरकार ने गेहूं का उपार्जन शुरू किया है। प्रत्येक गेहूं उपार्जन केंद्र पर किसानों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। प्रदेश के किसानों ने गेहूं की फसल लगाई और धरती माता की कृपा से इस वर्ष गेहूं का उत्पादन दोगुना हो गया है। समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदने के साथ-साथ किसानों को 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस का भी लाभ दिया जा रहा है। अपनी प्रतिबद्धता के बलबूते राज्य सरकार इस वर्ष 2 हजार 625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीद रही है। किसानों से उनकी उपज का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को शुजालपुर स्थित हाटकेश्वर धाम सेमली घाट में संत पंडित कमल किशोर नागर जी द्वारा प्रस्तुत श्रीमद्भगवत् कथा में सम्मिलित होकर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इससे पहले शाजापुर जिले के शुजालपुर में गेंहू उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण भी किया।

संतानों को संस्कारित बनाना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संत समाज ने सदैव देवताओं के समान हमारे समाज का मार्गदर्शन किया है। महाराज कमल किशोर नागर ने अध्यात्म और धर्म के माध्यम से पूरी पीढ़ी को जीवन जीना सिखाया है। गुरूदेव गौशाला के लक्ष्य के साथ सिर्फ रचनात्मक कार्यों में ही आस्था रखते हैं। उन्होंने सनातन संस्कृति की धारा प्रवाहित करते हुए समाज के बीच से अशिक्षा और नशे जैसी बुराईयों को खत्म करने का संकल्प लिया है। उनके गौसेवा और समाज सुधार कार्यों का व्यापक प्रभाव है। हमारी संतानें वंश और गौत्र की अमरता की निशानी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर संतान संस्कारित हैं तो उनके रूप में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों का आशीर्वाद मिल जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगली पीढ़ी को संस्कार, शिक्षा देने के लिए उपस्थित जनसमुदाय को प्रेरित किया।

भारतीय संस्कृति त्याग और दान की संस्कृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा के प्रसंग से संदेश मिलता है कि जीवन में धन, सुख, संपदा कितनी भी मिल जाए, लेकिन मन का प्रेम इन सबसे ऊपर और महत्वपूर्ण है। परमात्मा ने हमें समाज के लिए कुछ अच्छा करने का अवसर दिया है। हमारी संस्कृति त्याग और दान की संस्कृति है, हमें मूल्यों को अपनाने का हरसंभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उज्जैन के पास जानापाव और सांदीपनि आश्रम सहित भगवान श्रीकृष्ण के प्रत्येक लीला स्थल को पवित्र तीर्थ के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में गीता भवन और जनपदों में एक-एक आदर्श वृंदावन ग्राम बनाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने काशी में ऐतिहासिक वैदिक घड़ी का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को भी आगे बढ़ाया है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण कराया था और मध्यप्रदेश सरकार ने वहां वैदिक घड़ी स्थापित की है। बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी ने इस ऐतिहासिक घड़ी का अवलोकन किया। भारतीय संस्कृति में सभी धर्मों का सम्मान बराबर है। गौमाता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास है। प्रदेश में नई गोशालाएं खोलने के साथ ही इन्हें सर्व सुविधा युक्त बनाया जा रहा है। गौमाता के दूध से बच्चों का कुपोषण दूर होता है और पशुपालन से किसानों को भी अपनी आय बढ़ाने में सुविधा मिलती है। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

बच्चों की छुट्टी, पर परिंदे जायेंगे स्कूल

भोपाल । बच्चों की गर्मियों की छुट्टी लग गई है, अब बच्चे चिलचिलाती धूप में स्कूल नहीं आएंगे, परंतु परिंदे अवश्य स्कूल जायेंगे। छुट्टी से पहले बच्चों ने स्कूल में ऐसी व्यवस्था कर दी है कि परिंदों को ठण्डा पानी मिल सके और कोई भी पक्षी गर्मी में प्यासा न रहे। भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूल के बच्चों ने सराहनीय पहल की है। प्रकृति की परवाह करते हुए उनमें पर्यावरण के प्रति प्रेम, करूणा और दया का भाव जागृत करने के उद्देश्य से मिट्टी के सकोरे बांटे गए, जिन्हें बच्चों ने स्कूल परिसर तथा पेड़ों पर पानी भरकर रखा। ताकि रिकार्ड तोड़ गर्मी में प्यास से व्याकुल पक्षी पानी पीकर अपने को जीवित रख सकें और धूप में झुलसने से बच सकें।

रातीबज मार्ग स्थित शारदा विद्या मंदिर में प्रारम्भ किए गए इस अभियान का उद्देश्य गर्मी के मौसम में प्यास से परेशान परिंदों को राहत पहुंचाना तथा समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है। विद्यार्थियों द्वारा सकोरों में पानी भर कर पेड़ों और खुले स्थानों पर सुरक्षित तरीके से रखा गया ताकि अधिक-से-अधिक पक्षियों को लाभ मिल सके। इन सकोरों में प्रतिदिन शीतल जल भरा जाएगा। इसके लिए स्कूल स्टॉफ के ही सदस्यों की ड्यूटी लगाई गई है।

ईको क्लब की सहायता से प्रारंभ किए गए इस कार्य के बारे में शारदा विद्या मंदिर की प्राचार्या शैफाली गौतम ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में दया, दायित्व और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करती हैं। उन्होंने सभी से अपील की है कि वे अपने घरों के आसपास परिंदों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था कर पुण्य लाभ प्राप्त करें। बच्चों ने कहा कि वह अपने-अपने घर पर भी पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करेंगे.

कार्यक्रम के दौरान शिक्षिकाओं द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उत्साहित बच्चों द्वारा नियमित रूप से सकोरों में पानी भरने का संकल्प भी लिया गया।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित सीएमसीएलडीपी स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रवृति देने की मांग उठी

भोपाल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित सीएमसीएलडीपी के तहत बीएसडब्लु एवं एमएसडब्लु की प ?ाई राज्य शासन उच्च शिक्षा -विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम और डिग्रीयां अन्य विश्वविद्यालय के समकक्ष है तो फिर छात्रों को मिलने वाली सुविधाओं एवं छात्रवृतियों मे भेदभाव क्यों, इसी बात को लेकर विगत दिवस मंदसौर ब्लॉक के छात्रों की और से हस्ताक्षरीत मांग पत्र दुर्गेश चंदेल द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नाम कलेक्टर को एक ज्ञापन के रूप मे आवेदन पत्र दिया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय सतना के सहयोग से युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम सीएमसीएलडीपी के तहत बीएसडब्लु (समाज कार्य स्नातक) और एमएसडब्लु (समाज कार्य स्नातकोत्तर) पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह सीएमसीएलडीपी कार्यक्रम चलाया जा रहा है, लेकिन छात्रों को अपनी के दौरान छात्रवृति एवं डिग्री को लेकर भविष्य की चिंता है क्योकि महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय सतना द्वारा सीएमसीएलडीपी के तहत जारी बीएसडब्लु एवं एमएसडब्लु की डिग्रीयां शासकीय नोकरी मे अन्य विश्वविद्यालय के समकक्ष मान्य रहेगी या नही है, यह एक ब ?ा संशय है। सीएमसीएलडीपी के तहत जारी इस तरह की डिग्रीयां किस काम आती है यह भी कोई अधिकृत जानकारी अप्राप्त है। सीएमसीएलडीपी कार्यक्रम के छात्रों मे छात्रवृति एवं अन्य सुविधाओं की मांग सामने आई है। मंदसौर ब्लॉक के छात्रों ने मुख्यमंत्री से मांग की है की मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय के पत्र क्र.एफ 19-3/2018/38-2 भोपाल दिनांक 02/05/2018 के अनुसार नियमित पाठ्यक्रम के विद्यायार्थीयों के समतुल्य ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट में पंजीकृत बीएसडब्लु/एमएसडब्लु के सभी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा -विभाग सहित राज्य शासन द्वारा संचालित समस्त हितग्राही मूलक योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ देने का प्रस्ताव है। आदेश के पेरा 11 मे मंत्रि-परिषद से आदेश प्रार्थित है कि - सीएमसीएलडीपी के अंतर्गत ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट में पंजीकृत सभी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा -विभाग सहित राज्य शासन द्वारा संचालित समस्त हितग्राही मूलक योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ देने के लिए नियमित छात्रों के समतुल्य माना जाकर पात्र माना जाए। प्रत्येक योजना की शर्तें, प्रक्रिया एवं पात्रला समाजकार्य स्नातक (सामुदायिक नेतृत्व में विशेषज्ञता) के विद्यार्थियों पर भी यथावत लागू की जावे। नियमित पाठ्यक्रम के विद्यार्थीयों के समतुल्य ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट में पंजीकृत बीएसडब्लु/एमएसडब्लु के सभी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा -विभाग से नियमानुसार छात्रवृति एवं आवास भत्ता तथा अन्य विभागों से टेबलेट व सभी सुविधाय दी जावे। छात्र दुर्गेश चंदेल, ओम ब ?ादिया, प्रदिप धाक ?, वासुदेव धनगर, हितेश पोरवाल, सुनिल गुप्ता, बंशी राठौर, ब्रज किशोर जाट, अनिल पाटीदार, शैलेन्द्र श्रीवास्तव सहित कई यात्राओं ने हस्ताक्षरीत मांग पत्र द्वारा प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नाम कलेक्टर को एक ज्ञापन के रूप मे दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गेहूँ उपार्जन केन्द्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण

खरगोन जिले के कतरगांव और शाजापुर के ग्राम मकोड़ी के गेहूँ उपार्जन केंद्र का किया औचक निरीक्षण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को खरगोन जिले में मंडलेश्वर तहसील के कतरगांव और शाजापुर जिले के ग्राम मकोड़ी में गेहूँ उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने उपार्जन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देशित किया कि गेहूँ उपार्जन से संबधित सभी निर्देशों का कढ़ाई से पालन करें। अन्नदाताओं को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे निरंतर आकस्मिक दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कतरगांव में कृषक सुरेश पाटीदार की 55 क्विंटल गेहूँ की खरीदी के बाद ई-उपार्जन पोर्टल पर श्री पाटीदार को प्राप्ति ऑनलाइन जनरेट करवाई और कृषक को भुगतान राशि 1 लाख 44 हजार 374 रूपये का प्राप्ति पत्र सौंपा।

निर्देशों का पालन करें सुनिश्चित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को महेश्वर में रात्रि विश्राम के बाद आज खरगोन जिले में कतरगांव गेहूँ उपार्जन केंद्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देशित किया कि उपार्जन/खरीदी केंद्रों पर पूरे 6 तौल कांटे लगाए जाएं। सभी 6 तौल कांटों पर निरंतर तुलाई कार्य चलता रहे। गेहूं खरीदी के आज से नए मापदंड जारी हुए है वह लागू हो जाएं। किसानों के लिए उपार्जन/खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त छाया और शीतल पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक अन्नदाता को सम्मान और सुविधा के साथ उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित निराकरण किया जाए। किसानों की उपज की तुलाई समय पर हो सके इसके लिए पर्याप्त संख्या में बारदाने, तौल कांटे, सिलाई मशीन, स्लॉट बुकिंग हेतु कंप्यूटर, नेट कनेक्शन, कंप्यूटर ऑपरेटर, आदि व्यवस्थाएं उपार्जन केन्द्र पर हमेशा उपलब्ध रहें। उन्होंने उपार्जन केंद्र पर कृषकों की सुविधा के लिए पेयजल, टेंट, बैठक, इत्यादि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए।

किसानों से किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपार्जन केन्द्र कतरगांव में किसान व पशुपालक भागीरथ मालवीय तथा अन्य किसानों से संवाद भी किया। किसानों तथा पशुपालकों से चर्चा कर उनके साथ चाय पी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहाँ स्लॉट बुकिंग और उपार्जन की अन्य व्यवस्थायें और किसानों को ओटीपी के माध्यम से किये जा रहे भुगतान की जानकारी प्राप्त की। किसानों से शासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अन्नदाता को सम्मान, सुविधा एवं उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनसे खेती-किसानी सम्बंधी चर्चा कर पशुपालन व डेयरी विकास के साथ ही परिजन के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान महेश्वर विधायक राजकुमार मेव सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

मकोड़ी में ट्रॉली पर चढ़कर देखी उपज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को शाजापुर जिले के ग्राम मकोड़ी में श्यामा गेहूं उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। यहाँ स्लॉट बुकिंग और उपार्जन की अन्य व्यवस्था और किसानों को ओटीपी के माध्यम से किये जा रहे भुगतान की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उपार्जन केंद्र पर किसानों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने ट्रैक्टर-ट्राली पर चढ़कर किसानों से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषक दीपक, राहुल से उनकी गेहूं की उपज की जानकारी ली और अन्य कृषकों से भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को बताया कि उपार्जन अवधि 9 मई 2026 से बढ़ाकर 23 मई कर दी गई है। जरूरत पड़ने पर उपार्जन अवधि को आगे भी बढ़ाया जाएगा। चिंता न करें उनकी उपज का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। हमारी सरकार सभी किसानों के साथ खड़ी हैं।

आकस्मिक निरीक्षण के दौरान किसानों से उपार्जन स्थल पर पर्याप्त बैठक व्यवस्था, पेयजल, छाया आदि के बारे में जानकारी ली गई और उपार्जन स्थल पर गेहूं के वजन की मात्रा को अपने समक्ष तुलवाकर भी देखा। प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मकोड़ी किसानों की संख्या, खरीदी एवं परिवहन की मात्रा तथा भुगतान की राशि आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बारदानों पर छपाई कर रही स्व-सहायता समूह की महिला श्रीमती संगीता बाई से छपाई के बारे में पूछा। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री लाडली बहना और शासन की अन्य योजनाओं से मिलने वाली राशि के बारे में जानकारी ली।

इस दौरान उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया, विधायक अरुण भीमावद, डॉ. रवि पांडे, उज्जैन संभाग आयुक्त आशीष सिंह, आईजी राकेश कुमार गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, शाजापुर कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत मौजूद थे।

एमडी ड्रग तस्करो को 10-10 साल का सश्रम कारावास, 1-1 लाख का जुर्माना

भोपाल। एमडी ड्रग्स पाउडर की तस्करी के मामले में अदालत ने सुनवाई पूरी होने पर आरोपी का दोषी करार देते हुए 10 साल के सश्रम कारावास की सजा के साथ ही एक-एक लाख रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। यह निर्णय डॉ मुकेश मलिक चौबीसवें अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) की कोर्ट ने दिया है। संभागीय जनसम्पर्क अधिकारी मनोज त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया की 24 नवंबर 2024 को मुखबिर से सूचना मिली थी की एयरपोर्ट रोड गांधी नगर भोपाल क्षेत्र मे दो व्यक्ति एम डी ड्रग्स सप्लाई का काम करते है। थोडी देर बाद आरोपी ड्रग्स को अयोध्या नगर मे बल्क मात्रा मे सप्लाई करने वाले है। खबर मिलने पर नारकोटिक्स सेल के उपनिरीक्षक एवं उनकी टीम ने मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान पर काले रंग की अल्टो कार में सवार दो लोगो को रोक कर जॉच की। कार्यवाही के दौरान कार के डेशबोर्ड मे रखी प्लास्टिक की थैली मे एमडी ड्रग्स रखा मिला। आरोपियो के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का मामला कायम कर जॉच के बाद कोर्ट ने अभियोग पत्र पेश किया गया। अदालत ने अभियोजन द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज, तर्क और साक्ष्यो से समहत होते हुए आरोपी मोहसिन खान और आसिफ खान को धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट मे 10-10 साल का सश्रम कारावास एवं 1-1 लाख रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है।

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भौंरी में जेजे एक्ट एवं पॉक्सो एक्ट पर दो दिवसीय सेमीनार संपन्न

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी भोपाल में जेजे एक्ट एवं पॉक्सो एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन तथा बाल संरक्षण तंत्र को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय सेमीनार का आयोजन 28 एवं 29 अप्रैल को किया गया। सेमीनार का आयोजन निदेशक/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मो. शाहिद अबसार के निर्देशन एवं उप निदेशक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय जेजे एक्ट एवं पॉक्सो एक्ट के विशेष पाठ्यक्रम, एसजेपीयू, जेजेसी एवं सीडब्ल्यूसी की भूमिका रहा, जिसके अंतर्गत बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न कानूनी एवं प्रक्रियात्मक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान उप पुलिस अधीक्षक नीरज नामदेव, नेशनल ज्यूडिशियल अकादमी भोपाल की प्रोफेसर सुश्री पैकर नासिर, जेजे बोर्ड के सदस्य डॉ. कृपा शंकर चौबे, नगरीय पुलिस भोपाल की एडीपीओ डॉ. मनीषा पटेल तथा म.प्र. पुलिस अकादमी की एडीपीओ श्रीमती सुचित्रा वर्मा ने व्याख्यानों के माध्यम से अपने अनुभव साझा करते हुए जेजे एक्ट एवं पॉक्सो एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन, बाल अधिकारों की सुरक्षा तथा संस्थागत समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सेमीनार में मध्यप्रदेश पुलिस की विभिन्न इकाइयों से आए अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विषय से संबंधित व्यावहारिक एवं विधिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। सेमीनार का समापन 29 अप्रैल 2026 को उप निदेशक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सहायक निदेशक प्रशिक्षण श्रीमती रश्मि पाण्डेय, उप पुलिस अधीक्षक नीरज नामदेव, सूबेदार विजय गौर सहित अकादमी का स्टाफ उपस्थित रहा।

इंदौर के डायल 112 हीरोज

सतर्कता और संवेदनशीलता से भटकी बालिका को सुरक्षित घर पहुँचाया

भोपाल। इंदौर के थाना मल्हारगंज क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता से घर का रास्ता भटकी 10 वर्षीय बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। समय पर की गई इस कार्रवाई से बालिका को सुरक्षित संरक्षण मिल सका और परिजनों की चिंता भी दूर हुई। 30 अप्रैल 2026 को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना मल्हारगंज क्षेत्र अंतर्गत बड़ा गणपति के पास एक 10 वर्षीय बालिका अकेली मिली है, जो घर का रास्ता भटक गई है। पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही मल्हारगंज थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकर आरक्षक मनीष सलोने, आरक्षक डोंगरे सिंह एवं पायलट नेमीचंद पटेल ने बालिका को सुरक्षित संरक्षण में लेकर बालिका से पूछताछ की। पूछताछ करने पर बालिका ने बताया कि वह कृष्ण पार्क कॉलोनी की निवासी है। डायल-112 टीम ने तत्परता दिखाते हुए बालिका को एफआरव्ही वाहन से लेकर कृष्ण पार्क कॉलोनी पहुँचकर आसपास पूछताछ की, जहाँ बालिका के परिजन उसे ढूंढते हुए मिले। डायल 112 ने पहचान एवं सत्यापन उपरांत बालिका को सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द किया। अपनी बच्ची को सकुशल पाकर परिजनों ने राहत महसूस की और डायल-112 सेवा एवं पुलिस स्टाफ का आभार व्यक्त किया। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा बच्चों की सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है और हर परिस्थिति में तत्परता से सहायता पहुँचाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

सप्लीमेंट्री आने से दुखी छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। जहांगीराबाद थाना इलाके में दसवीं कक्षा के छात्र द्वारा ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी किये जाने की घटना प्रकाश में आई है। बताया गया है की छात्र सप्लीमेंट्री आने से काफी दुखी था। उधर गौतम नगर में पत्नी के मायके से दुखी युवक फांसी के फंदे पर झूल गया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अहीर मोहल्ला में रहने वाला 17 वर्षीय लक्की यादव दसवीं का छात्र था। इस वर्ष उसकी परीक्षा परिणाम में सप्लीमेंट्री आई थी, जिसे लेकर वह काफी तनाव में रहता था। बीती शाम जब वह अपने घर में अकेला था, उसी दौरान वह फांसी के फंदे पर झल गया। बाद में जानकारी लगने पर परिजन उसे फंदे से उताकर इलाज के लिये निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जॉच के दौरान पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मर्ग कायम कर पुलिस ने शव को पीएम के बाद परिजनो को सौंप दिया है। उधर गौतग नगर पुलिस ने बताया कि मोंटी अहिरवार पुत्र भूरा अहिरवार (28) अटल अय्यूब नगर में रहता था। बीती शाम उसने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि कुछ समय से विवाद के चलते उसकी पत्नी उसे छोड़कर मायके चली गई थी। आशंका है की इसी तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया है। हालांकि पुलिस का कहना है की सुसाइड के सही कारणो का खुलासा जॉच के बाद ही हो सकेगा।

पान की गुमठी वाला बेच रहा था बैन किये गये गोगो रोल पेपर

भोपाल। थाना खजूरी सडक पुलिस ने प्रतिबंधित गोगो रोल पेपर बेचने वाले पान की गुमठी संचालक के खिलाफ कार्यवाही की है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी नीरज वर्मा ने टीम गठित कर थाना इलाके में अभियान चालकर प्रतिबंधित गोगो पेपर, रोलिंग पेपर, परफेक्ट रोल बेचने वालो पर अंकुश लगाने के लिये पान की गुमठियो को चैक किया। चैकिंग के दौरान भौंरी बंगला पर पवन पान कार्नर गुमठी को चैक करने पर दुकान संचालक गोगो स्मोकिंग कोन व गोगो स्मोकिंग स्किन पेपर बेचते मिला पुलिस ने आरोपी पवन प्रजापति पिता रेवाराम प्रजापति (34) निवासी ग्राम भौंरी थाना खजूरी सडक की दुकान से 36 गोगो स्मोकिंग पेपर का पैकिट, 25 स्किन पेपर सहित एक प्लास्टिक का बॉक्स जप्त किया है। उसके खिलाफ धारा 223 (ए) बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई है।

गल्ले से रकम निकालने के विवाद में सिर पर राफटा मारा

भोपाल। शहर के जहांगीराबाद थाना इलाके में चाय-नाश्ता होटल चलाने वाले एक युवक को अंडे का ठेला लगाने वाले आरोपी ने नींबू निचोड़ने वाला राफटा सिर पर मारकर घायल कर दिया। उनके बीच गल्ले से पैसा निकालने को लेकर विवाद हुआ था। मामले में पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार बरखेड़ी के जोगीपुरा में रहने वाला बादल यादव पिता स्वर्गीय अशोक यादव (29) शराब दुकान के पास चाय-नाश्ते की होटल चलाता है। मंगलवार रात करीब 11 बजे उसके पास एक्सटॉल तिराहे के पास अंडे का ठेला लगाने वाला विनोद जोगी पहुंचा। उससे दो अंडे मांगे थे। इस दौरान विनोद ने उससे कहा उसने उसके गल्ले से रकम निकाली है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच हुई कहासुनी मारपीट तक पहुचं गई। विनोद के दोस्त अंकित यादव और दो अन्य भी वहां आ गए। सभी मिलकर उसके साथ मारपीट शुरु कर दी। मारपीट के दौरान विनोद जोगी ने नींबू निचोड़ने के काम आने वाला लकड़ी का राफटा उठाकर बादल के सिर पर मार दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है।

मारपीट,पेशाब कांड के तीन आरोपी गिरफ्तार

भोपाल।राजधानी भोपाल के शबरी नगर में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर बदमाशों ने एक युवक को अगवा कर उसे नंगा कर पीटने और पेशाब करने वाले तीन आरोपियों को हनुमानगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चाकू भी बरामद किया हैं। आरोपियों ने युवक को भानपुर ब्रिज पर ले जाकर पीटा था, और उसका वीडियो भी बनाया था। पुलिस के अनुसार 22 वर्षीय यशवंत मरकाम शबरी नगर में रहता है। उसके खिलाफ पूर्व में अपराध दर्ज हो चुके हैं। पूर्व में शबरी नगर में ही प्रेम थापा, गढ्ढू पिस्टल व एक नाबालिग रहते थे। दो दिन पहले उन्होंने बहाना बनाकर यशंवत को नादिरा बस स्टैंड के पास बुलाया था। इस मामले में घायल होकर फरियादी पहले जेपी अस्पताल पहुंचा था, जहां से मेडिकल रिपोर्ट पहले कमला नगर पुलिस को मिली और वह उसे लेकर हनुमानगंज पुलिस पहुंची। जहां पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों को उनके ठिकानों पर दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा कर सकती है।

ट्रैन में सवार हो रही महिला का मंगलसुत्र झपटा

भोपाल। राजधानी के मुख्य रेलवे पर बदमाश लगातार झपटमारी की वारदातो को अंजाम दे रहे हैं। आरोपियो ने दो महिलाओ को अपना शिकार बनाते हुए उनके गले से सोने की चैन और मंगलसुत्र झपट लिये और फरार हो गये। भोपाल जीआरपी पुलिस के अनुसार सूरज देवी कुनार पति स्वर्गीय दान कुनार (59) ने अपनी शिकायत में बताया की वह अजमेर की रहने वाली है। 17 मार्च की दोपहर अजमेर जाने के लिए भोपाल जंक्शन में कांउटर से टिकट ले रही थी। उसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके गले में पहनी एक तोला वजनी सोने की चेन झपटकर भाग गया। महिला ने शोर मचाया लेकिन आरोपी तेजी से फरार हो गया। उनकी ट्रेन आने पर वह चली गई और अजमेर जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई। केस डायरी आने पर भोपाल जीआरपी ने झपटमारी का मामला दर्ज कर लिया है। दूसरी वारदात राधिका पडाग्रे के साथ हुई। वह इलाज कराने के लिये बैतूल से भोपाल आई थी। 22 अप्रैल को पति शीतल दास पडाग्रे के साथ वापस लौट रही थी। दंपति ने स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस का जनरल टिकट लिया था। ट्रेन में सवार होते समय अज्ञात आरोपी ने उनके गले में पहना 1 लाख कीमत का मंगलसूत्र चोरी कर लिया। दंपत्ति ने बैतूल में शिकायत दर्ज कराई जहॉ से आई केस डायरी आने पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर आगे की जॉच शुरु कर दी है।

राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला आज

जयपुर। एजेंसी।

राजस्थान रॉयल्स की टीम शुक्रवार को आईपीएल के 43 वें मैच में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो रॉयल्य जीत की प्रबल दावेदार है। उसने अब तक 6 मैच जीते हैं और 12 अंक लेकर वह तालिका में तीसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और पक्की करना रहेगा। पिछले मैच में उसने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने जोरदार वापसी की है। कप्तान रियान पराग की राजस्थान के पास वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज, वहीं जोफ्रा आर्चर जैसे तेज गेंदबाज और स्पिनर के तौर पर रविन्द्र जडेजा हैं1

वहीं दूसरी और अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक केवल 3 मैच जीते हैं और उसके 6 अंक हैं इससे वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। पिछले मैच में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ केवल 75 रन पर ही सिमट गयी थी। जिससे उसके बल्लेबाज इस मैच में भी दबाव में होंगे। उसकी ओर से अब तक केवल केएल राहुल ही बड़ी पारियों खेल पाये हैं। वहीं अन्य बल्लेबाजों डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है।

उसके लिए राहत की बात केवल इतनी सी है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क फिट हो गये हैं और वह वापसी के लिए तैयार हैं। स्टार्क अगर खेलते हैं तो दिल्ली की गेंदबाजी मजबूत होगी। इसके अलावा वह लुंगी एनगिडी एंटीगिटी के नहीं खेलने से होने वाली कमी भी भर देंगे। एंटीगिटी चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 29 मैच हुए हैं इसमें से राजस्थान ने 15 जबकि दिल्ली ने 14 जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

राजस्थान रॉयल्स- रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा, शुभम दुबे, ।

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), लोकेश राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नितीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिचेल स्टार्क।

बीसीसीआई ने रियान पराग पर ई-सिगरेट सेवन के लिए जुर्माना लगाया

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को इलेक्ट्रानिक सिगरेट (वेप्स) का सेवन करना भारी पड़ा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इससे आचारसंहित का उल्लंघन मानते हुए 'स्मोकिंग एक्ट के तहत ही पराग पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके अलावा उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इससे पहले बोर्ड ने उन्हें नोटिस भेजा था। उन पर खिलाड़ी आचार संहित के नियम 2.1 के तहत लेवल 1 का अपराध लगाया गया है। जो आचारसंहित का के पालन से जुड़ा है। पराग को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम के अंदर स्मोकिंग करते हुए देखा गया था। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद से ही वह आलोचना का शिकार हो रहे थे। वहीं बोर्ड और राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन के सूत्रों के अनुसार पराग को गुरुवार सुबह नोटिस दिया गया था। पराग ने इस मामले में जुर्माना भरना स्वीकार कर लिया है। ऐसे में अब इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं होगी। ये दूसरी बार है जब रॉयल्स विवादों में आई है। इससे पहले टीम मैनेजर को भी डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते देखा गया था।

चैंपियंस लीग फुटबॉल में एटलेटिको और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा

मैड्रिड। एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल 2026 में पहला लेग 1-1 से ड्रा रहा। स्पेन के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेला गया यह मैच पेनल्टी और वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) के फैसलों के कारण विवादों में रहा, जिसने अंतिम टिकट कटाने के लिए लंदन में होने वाले अगले सप्ताह के दूसरे लेग को और भी अम बना दिया है। आर्सेनल के लिए यह ड्रॉ थोड़ा निराशाजनक रहा, क्योंकि वीएआर के देर से आने के कारण उन्हें दूसरे पेनल्टी का अवसर नहीं मिला। इस मुकाबले में दोनो ही टीमें शुरुआत से ही सतर्क नजर आईं, किसी भी गलती से बचने के प्रयास करती रहीं। एटलेटिको ने अपने घरेलू मैदान पर अच्छी शुरुआत की। पहला हाफ समाप्त होने से ठीक पहले, आर्सेनल को बढ़त मिली। । बॉक्स के अंदर विक्टर ग्योकेरेस को डेविड हैंको द्वारा धक्का दिए जाने के बाद रेफरी ने उसे पेनल्टी दी जिसे ग्योकेरेस ने गोल में बदलकर आर्सेनल को 1-0 कीबढ़त दिला दी। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही एटलेटिको मैड्रिड ने अच्छी वापसी की। 56वें मिनट में, बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद एटलेटिको को पेनल्टी मिली जिसे गोल में बदलने में जूलियन अल्वारेज ने कोई गलती नहीं की और स्कोर 1-1 पर पहुंचा दिया। 78वें मिनट में फाउल के कारण आर्सेनल को एक और पेनल्टी मिलने की उम्मीद थी पर वीएकआरे ने रेफरी के शुरुआती फैसले को पलट दिया, जिससे आर्सेनल को निराशा हुई। इसके बाद दोनो ही टीमों ने कई प्रयास किये पर वे गोल नहीं कर पायीं। दोनों टीमें अब अगले सप्ताह लंदन में होने वाले दूसरे लेग में उतरेंगी।

अभिषेक ऑरेंज कैप और ईशान मलिंगा पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए आईपीएल मुकाबले के बाद एक बार फिर ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव आया है। अब एक बार फिर सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में नंबर एक आ गये हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। अभिषेक ने मुम्बई के खिलाफ मैच में 24 गेंदों में 45 रन बनाये। इससे अब उनके कुल 425 रन हो गये हैं। वहीं सनराइजर्स के ही हेरनिक क्लासेन 414 रनों के साथ ही दूसरे और राजस्थान के वैभव 400 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। केएल राहुल चौथे और विराट कोहली पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं दूसरी और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाले पर्पल कैप के लिए सनराईर्स के ईशान मलिंगा नंबर एक पर पहुंच गये हैं। ईशान ने अब तक 15 विकेट लिए हैं। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ ईशान ने एक विकेट लिया था। वहीं आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार, रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कम्बोज तीनो ही 14-14 विकेट के साथ ही दसरे तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। हहैं। इसके बाद 13 विकेट के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव 13 विकेट के साथ ही पांचवे नंबर पर हैं।

38 के हुए रोहित को जन्मदिन पर मिली बधाई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहत शर्मा आज 38 साल के हो गये। जन्मदिन पर रोहित को साथी क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसकों ने भी बधाई दी है। रोहित ने अपना 38वां जन्मदिन जयपुर के होटल में अपने परिवार और मुंबई इंडियंस (एमआई) के साथियों के साथ मनाया। रोहित ने अपने करियर में कई सफलताएं हासिल की हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने चैम्पियसं ट्रॉफी और टी20 विश्कप जीत है। मैदान पर छाये रहने वाले रोहित ने अपने क्रिकेटिंग करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। खेल के साथ ही वह धन कमाने में भी पीछे नहीं रहे हैं।

रोहित भारतीय क्रिकेट के सबसे धनी खिलाड़ियों में से एक हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कुल नेटवर्थ 233 करोड़ रुपये के करीब है। आजकल वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं पर उनकी लोकप्रियता में कमी नहीं आई है। उनकी आय का मुख्य स्रोत बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से मिलने वाली मोटी रकम और कई बड़े ब्रांड से जुड़े होना है। रोहित लंबे समय तक बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध में शीर्ष पर रहे हैं। उन्हें आईपीएल सीजन में उन्हें सालाना 16.30 करोड़ रुपये मिलते हैं। उन्होंने अब तक सिर्फ आईपीएल से ही 195 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके अलावा वह 25 से अधिक बड़े ब्रांड्स के लिए वे एंडोर्समेंट करते हैं।

उनका मुंबई के पॉश वरली इलाके में एक घर है। उनके पास लग्जरी और स्पोर्ट्स कारें भी है। इसमें पसंदीदा लेम्बोर्गिनी उरुस के साथ ही मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, बीएमडब्ल्यू एम-5, रेंज रोवर, टोयोटा फॉर्च्यूनर और टेस्ला मॉडल वाई जैसी शानदार गाड़ियां शामिल हैं।

विनेश अगले माह राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट से वापसी करेंगी

नई दिल्ली। महिला पहलवान विनेश फोगाट अब अगले माह 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में खेलती नजर आयेंगी। इसी के साथ ही 20 महीनों के बाद वह किसी प्रतियोगिता में खेलती दिखेंगी। विनेश ने इस रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए नामांकन करा लिया है। वहीं उन्होंने इससे पहले नामांकन में आने वाली बाधा के बाद आरोप लगाया था कि महासंघ उनकी वापसी नहीं चाहता है पर बाद में उनका नामांकन हो गया। वहीं महासंघ का कहना था कि विनेश के आरोप सही नहीं थे। पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण विनेश ही नहीं, कई अन्य पहलवानों को भी नामांकन में परेशानी आई थी। जिससे बाद में ठीक कर लिया गया। वहीं इसके बाद विनेश ने कहा, आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा नामांकन आज सुबह पूरा हो गया।

हार्दिक बोले, उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाने से हारे

मुम्बई। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुम्बई इंडियंस की टीम को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रनों का बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम के प्लेऑफ की संभावनाएं काफी कम हो गयी हैं। हार के बाद मुम्बई के कप्तान हार्दिक पंड्या ने मना है कि उनकी टीम इस सत्र में अब तक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पायी है जिसके लिए वह जानी जाती है। टीम ने अब तक खेले अपने 8 मैचों में से केवल 2 ही जीते हैं। हार्दिक ने हार के लिए अपने गेंदबाजों को दोष नहीं दिया और कहा कि हमारे पास अधिक विकल्प नहीं थे।

मुंबई की गेंदबाजी इस मैच में कमजोर रही है। जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पायी। इसी को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे पास अधिक विकल्प नहीं थे। इस सत्र में हमने अपने पास उपलब्ध विकल्पों का पूरी तरह से प्रयोग किया। अब आने वाले मुकाबलों में हमें देखना होगा कि क्या किया जा सकता है। मैं अपनी हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार नहीं मानता। मेरा मानना है कि एक टीम के तौर पर हम एकजुट होकर नहीं खेल पाये। हम अब इस पर विचार करेंगे।'

पांच बार की विजेता रही टीम इस बार हर क्षेत्र में कमजोर साबित हुई है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी लय में नहीं है। स्टेडियम के अंदर दर्शकों की हूटिंग को लेकर हार्दिक ने कहा कि हमने प्रशंसकों को खुश होने का कोई अवसर नहीं दिया। इसलिए वे नाराज हैं। मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ की राह अब 'करो या मरो' जैसी हो गई है। उसे अब हर हाल में अपने बचे हुए सभी 6 मैच बड़े अंतर से जीतने ही होंगे।

अभिषेक और हेड ने पावर प्ले में ही मुम्बई से छीना मैच

मुम्बई। मुम्बई इंडियन क्रिकेट टीम का आईपीएल के 19 सत्र में समय अच्छा नहीं चल रहा और उसे रायन रिकल्टन की 123 रनों की शतकीय पारी के बाद भी हार का सामना करना पड़। रिकल्ट ने मुम्बई इंडियंस की ओर से इस सत्र का सबसे तेज शतक लगाकर 243 रनों का बड़ा स्कोर बनाया पर इसके बाद भी टीम हार गयी। इसका कारण सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड के पहले ही ओवर में की गयी आक्रामक बल्लेबाजी रही। इन दोनो ने लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले 6 ओवरों में ही 36 गेंदों पर 92 रन बना दिये। इसके बाद मुम्बई के गेंदबाज दबाव में आ गये और इसका पूरा लाभ सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने उठाया। मैच में मुम्बई के गेंदबाज प्रभावी नहीं आये और लाइन व लेंथ के लिए संघर्ष करते रहे जिसका भी लाभ सनराइजर्स ने उठाया और 6 विकेट से मैच जीत लिया। मुम्बई के गेंदबाज केवल चार विकेट ही ले पाये। सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाजों ने पावर प्ले में ही मैच का रुख मोड़ दिया। इसके बाद मुम्बई के गेंदबाज वापसी नहीं कर पाये। अभिषेक ने 24 गेंद में ही 3 छक्के और 4 चौके लगाकर 45 रन जबकि ट्रेविस हेड ने 30 गेंद में 76 रन बनाये। वहीं मध्य क्रम में हेनरिक क्लासेन ने तेजी से 30 गेंदों में ही 65 रन बना दिये। अंत में सनराइजर्स के लिए नीतीश कुमार रेड्डी ने 21 और सलील अरोड़ा ने 10 गेंद में 30 रन बनाये।

आईपीएल में बड़े स्कोर वाले मुकाबलों को मुरलीधरन ने खेल की जरुरत बताया

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में बल्लेबाजों का दबदबा जारी है, जहां लगातार बड़े स्कोर बन रहे हैं और असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी आसानी से हासिल किए जा रहे हैं उससे कई सवाल भी उठा रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 244 रनों का विशाल लक्ष्य जिस सहजता से पीछा किया, उसने एक बार फिर बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों पर बहस छेड़ दी है। इस मुकाबले में जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज का भी महंगा साबित होना चिंता का विषय बन गया है, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या खेल में गेंदबाजों के लिए कुछ बचा है या नहीं।

वहीं इस मुद्दे पर सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि अगर संतुलित विकेट मुहैया कराए जाएंगे, तो दर्शकों के लिए मैच मजेदार नहीं होंगे। मुरलीधरन के अनुसार, टी20 क्रिकेट की पहचान ही चौके-छक्के हैं और प्रशंसक यही देखना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीएल एक बहुत बड़ा बिजनेस है और यदि मैचों में बड़े स्कोर नहीं बनेंगे, तो स्वाभाविक रूप से दर्शकों और प्रायोजकों दोनों की इसमें रुचि कम होने लगेगी, जिसका सीधा असर लीग की लोकप्रियता और वित्तीय स्थिति पर पड़ेगा।

मुरलीधरन ने बाउंड्री लाइन बढ़ाने जैसे सुझावों को भी खारिज करते हुए कहा कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। उनका मानना है कि जब बल्लेबाज बिना किसी डर के खुलकर आक्रामक तरीके से बल्लेबाजी करते हैं, तो गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना या रनों पर अंकुश लगाना बेहद मुश्किल हो जाता है। पूर्व दिग्गज स्पिनर ने यह भी दावा किया कि आक्रामक बल्लेबाजी का यह ट्रेंड सनराइजर्स हैदराबाद ने ही सबसे पहले शुरू किया था, जिसे अब बाकी टीमें भी अपना रही हैं।

रियल के स्टार खिलाड़ी एंबापे चोटिल हुए, लीग में आगे खेलना संदिग्ध

मैड्रिड। रियल मैड्रिड की ओर से ला लिगा फुटबॉल में खेल रहे फ्रांस के स्टार फुटबॉलर कायलान एंबापे चोटिल हो गये हैं ऐसे में उनका इस लीग में आगे खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। अगर एंबापे बाहर होते हैं तो ये रियल के लिए एक बड़ा झटका होगा। 10 मई हो बार्सिलोना के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में भी वह शायद ही खेल पाये। यहां तक कि जून में होने होने वाले विश्कप में भी उनके खेलने पर सवाल उठ रहे हैं।

इस स्टार खिलाड़ी को रियल बेटिस के खिलाफ मैच में मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उसी कारण वह मैच समाप्त होने से पहले ही मैदान से बाहर हो गये थे।

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) बालाघाट

Email : actw.bgt@mp.gov.in Ph. (07632) 248405

क्रमांक/ ३२१ /निर्माण/जजाकावि/2026-27 बालाघाट दिनांक २8 / 04 /2026

-निविदा विज्ञप्ति-

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (ऑनलाईन ई-तृतीय निविदि आमंत्रण)

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से आन लाईन निविदायें प्रतिशत दर के आधार पर मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से भवन निर्माण एवं भवनों में विधुतीकरण कार्यो हेतु लोक निर्माण विभाग (भवन) मध्यप्रदेश द्वारा जारी एवं दिनांक 1 जनवरी 2024 से भवन/विधुत कार्यो हेतु प्रभावशील एस.ओ.आर. पर (निविदा दिनांक तक समस्त सशोंधनों सहित) निम्नांकित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदायें आंमत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्तें, निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारियां https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

S.No	Particular	Date
1	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारंभ तिथि	01/05/2026
2	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि	11/05/2026
3	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि	11/05/2026
4	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि	13/05/2026

क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	अमानत राशि (लाख में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	06 विभागीय छात्रावास/आश्रमों में अधीक्षक आवास गृहों का निर्माण कार्य । विदयुतीकरण कार्य सहित (1- कन्या आश्रम गढ़पायली, 2- कन्या आश्रम लहंगाकन्हार, 3- बालक आश्रम सोनगुड्डा क्र.-1, 4- बालक आश्रम सोनगुड्डा क्र. 2, 5- बालक आश्रम गिडोरी, 6- कन्या आश्रम डाबरी) प्रति कार्य रू. 18.21 लाख के मान से कुल राशि =109.26 लाख	109.26	10000/-	1.10	म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत	04 माह (वर्षाकाल सहित)
2	06 विभागीय छात्रावास/आश्रमों में अधीक्षक आवास गृहों का निर्माण कार्य । विदयुतीकरण कार्य सहित (1- सीनियर बालक छात्रावास बिरसा, 2- सीनियर कन्या छात्रावास बिरसा, 3- सीनियर कन्या छात्रावास दमोह, 4- बालक आश्रम मछुरदा, 5-कन्या आश्रम चिखली, 6-कन्या आश्रम गाठिया) प्रति कार्य रू. 18.21 लाख के मान से कुल राशि =109.26 लाख	109.26	10000/-	1.10	म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत	04 माह (वर्षाकाल सहित)

नोट :-

1- ऑनलाईन सभी अभिलेख जमा करना,अनिवार्य होगा। निविदा से संबधित आवश्यक संशोधन बेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ही दर्ज किये जावेंगें। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेंगा।

2- उपरोक्त ई-निविदाओं में चाहे गये अभिलेखों के अतिरिक्त जारी ऑनलाईन एन.आई.टी. में उल्लेखित अभिलेख/दस्तावेज भी निविदाकार को ऑनलाईन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा ।

3- समस्त निविदाकारो को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न करें, शीघ्र अतिशीघ्र बिड जमा करें। बेवसाइट पर किसी प्रकार की असुविधा के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

G12246/26

सहायक आयुक्त
जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट

D:\2025-26\Tendar2025-26 Awas 36.docx

मोटर पंप लगाकर पानी की कर रहे थे चोरी

नपा जल प्रदाय शाखा ने वार्ड नं 31 और 5 में की कार्यवाही

पहले दिन 02 मोटर पंप की बनाई जप्ती, लोगो मे देखी गई नाराजगी, जिम्मेदार बोले -आगे भी जारी रहेगी छापामार कार्यवाही

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भीषण गर्मी के इस दौर में नगर के लगभग सभी वार्डों में पर्याप्त पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। जहां इस सीजन में पहले की तुलना में अधिक पानी की आवश्यकता होने और घरेलू जरूरतो को पूरा करने के लिए पानी की डिमांड काफी बढ़ गई है। उधर नगर पालिका द्वारा पर्याप्त पानी सप्लाई न करने के चलते लोग अपने घरों के नल कनेक्शन में टूल्लू मोटर पंप लगाकर अतिरिक्त पानी खींच रहे हैं। जिसके चलते उनके परिसर वाले वार्डवासियों को पीने के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। जिसकी शिकायत मिलने पर नगर पालिका जल प्रदाय शाखा द्वारा नगर में छापामार कार्यवाही शुरू कर दी गई है। जहा इस कार्यवाही के पहले दिन नगर पालिका के जलप्रदाय अमले ने वार्ड नं 31 और 05 का निरीक्षण कर नल कलेक्शन में लगी हुई मोटर पंप को जप्त करने की कार्यवाही की।जहां मोटर पंप के माध्यम से अतिरिक्त पानी खींचकर अन्य लोगो के हिस्से के पानी मे चोरी कर रहे 02 लोगों पर कार्यवाही कर उनके नल कनेक्शन में लगी 02 मोटर पंप की नगर पालिका अमले द्वारा जप्त बनाई गई है। जहां जप्त की गई इन सभी पानी मोटर को नपा अमले ने जलप्रदाय शाखा में लाकर जमा कराया है तो वही संबंधितों के खिलाफ पंचनामा प्रकरण तैयार कर, प्रकरण पर विचार के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया है।जहां मुख्य नगर पालिका अधिकारी के दिशा निर्देशों के तहत आगामी कार्यवाही किए जाने की बात जल प्रदाय शाखा अमले द्वारा कहीं जा रही है।

कार्यवाही का वार्डवासियों ने जताया विरोध

जैसे-जैसे तापमान में वृद्धि हो रही है, लोगों के घरों में पानी की समस्या भी बढ़ रही है वहीं पानी की किल्लत का मुख्य कारण लोगो द्वारा अपने घरों में अवैध रूप से टुल्लू पम्प चलाना बताया जा रहा हैं,जिससे अन्य लोग प्रभावित हो रहे हैं। इसी समस्या के मद्देनजर नगर पालिका को शिकायत मिली थी कि वार्ड नं 31व 5 के कुछ घरों में अवैध रूप से मोटर लगाकर पानी लिया जा रहा है जिससे दूसरे घरों में पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है।इसपर नपा अमले द्वारा कार्रवाई करते हुए 02 टुल्लू पंप जब्त कर सम्बधितों के खिलाफ प्रकरण बनाया गया है।उक्त कार्रवाई के दौरान मोहल्ले के लोगों में खासी नाराजगी देखी गई और उन्होंने इसका विरोध भी किया। मोहल्ले वालों का कहना था कि हमें पर्याप्त पानी नहीं मिलता है इसलिए टुल्लू पम्प लगाना पड़ रहा है।तो वही नपा कर्मचारी नियमो का हवाला देते हुए कार्यवाही को अंजाम देते नजर आए।

पर्याप्त पानी नही आता इसलिए लगानी पड़ती है मोटर- वार्डवासी

नपा अमले की कार्यवाही का विरोध करते हुए वार्डवासियों ने बताया कि आज नगर पालिका की टीम ने उनके घर पर लगी मोटर को जप्त कर लिया है। यदि नगर पालिका पर्याप्त मात्रा में पानी देती और फोर्स से पानी आता तो उन्हें मोटर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।पानी पर्याप्त नहीं मिल पाता इसीलिए मजबूरन मोटर लगानी पड़ती है। लेकिन उसे जप्त कर लिया गया ।हमारी मांग है कि पर्याप्त पानी दिया जाए ताकि किसी को मोटर लगाने की आवश्यकता ना पड़े।

आगे भी जारी रहेगी कार्यवाही - मेश्राम

वहीं पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान नपा इंजीनियर श्रीमती ज्योति मेंश्राम ने बताया कि इसके पूर्व कई बार मुनादी कराई गई है।नल कनेक्शन में मोटर ना लगाने को लेकर सूचित किया गया।फिर भी लोग नहीं मान रहे हैं और नल कनेक्शन में मोटर लगाकर अतिरिक्त पानी खींच रहे हैं। इस वार्ड से भी आए दिनों शिकायत मिल रही थी जिसके चलते आज से कार्रवाई शुरू की गई है पहले दिन हमने 02 मोटर को जप्त किया है वही संबंधितों के खिलाफ पंचनामा बनवाया है ।हमारी यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

आज से महाविद्यालय में नवीन सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में नवीन प्रवेश सत्र 2026-

27 की प्रवेश प्रक्रिया का प्रारंभ स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए 1 मई 2026 से होने जा रहा है। क्षेत्रभर के कक्षा 12 वीं से उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राएं प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते है। चर्चा में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा ने बताया कि शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में स्नातक स्तर पर बी.ए., बी.एससी. विज्ञान, बी.एससी. गणित एवं स्नातकोत्तर स्तर पर राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, हिन्दी विषय में अध्ययन-अध्यापन की समुचित व्यवस्था है, जिसमें प्रवेश हेतु कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी स्नातक स्तर पर एवं स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश ले सकता है। विद्यार्थी उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार महाविद्यालय में प्रवेश हेतु ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करे, प्रवेश समय सारणी जानकारी के लिए महाविद्यालय से संपर्क भी कर सकते है। श्री बरवा ने बताया कि छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए महाविद्यालय स्तर पर कला संकाय, विज्ञान एवं गणित संकाय तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में पंजीयन एवं मार्गदर्शन, मेजर, माइनर, बहुसंकाय विषय के चयन में परामर्श एवं प्रवेश संबंधी अन्य जानकारियॉ तथा छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग के लिए महाविद्यालय स्तर पर एक हेल्प डेस्क सेंटर, प्रवेश सहायता केन्द्र बनाया गया है जो कि छात्र-छात्राओं की प्रवेश संबंधी विभिन्न जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान करेगा ताकि "हर छात्र कॉलेज तक" आसानी से प्रवेश पा सके। छात्राओं, ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जायेगी और पंजीयन एवं मार्गदर्शन विशेष सहायता प्रदान की जायेगी। श्री बरवा ने बताया कि महाविद्यालय में प्रवेश पाने वाले छात्र-छात्राओं से अपील है कि वे प्रवेश संबंधी किसी भी जानकारी के लिए महाविद्यालय से संपर्क कर सकते है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा के मार्गदर्शन एवं प्रवेश प्रक्रिया नोडल डॉ. देवराज चौरे एवं प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित समस्त महाविद्यालय परिवार के सहयोग से महाविद्यालय में सत्र 2026-27 के प्रवेश प्रक्रिया को शासन के निर्देशानुसार सम्पन्न किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से संबल योजना के हितग्राहियों के खाते में अनुग्रह राशि का किया अंतरण

जिले के 1167 हितग्राहियों के खाते में पहुंची 25.02 करोड़ रुपए की राशि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नें 30 अप्रैल को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से संबल योजना

के प्रदेश के 27 हजार 167 हितग्राहियों के बैंक खाते में 600 करोड रुपए की अनुग्रह राशि अंतरित की है। इसमें बालाघाट जिले के 1167 संबल योजना के हितग्राहियों के खाते में 25 करोड 02 लाख रुपए की राशि अंतरित हुई है। जो कि प्रदेश के सभी जिलों में सबसे अधिक है। इस अवसर पर मप्र शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित इस कार्यक्रम का कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में सीधा प्रसारण दिखाया गया। इस अवसर पर जिला श्रम पदाधिकारी श्री मयंक दीक्षित एवं संबल योजना से लाभान्वित होने वाले हितग्राही उपस्थित थे। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। योजना में अनुग्रह सहायता योजना अंतर्गत दुघर्टना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रूपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रूपये तथा अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं। संबल योजना में महिला श्रमिकों को प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार रूपये दिये जाते हैं, साथ ही श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा के लिये सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। संबल योजना में श्रमिक को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता प्राप्त होती है वास्तविक अर्थों में यह श्रमिकों का संबल है। प्रदेश की यह योजना देश के सभी राज्यों के लिए अनुकरणीय है। सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामयम योजना में पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है, अब उन्हें भी 5 लाख रूपये वार्षिक नि:शुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है।

बैहर में क्रिकेट का महाकुंभ- फाइनल में सींघई वारियर्स की शानदार जीत-राजेश रहांगडाले बने हीरो

पद्मेश न्यूज। बैहर। बैहर तहसील के हाई स्कूल मैदान में वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष श्रीकांत त्रिवेदी के नेतृत्व में मोबाइल से मैदान की ओर विचारधारा के तहत आयोजित 35 प्लस लीजेंड क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन कल रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। 15 अप्रैल से प्रारंभ हुआ यह टूर्नामेंट 29 अप्रैल 2026 को अपने पूरे रोमांच के साथ समाप्त हुआ।यह टूर्नामेंट अमर शहीद आशीष शर्मा जी की स्मृति में आयोजित किया गया, जिसने पूरे क्षेत्र में खेल और सम्मान का अनोखा संगम प्रस्तुत किया।

फाइनल मुकाबला- सींघई वारियर्स किंग्स ऑफ परसवाड़ा

टॉस जीतकर किंग्स ऑफ परसवाड़ा ने पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन उनका यह फैसला सींघई वारियर्स के बल्लेबाजों के सामने भारी पड़ गया।सींघई वारियर्स ने निर्धारित 11 ओवर में 132/6 का मजबूत स्कोर खड़ा किया।राजेश रहांगडाले ने मात्र 22 गेंदों में 55 रन (6 छक्के) ठोककर मैदान में तूफान ला दिया।

राकेश सप्रा ने नाबाद 31 रन बनाकर पारी को संभाला।कृष्णा कांत और अनवर खान ने भी उपयोगी योगदान दिया।किंग्स ऑफ परसवाड़ा की ओर से राजा बोधी और संतोष भलावी ने 2-2 विकेट लिए, लेकिन रन गति पर लगाम नहीं लगा सके।

लक्ष्य का पीछा- किंग्स ऑफ परसवाड़ा की कोशिश अधूरी

132 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए किंग्स ऑफ परसवाड़ा की टीम 11 ओवर में

103/6 ही बना सकी।इरफान कुरैशी ने 31 रन बनाकर उम्मीद जगाई,जबकि मेराज खान और बसंत टेकाम ने तेज रन बनाए,लेकिन सींघई वारियर्स की गेंदबाजी के सामने कोई बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी।बल्ले से कहर बरपाने के बाद राजेश रहांगडाले ने गेंद से भी कमाल करते हुए 4 विकेट झटके और विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी।सींघई वारियर्स ने 29 रन से जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की।मैन ऑफ द मैच,राजेश रहांगडाले 55 रन और 4 विकेट (ऑलराउंड प्रदर्शन)

समापन का माहौल

फाइनल मैच के दौरान मैदान में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां हर चौके-छक्के पर तालियों की गूंज और हर विकेट पर रोमांच चरम पर रहा। यह टूर्नामेंट सिर्फ खेल नहीं बल्कि एक संदेश भी था—मोबाइल से दूर रहकर मैदान से जुड़ने का।

इस फाइनल में बैहर और परसवाड़ा तहसील के एसडीएम शिरीष प्यासी एवं श्री अर्पित गुप्ता मौजूद रहे।

एवं नगर परिषद बैहर उपाध्यक्ष श्रीमान सुनील धारवे एवं समस्त पत्रकार बंधु भी उपस्थित रहे।

इस आयोजन ने न सिर्फ खिलाड़ियों को मंच दिया बल्कि अमर शहीद आशीष शर्मा जी को सच्ची श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

मैन ऑफ द सीरीज अनवर खान,बेस्ट कैच प्रदीप तोमर,बेस्ट बॉलर संतोष भलावी,सबसे अधिक छक्के लगाने वाला बल्लेबाज संतोष ठाकरे,सबसे अधिक चार रन मारने वाला बल्लेबाज अनवर खान,मैन ऑफ़ द मैच राजेश रहांगडाले,विजेता टीम सिंघई वॉरियर्स को रू.55555 का इनाम नगद और ट्रॉफी और टीम के सभी खिलाडियों को मेडल,उपविजेता टीम किंग्स ऑफ़ परसवाड़ा को 27777 नगद और ट्रॉफी और टीम के सभी खिलाड़ियों को मेडल,

ब्रांज फाइनल की विजेता तीसरे नंबर की टीम को 16200 नगद और ट्रॉफी और टीम के सभी खिलाड़ियों को मेडल,ब्रांज फाइनल की उपविजेता टीम मिक्स 11 को रू.8100 का इनाम और ट्रॉफी और टीम के सभी खिलाड़ियों को गिफ्ट,फाइनल के मौके पर उपस्थित सभी स्पॉन्सरों का सम्मान और खिलाड़ियों का सम्मान,सभी मैच में अंपायर और लाइव स्कोरर के लिए सम्मानजनक राशि।बैहर का यह फाइनल मैच क्रिकेट प्रेमियों के लिए किसी फिल्मी क्लाइमैक्स से कम नहीं रहा—जहां हीरो भी मिला, जोश भी और यादगार लम्हे भी!इसके साथ ही पूरे टूर्नामेंट में प्रति मैच में मुफ्त लकी गिफ्ट खोले गए जिसमें चयनित विजेताओं को यह उपहार प्रदान किए गए।

01 मई से स्नातक व स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाओं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया एक मई 2026 से प्रारंभ की जा रही है। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातक व स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे तथा जिला नोडल अधिकारी डॉ. एन.एम. कुरैशी ने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में समय पर आवेदन करने की अपील की है। प्राचार्य डॉ. मराठे ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया का प्रथम चरण 01 मई से 15 मई 2026 तक संचालित होगा, जिसमें विद्यार्थी MP Online के माध्यम से अपना पंजीयन कर सकेंगे। पंजीयन के बाद विद्यार्थियों को अपने दस्तावेजों का सत्यापन दो मई से सोलह मई 2026 के बीच निकटतम शासकीय महाविद्यालय में कराना अनिवार्य होगा। प्रवेश प्रक्रिया के तहत प्रथम सूची 20 मई 2026 को जारी की जाएगी। सूची में नाम आने वाले विद्यार्थियों को इक्कीस मई से 26 मई 2026 के बीच आवंटित महाविद्यालय में शुल्क जमा कर अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। यह प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी और ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जा रही है, जिससे विद्यार्थियों को सुविधा के साथ उच्च शिक्षा में प्रवेश मिल सके। जिला नोडल अधिकारी डॉ. एन.एम. कुरैशी ने 卐कॉलेज चलो अभियान卐 के तहत सभी बारहवीं एवं स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों से अपील की है कि वे समयसीमा का पालन करते हुए शीघ्र पंजीयन कराएं और उच्च शिक्षा का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि समय पर आवेदन और दस्तावेज सत्यापन कराने से विद्यार्थियों को अपनी पसंद के महाविद्यालय में प्रवेश मिलने की संभावना अधिक रहेगी।

सांदीपनि विद्यालय में कक्षा 11वीं कृषि संकाय में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 11वीं (वाणिज्य एवं कृषि संकाय, हिंदी माध्यम) की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थियों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र दिनांक 09 मई 2026 तक जमा करने का आग्रह किया गया है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ युवराज रहांगडाले ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया में शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा, इसलिए इच्छुक अभ्यर्थियों को समय सीमा के भीतर आवेदन करने की सलाह दी गई है। प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे समय पर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करें तथा अधिक जानकारी के लिए विद्यालय से संपर्क करें।

संतोष भलावी को 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट तहसील के ग्राम दौनी निवासी वर्षा भलावी की 17 मार्च 2026 को तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक के वारिस पिता संतोष भलावी को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर संतोष भलावी के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

चरित्र शंक में पत्नी से की मारपीट, दी जान से मारने की धमकी - पति के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम मरारी टोला में एक पति ने शराब के नशे में पत्नी के चरित्र पर शक कर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और घर से निकाल दिया। घर वापस आने पर जान से मारने की धमकी भी। दे दी। पीडि़ता की शिकायत पर बिरसा पुलिस ने आरोपी पति परशुराम विनायक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूनम विनायक 29 वर्ष खेती-बाड़ी और घरेलू काम करती है। पूनम की शादी 15 वर्ष पहले परशुराम पिता लखन विनायक से हुई थी। दंपती के दो बच्चे हैं। पूनम का आरोप है कि पति परशुराम आए दिन शराब पीकर घरेलू बातों को लेकर झगड़ा करता था। मजदूरी पर जाने और देर से लौटने पर चरित्र पर शक कर उसके साथ मारपीट करता था।28 अप्रैल को सुबह करीब 10 बजे पूनम पति से पूछकर पड़ोस में मामी के घर शादी कार्यक्रम में गई थी। दोपहर करीब 12-30 बजे जब वह घर लौटी तो पति परशुराम ने अंदर से दरवाजा बंद कर रखा था। आवाज लगाने पर दरवाजा खोला और चरित्र पर शक करते हुए अश्लील गालियां दीं। इसके बाद हाथ-मुक्कों से बेरहमी पूर्वक मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया और दोबारा घर आने पर जान से मार की धमकी दे दी। घटना के समय ससुर लखन विनायक बकरी चराने गए थे। घर लौटने पर पूनम ने उन्हें पूरी घटना बताई। इसके बाद वह थाने पहुंची और पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।बिरसा पुलिस ने पूनम की रिपोर्ट पर आरोपी परशुराम विनायक के खिलाफ शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिमला में भारी ओलावृष्टि, 3 इंच मोटी परत बिछी- अगले 6 दिन बारिश के आसार

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और इसके आसपास के क्षेत्रों में 30 अप्रैल को हुई भीषण ओलावृष्टि ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है, जिससे कुफरी और ठियोग जैसे इलाकों में जमीन पर ओलों की तीन इंच मोटी सफेद चादर बिछ गई है। गुरुवार को दोपहर के समय अचानक हुए मौसमी बदलाव के कारण राजधानी में दिन में ही अंधेरा छा गया और सड़कों पर भारी फिसलन होने से यातायात बाधित हुआ। इस प्राकृतिक आपदा का सबसे दर्दनाक पहलू कृषि क्षेत्र पर पड़ा है, जहाँ सेब के बागानों के साथ-साथ मटर और फूलगोभी की नकदी फसलें पूरी तरह तबाह हुई हैं, जिससे बागवानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखकर शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों के लिए तत्काल तूफान और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है, जबकि चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जैसे क्षेत्रों को भी येलो अलर्ट पर रखा गया है। आगामी छह दिनों तक राज्य में मौसम के इसी तरह खराब रहने के आसार हैं, जिसमें 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली हवाएं और रुक-रुक कर होने वाली बारिश शामिल है। विशेष रूप से 3 और 4 मई को पूरे प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। तापमान में आई इस अचानक गिरावट ने जहाँ मैदानी इलाकों के लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड का प्रकोप बढ़ा दिया है। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो इस साल अप्रैल का महीना अप्रत्याशित रहा है, जिसमें बिलासपुर और सोलन जैसे जिलों में सामान्य से लगभग दो सौ प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

पटवा में नाले में नहाते समय फिट का दौरा पड़ने से एक व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम पटवा के सोनवाही नाले में नहाने गए एक व्यक्ति की फिट का दौरा पड़ने से नाले में डूबकर मौत हो गई। बिरसा पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पटवा निवासी नानसाय पिता दुकालू सिंह धुर्वे46 खेती-मजदूरी कर परिवार चलाता था। नानसाय पिछले 10 साल से मिर्गी की बीमारी से पीड़ित था। इसी कारण परिवार के लोग उसे पानी और आग से दूर रखने की कोशिश करते थे।28 अप्रैल को नानसाय घर पर अकेला था। बेटा चंद्रेश धुर्वे किसी काम से मलाजखंड गया था और पत्नी रसीलाबाई गांव में ही किशन धुर्वे के घर खाना बनाने गई थी। शाम करीब 5 बजे नानसाय गांव के पास सोनवाही नाले में नहाने चला गया। उसी समय परिवार के अन्य सदस्य भी नहाने नाले पर पहुंचे थे। नहाते समय अचानक मिर्गी का दौरा पड़ने से नानसाय नाले में ही गिर गया। परिजनों ने उसे गिरते देखा और तुरंत दौड़कर नाले से बाहर निकाले लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जिसके बाद परिजन उसके शव को घर ले आए।घटना की सूचना मिलते ही बेटा चंद्रेश घर पहुंचा और बिरसा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। 29 अप्रैल को बिरसा पुलिस ग्राम पटवा पहुंची। शव बरामद कर पंचनामा कार्रवाई की। बिरसा अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिवार में पत्नी रसीलाबाई और इकलौता बेटा चंद्रेश है।

जिले में बढ़ रहे साइबर अपराध, सोशल मीडिया अकाउंट हैक और क्लोनिंग से लोग परेशान

फेसबुक-इंस्टाग्राम पर बढ़े हमले, परिचित बनकर ठग मांग रहे पैसे, सतर्क रहने की सलाह

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में इन दिनों साइबर अपराध के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। खासतौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय साइबर ठग अब नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर अकाउंट हैक करना, क्लोन बनाना और परिचित बनकर पैसे मांगना अब आम होता जा रहा है, जिससे आमजन खासे परेशान हैं। जानकारी के अनुसार बीते कुछ दिनों में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां साइबर ठगों ने लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट को हैक कर लिया या फिर उनके नाम से फर्जी (क्लोन) अकाउंट बनाकर उनके परिचितों को मैसेज भेजकर पैसे की मांग की।

साइबर ठग अब विशेष रूप से उन लोगों को निशाना बना रहे हैं, जिनके सोशल मीडिया अकाउंट पर ज्यादा फॉलोअर्स हैं या जो सामाजिक रूप से अधिक सक्रिय हैं। ऐसे अकाउंट्स का क्लोन बनाकर ठग उनके रिश्तेदारों और दोस्तों को संदेश भेजते हैं और किसी आपात स्थिति का हवाला देकर पैसे मांगते हैं। इसके अलावा कुछ मामलों में यह भी सामने आया है कि जिन लोगों ने इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया ही नहीं, उनके नाम और फोटो का उपयोग कर फर्जी अकाउंट तैयार कर दिए गए। एक

हालिया मामले में एक महिला को उसके परिचितों ने बताया कि उसका इंस्टाग्राम अकाउंट चल रहा है, जबकि उसने कभी इस प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाया ही नहीं था। ऐसे मामलों में ठग फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म से सार्वजनिक रूप से उपलब्ध फोटो और जानकारी का इस्तेमाल कर नकली प्रोफाइल तैयार कर लेते हैं। इससे आम लोगों की निजता और सुरक्षा दोनों पर खतरा बढ़ता जा रहा है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकांश लोग अपने सोशल मीडिया अकाउंट की सुरक्षा को लेकर लापरवाह रहते हैं, जिसका फायदा ठग उठाते हैं। उन्होंने सलाह दी है कि सभी यूजर्स अपने अकाउंट की प्राइवेसी सेटिंग्स को मजबूत करें और टू-स्टेप वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से चालू रखें। विशेषज्ञों के अनुसार अकाउंट को पब्लिक रखने से व्यक्तिगत फोटो और जानकारी आसानी से किसी के भी हाथ लग सकती है, जिससे फर्जी प्रोफाइल बनाना आसान हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि यूजर्स अपनी प्रोफाइल को प्राइवेट रखें और अनजान लिंक या मैसेज पर क्लिक करने से बचें। इधर, साइबर में भी इस प्रकार की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। पुलिस विभाग द्वारा लोगों से अपील की जा रही है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना संबंधित अधिकारियों को दें। डिजिटल युग में जहां सोशल मीडिया लोगों को जोड़ने का माध्यम बना है, वहीं यह साइबर अपराधियों के लिए भी नया हथियार बनता जा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि आमजन जागरूक और सावधान रहकर ही इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करें।

मई माह के अंतिम सप्ताह में गर्रा रेलवे ओव्हर ब्रिज से यातायात प्रारंभ होने की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-गर्रा रोड पर वैनगंगा नदी के पुल के पहले बन रहे रेलवे ओव्हरब्रिज का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है। इस ओव्हरब्रिज से मई माह के अंतिम सप्ताह में यातायात प्रारंभ होने की संभावना है। बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी एवं सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ श्री ओमप्रकाश सनोडिया ने गत दिवस रेल ओव्हरब्रिज के कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओव्हरब्रिज के शेष कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश किये। निर्माण कार्य करा रहे ठेकेदार द्वारा बताया गया कि ब्रिज का शेष कार्य 20 मई तक पूर्ण हो जाएगा और मई माह के अंतिम सप्ताह में ओव्हरब्रिज यातायात के लिए तैयार हो जाएगा। इस ओव्हरब्रिज से यातायात प्रारंभ हो जाने से बडे वाहनों को डेंजर रोड से घूम कर आना-जाना नही करना पडेगा और यातायात की सुगम

आवश्यकता है

पेट्रोल पंप में काम करने हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है युवतियों को विशेष प्राथमिकता
युवक-4 पद, युवती 4 पद, मेनेजर 2 पद,
वेतनमान-योग्यता अनुसार

सम्पर्क करें- रूसिया फ्यूल बालाघाट रोड़ ,
अभिषेक पेट्रोलियम चंदोरी कटंगी रोड़ वारासिवनी
मों.नं.6260987149, 7974436365,
9822219741, 9713298484

ई-विकास पोर्टल से 01 मई से फास्फेटिक उर्वरक का 100 प्रतिशत उठाव संभव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा 28 अप्रैल 2026 को आयोजित साप्ताहिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उर्वरक वितरण को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत 01 मई 2026 से पात्र कृषकों को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से फास्फेटिक उर्वरकों का 100 प्रतिशत तक उठाव/क्रय एक ही बार में करने की सुविधा मिलेगी। उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि कृषक अपने रकबा एवं फसल के अनुसार निर्धारित मात्रा में फास्फेटिक उर्वरक जैसे डीएपी, सिंगल सुपर फॉस्फेट (स्स्क्र), एनपीके एवं एमओपी का पूरा उठाव एक बार में कर सकेंगे। इससे किसानों को उर्वरक उपलब्धता में सुविधा मिलेगी और समय की बचत होगी। हालांकि, नत्रजन उर्वरक जैसे यूरिया के मामले में एक बार में अधिकतम 50 प्रतिशत तक ही उठाव या क्रय की अनुमति दी गई है। शेष मात्रा का उठाव बाद में किया जा सकेगा। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अपने खेत के रकबा एवं फसल के अनुसार आवश्यक उर्वरकों का क्रय/उठाव ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ही करें, ताकि उन्हें निर्धारित मात्रा में उर्वरक समय पर उपलब्ध हो सके।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

भावपूर्ण श्रद्धांजली
स्व. श्री डेमेश्वर महाजन (महाजन जी)
(वरिष्ठ लेखापाल एवं एडवोकेट)
श्रद्धांजली शोक सभा

01.05.2026 दिन शुक्रवार
समय शाम 6.00 बजे वैध लॉन,स्नेह नगर, बालाघाट (म.प्र.)

शोकाकुल
बाघरेचा तिजारे एंड एसोसिएट्स
एवं समस्त टीम मेम्बर एवं मित्रगण
श्री तुकाराम-मीराबाई (माता-पिता)
श्री मुनेश्वर-सविता (भाई-भाभी)
श्रीमती ललिता (पत्नी), रूद्व-रियांश (पुत्र)
श्री किशन-लिमेश्वरी (भाई-बहन)
श्रवणलाल-सुखवन कावरे (सास-ससुर)
कृष्णा-अनिल-अनिता (साले-साली)

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट